आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आज का मौसम
18.0⁰ अधिकतम तापमान
08.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20 ▪ मूल्य 6 रुपये

HAPPY NEW YEAR 2026

आप सभी देशवासियों को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY NEW YEAR 2026

सभी जनपद-वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई

अनिल कुमार
पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य
निवासी गांव रम्पुरानत्थू वि.खं. बरखेड़ा कला पीलीभीत

योगेश कुमार
निवासी गांव मचवाखेड़ा बरखेड़ा कला पीलीभीत

2026 2026
Happy New Year Happy New Year

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

गौरव शुक्ला
एम.डी.
प्रमोद यादव
शीतल हॉस्पिटल
बीसलपुर रोड बिलसंडा,पीलीभीत

HAPPY NEW YEAR 2026
HAPPY NEW YEAR 2026

सभी जनपदवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

न्यू साबरी टिंबर
प्रोपराइटर
हनीफ खां
मेन रोड बरखेड़ा कला, पीलीभीत

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY NEW YEAR 2026

मुन्नी देवी
ग्राम प्रधान
2026 Happy New Year
इबरार
सचिव
ग्राम पंचायत कनपरी विकासखंड बिलसंडा-पीलीभीत

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY NEW YEAR 2026

महिपाल
ग्राम प्रधान
2026 Happy New Year
इबरार
सचिव
ग्राम पंचायत करनपुर चक विकासखंड बिलसंडा-पीलीभीत

सभी जनपदवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY NEW YEAR 2026

शुभम् गुप्ता
लेखपाल
गुलड़िया भिण्डारा
तहसील अमरिया
जनपद -पीलीभीत

2026 Happy New Year
समस्त जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सुलिन्दर सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत हरदासपुर
विकासखंड- अमरिया
जनपद -पीलीभीत

2026 Happy New Year
आप सभी क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. क्रीट कान्त शुक्ला अस्पताल
घुंघचिहाई पूरनपुर, पीलीभीत (उ.प्र.)
मो. 9411831225, 9412297209

डॉ. के.के. शुक्ला
बी.ए.एम.एस.
फिजीशियन एण्ड सर्जन
डॉ. विकास शुक्ला
बी.ए.एम.एस., सी.सी.एच.
फिजीशियन एण्ड सर्जन
डॉ. दृढ़ता शुक्ला
बी.ए.एम.एस., सी.जी.ओ.
फिजीशियन एण्ड सर्जन, एम.ए. साइकोलॉजी

2026 Happy New Year
समस्त जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

गुरजीत सिंह
भाजपा कार्यकर्ता
ग्राम - भरा पचपेड़ा
विकासखंड- अमरिया
जनपद -पीलीभीत

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

2026 Happy New Year

सुरजीत दिवाकर
वन दरोगा पूरनपुर
सामाजिक वानिकी

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

सत्यनारायण यादव
प्रभारी प्रधानाध्यापक
नारायनपुर घुंघचिहाई

Happy New year

STAY FRESH WITH ORWELL MINERAL WATER
Now open for distribution
1000 ml
500 ml
200 ml
PURE • Refreshing • Trusted
Kindly contact : 7983298803

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई

स्वच्छता है एक बड़ा अभियान, स्वच्छता में दीजिए आप सब पूरा योगदान

अमित कुमार गंगवार
ग्राम प्रधान

भुवनेश कुमार
ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत बहादुरपुर हुक्मी विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

गुप्ता स्वीट्स हाउस
पीलीभीत बीसलपुर रोड पौटा कला पीलीभीत
शुद्ध मिठाइयों के लिए संपर्क करें
मुकेश गुप्ता

सभी जनपदवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती रामदेवी गंगवार
ब्लॉक प्रमुख
विकास खंड बरखेड़ा कला
पीलीभीत

कमलेश कुमार गंगवार
भाजपा जिला उपाध्यक्ष व
प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख
बरखेडा कला पीलीभीत

नरेन्द्र गंगवार
बी.डी. ट्रेडर्स
पीलीभीत

समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं

एकेश कुमार वर्मा
इंचार्ज प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय मदारपुर
पूरनपुर पीलीभीत

सभी जनपद वासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई

स्वच्छता है एक बड़ा अभियान, स्वच्छता में दीजिए आप सब पूरा योगदान

रूपलाल
ग्राम प्रधान

योगेश कुमार
सचिव

ग्राम पंचायत मुड़िया कुंडरी विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

■ आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

■ ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

■ विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आज का मौसम 18.0° अधिकतम तापमान 08.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 07.04 सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण ■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082 | बरेली | गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20 ■ मूल्य 6 रुपये

अखबार पढ़ने की आदत : एक जरूरी पुनर्विचार

1960 से 1980 के दशक में जन्मी पीढ़ी के लिए अख़बार केवल समाचार पत्र नहीं था, बल्कि दिन की शुरुआत का एक अनिवार्य हिस्सा था। सुबह दरवाज़े पर अख़बार गिरने की मद्धम सी आवाज़ के साथ दिन शुरू होता। जो जल्दी उठता, वही सबसे पहले पूरा अख़बार पढ़ने का सौभाग्य पाता। कुछ ही घंटों में उसके पन्ने घर के अलग-अलग सदस्यों तक पहुंच जाते— किसी के लिए समाचार, किसी के लिए खेल, व्यापार या फिर स्थानीय खबरें।

उन दिनों अख़बार समाज की धड़कन हुआ करता। स्थानीय विज्ञापन, वैवाहिक सूचनाएं, शोक समाचार, टेंडर नोटिस, राजनीतिक गतिविधियां, सामाजिक कार्यक्रम और नागरिक मुद्दे–सब कुछ उसी में दर्ज होते। ये समाचार लोगों को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ते और समुदाय के साथ एक आत्मीय रिश्ता भी बनाते थे। आज हम एक डिजिटल और मोबाइल-केंद्रित युग में जी रहे हैं। सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन विश्वसनीयता, पुष्टि और संदर्भ का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर खबरें तेज़ी से आती-जाती हैं, परंतु उनमें गहराई और ज़िम्मेदारी अक्सर नहीं होती। सबसे अधिक नुकसान हाइपरलोकल समाचारों का हुआ है– वे खबरें जो सीधे हमारे जीवन, हमारे शहर और हमारे मोहल्ले को प्रभावित करती हैं।

मीडिया उद्योग में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान मैंने इस परिवर्तन को बहुत करीब से देखा है। तकनीक बदली है, समाचार वितरण के माध्यम बदले हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है– सत्य, संतुलन और विश्वास। अख़बार आज भी प्रमाणिकता, संपादकीय अनुशासन और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग का सबसे मज़बूत माध्यम बने हुए हैं। अखबार समाचारों और सूचनाओं का सच्चा और तटस्थ माध्यम आज भी है, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में अखबार अनिवार्य किया है। साथ ही छात्रों को इसे पढ़ने की आदत डालने के लिए भी कहा है। अख़बार हमें रुककर सोचने की आदत सिखाता है, केवल प्रतिक्रिया देने की नहीं। यह समाज का दस्तावेज़ है— आज का भी और आने वाले कल का भी। अखबार पढ़ना अतीत की कोई धुंधली याद नहीं, बल्कि वर्तमान की एक बौद्धिक आवश्यकता है। यह हमें शोर से बचाकर सार तक ले जाता है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां केवल सूचनाओं से भरी न हों, बल्कि उनके पास विवेक और समझ भी हो, तो अखबार को फिर से ड्राइंग रूम की मेज पर गरिमापूर्ण स्थान देना होगा।

2026 की ओर बढ़ते हुए यह सवाल प्रिंट बनाम डिजिटल का नहीं, सवाल यह है कि हम किस तरह की जानकारी पर भरोसा करना चाहते हैं। घरों, दफ्तरों और संस्थानों में अख़बार को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाना किसी अतीत की याद नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की ज़रूरत है।

आइए, एक संकल्प लें:

● एक अख़बार की सदस्यता लेने का। ● स्थानीय पत्रकारिता को समर्थन देने का। ● पुष्ट और विश्वसनीय समाचार पढ़ने का। ● और सबसे अहम अगली पीढ़ी को अखबार पढ़ने की आदत सौंपने का।

अमृत विचार की तरफ से आप सभी को नूतन वर्ष मंगलमय हो...

पार्थो कुनार

सीओओ

अब देश में हर जगह बोल सकते जय श्रीराम और राम-राम : मुख्यमंत्री

जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरे वर्षगांठ समारोह में बोले योगी

● रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी समारोह में हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/अयोध्या

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब किसी भी जगह जयश्रीराम और राम-राम बोल सकते हैं। भारत सरकार की योजना भी अब 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है जो रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (प्रतिष्ठा द्वादशी) बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।

योगी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने राम की शिक्षा का पालन किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामलला के दर्शन करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच परिसर में बने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा जिस प्रकार श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को अद्वितीय बताया। कहा, भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेक देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सबका आंदोलन था। 500 वर्ष अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

उप्र पुलिस में 32,679 नई भर्तियों की घोषणा

● साल के आखिरी दिन युवाओं को योगी सरकार ने दी अच्छी खबर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को अच्छी खबर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32,679 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती अब अभियान का रूप ले चुकी है। साल 2025 में ही 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती पूरी की गई थी और अब 32,679 नई भर्तियों की घोषणा ने यह साफ कर दिया है कि सरकार कानून-व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

लिवर खराब करने वाली दवा निमेसुलाइड पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

● सौ मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाली ओरल दवाएं आएंगी प्रतिबंध के दायरे में

स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है। लिवर को नुकसान पहुंचाने वाली इस दवा को मंत्रालय ने एक वर्ष पहले मवेशियों के लिए भी प्रतिबंधित कर दिया था।

भारत में इस साल्ट का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक इसकी उच्च खुराक से कई समस्याएं पैदा हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पहले ही इससे रोगियों में लिवर-किडनी को घातक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई थी। इसे गिद्धों के लिए भी खतरनाक बताया गया था। इस बारे में आईवीआरआई के एक अध्ययन के दौरान जिन जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गई, वे 24 घंटे के भीतर मर गए।

कई देशों में 20 साल पहले से प्रतिबंध: फिनलैंड, स्पेन, आयरलैंड, सिंगापुर समेत कई देशों ने 2002 और 2007 के बीच इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके लिवर एंजाइम की वृद्धि, लिवर विषाक्तता, आंतरिक रक्तस्राव, थक्के विकार, किडनी को गंभीर रूप से नुकसान जैसे जोखिम बताए गए थे। भारत ने 2011 में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, मगर बार-बार चेतावनियों के बावजूद वृद्ध रोगियों में उपयोग की अनुमति जारी रखी गई।

18 साल की काम्या ने साउथ पोल तक स्कीइंग कर रचा इतिहास

● सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला बनीं

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से यह यात्रा शुरू करके ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल 115 किमी का सफर तय किया। यह शानदार उपलब्धि हासिल करने को काम्या ने अंटार्कटिका की माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान और तेज तूफानी हवाओं का सामना किया। वह पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज खींचते हुए 60 नॉटिकल मील पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं। भारतीय नौसेना ने काम्या को बधाई दी है।

ब्रीफ न्यूज

सुबह 10 से 3 बजे तक चलेंगे माध्यमिक स्कूल

लखनऊ। प्रदेश में 2 जनवरी से सभी माध्यमिक स्कूल खुल जाएंगे। यह स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3.0 बजे तक खुलेंगे। सर्दी को देखते हुए स्कूलों के समय को एक घंटा कम किया गया है। पहले इन स्कूलों का समय 9.30 बजे से 3.30 बजे तक का था। माध्यमिक स्कूलों से अलावा प्राथमिक स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह 15 दिन का शीतकालीन अवकाश बेसिक के अवकाश कैलेंडर में अंकित होता है।

झारखंड: हाई सिक्योरिटी जेल से तीन कैदी फरार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार से तीन कैदी फरार हो गए हैं। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सकते में ला दिया है। यह जेल हाई सिक्योरिटी के लिए जानी जाती है। जहां खूंखार कैदी और नक्सलियों को रखा जाता है। इसके साथ कई हाई प्रोफाइल विचाराधीन कैदी भी जेल में बंद हैं। ऐसे में तीन कैदी के लापता होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठना शुरू हो गए हैं। इस जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे इन पांच सुरक्षा घेरा से गुजरना होता है। कोई बाहर निकलता है तो भी उसे इन पांच घेरों से होते हुए निकलना पड़ता है।

रिश्वतखोरी में सीजीएसटी उपायुक्त समेत 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के झांसी में सीजीएसटी कार्यालय में रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी व उपायुक्त प्रभा भंडारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य लोगों में अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय कुमार शर्मा, जय दुर्गा हार्डवेयर के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। सीबीआई ने 30 दिसंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि जीएसटी चोरी के मामलों में निजी फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी।

इंदौर में दूषित पानी से डायरिया, 9 मरे

भोपाल, एजेंसी

● देश में सबसे स्वच्छ घोषित शहर में सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती

● नगर निगम के दो अफसरों को निलंबित, एक को बर्खास्त किया

इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया। डायरिया होने के बाद छह महीने के एक बच्चे सहित अब तक नौ लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सैकड़ों लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा के अब तक 1146 मरीजों का इलाज किया जा चुका है, जबकि 150 से अधिक मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। स्थिति यह है कि क्षेत्र के लगभग हर दूसरे घर से कोई न कोई व्यक्ति बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहा है। लापरवाही सामने आने के बाद निगम के जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को सेवा से बर्खास्त किया गया है। मामले की जांच के लिए एडीएम नवजीवन पंवार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने तथा मरीजों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है।

पर्यावरण की चिंता | संघ प्रमुख ने अरावली का जिक्र कर दी चेतावनी– ध्यान न रखा तो भविष्य को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

विकास और प्रकृति में संतुलन रखना बेहद जरूरी

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि विकास और प्रकृति में संतुलन बेहद जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण का ख्याल रखे बगैर विकास की रफ्तार जारी रखी गई तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत बुधवार को रायपुर एम्स में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मौजूदा दौर में विकास की दिशा पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसा कोई मॉडल अब तक सामने नहीं आया है, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण बिना टकराव के एक साथ आगे बढ़ सके। ऐसी परिस्थितियों में समाज को संतुलित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ना ही होगा।

उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में अरावली पर्वतमाला का उल्लेख किया जिसकी नई परिभाषा लागू किए जाने पर देश भर के प्रमुख पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता जताई थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है।

युवा जिम्मेदारी समझें, बड़े बदलाव की नींव रखें

संघ प्रमुख ने कहा कि विकास और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों का समानांतर और संतुलित विस्तार जरूरी है। इसके लिए केवल नीतियों में बदलाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे करियर और रोजगार के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की नींव रखें। युवाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर बात करते हुए भागवत ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज का युवा भीतर से अकेलापन महसूस कर रहा है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

पीलीभीत

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

खुद की फार्मेसी, फिर भी दवा बनाने में दिक्कत

आपसी समन्वय न होने से चार क्विंटल से अधिक जड़ी बूटियों में लग रही सीलन, खराब होने की आशंका

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : प्रदेश स्तर पर पहचान बना चुकी आयुर्वेदिक फार्मेसी का फायदा जिले के आयुर्वेदिक अस्पताल को नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल और फार्मेसी स्टाफ के बीच समन्वय की कमी ने हालत ऐसे बना दिए हैं कि दवा निर्माण के लिए लाई गई चार क्विंटल से अधिक जड़ी-बूटियां सीलन का शिकार हो रही हैं। जिसका सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है।

आलम यह है कि मरीजों को आयुर्वेदिक अस्पताल से मिलने वाली दवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। जिससे ओपीडी में लिखी जाने वाली दवाएं मरीजों को बाहर से खरीदनी पड़ रही है। प्राचार्य का तर्क है कि फार्मेसी उनके अधीन नहीं है। मांग अधिक है, लेकिन फार्मेसी से पर्याप्त मात्र में दवा नहीं बन पा रही है। बता दें कि जिले में आयुर्वेदिक राजकीय महाविद्यालय की स्थापना 1899 में हुई थी। इसके बाद अस्पताल के साथ फार्मेसी को भी तैयार किया गया था। आयुर्वेदिक कॉलेज में दशकों से फार्मेसी से बनी दवाएं दी जाती है। यहां विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों से आयुर्वेदिक दवाएं बनाई जाती हैं, जिनकी सप्लाई 19 जनपदों में होती है। यह फार्मेसी नो प्रॉफिट नो लॉस के तहत काम करती है। इसके लिए हर साल शासन की ओर से बजट दिया जाता है। पहले यह फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य के अधीन होती थी, लेकिन कुछ वर्षो से इस फार्मेसी के लिए अलग से अधीक्षक की तैनाती कर दी गई है। इस फार्मेसी में पहले बाहरी जिलों के लिए दवाएं तैयार करने के अलावा पीलीभीत के कॉलेज की दवाएं भी तैयार करती थी। मगर कुछ समय से अस्पताल की दवाएं पिसाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि अस्पताल के पास अश्वगंधा और पंचसकार चूर्ण तैयार करने के लिए करीब चार क्विंटल से अधिक जड़ी बूटियां रखी हुई है। जिनकी पिसाई नहीं हो रही है। अस्पताल के जिम्मेदारों की मानें तो फार्मेसी के स्टाफ का तर्क रहता है कि उन्हें अन्य जिलों की सप्लाई देना है। इसलिए वह जूड़ी बूटियां नहीं पीस पा रहे है। ऐसे में अस्पताल के कैंपस में रखी यह जूड़ी बूटियां सीलने लगी हैं। अश्वगंधा, पंचसकार के अलावा करीब 25 दवाएं पिसने को बाकी हैं, लेकिन फार्मेसी समय नहीं दे रही है। यह दवाएं न होने पर मरीजों को बाहरी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने का मजबूर हैं।

● एक दूसरे को ठहरा रहे जिम्मेदार, मरीज हो रहे परेशान, बाहर से हो रही दवा की खरीद

सीमित संसाधन और पर्याप्त नहीं स्टाफ

एक तरफ अस्पताल प्रबंधन दवा न पीसने को लेकर अपनी समस्या बता रहे हैं। वहीं फार्मेसी अधीक्षक प्रकाश चंद का तर्क है कि पहले यह फार्मेसी कॉलेज के अधीन थी। अब शासन ने उसे अलग कर दिया है। इस फार्मेसी से पश्चिम के 19 जिलों में दवाओं की आपूर्ति का जिम्मा दिया गया है। शासन की ओर से फार्मेसी से समयबद्ध तरीके से दवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मगर, फार्मेसी में अभी भी सीमित संसाधन और पर्याप्त स्टाफ नहीं है। ऐसे में 19 जिलों के लिए दवाएं तैयार करना मुश्किल हो जाता है। साथ ही अस्पताल की दवाएं भी पीसी जाती है। कुछ समय पहले दवाएं पीसी गई थी। लेकिन मशीन खराब हो गई। फार्मेसी अस्पताल की दवा पीसने के लिए बाध्य नहीं है, लेकिन आपसी समन्वय और मरीजों की समस्या को देखते हुए दवाएं पीसी जा रही है। शासन को मशीन बढ़ाने के लिए डिमांड दी गई है। अगर नए साल में मशीनें मिल गई तो समस्या कम हो सकेगी।

दवाएं पीसने में आ रही दिक्कत : प्राचार्य

प्राचार्य डॉ. सुदीप बेदार ने बताया कि पहले फार्मेसी अस्पताल के अधीन थी। बाहरी जिलों के साथ अस्पताल की दवाएं भी तैयार हो जाती थी। अब उसे अलग कर दिया गया है। ऐसे में दवाओं की पिसाई में दिक्कत आ रही है। इस समस्या से जिम्मेदारों को अवगत करा दिया गया है। हालांकि फार्मेसी में कुछ दवाएं पीसी भी गई हैं।

किर्गिस्तान में फंसे 12 युवकों की हुई वतन वापसी

पीलीभीत, अमृत विचार: अच्छी नौकरी की चाहत में जालसाजों के जाल में फंसकर किर्गिस्तान जाकर फंसे जिले के सभी 12 लोगों की केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से वतन वापसी हो चुकी है। सभी का गुरुवार को भाजपा कार्यालय में स्वागत सम्मान किया जाएगा।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले 12 लोगों को जालसाजों किर्गिस्तान भेज दिया था, वहां उन्हें बंधक बनाकर काम कराया जा रहा था। आरोप है उन्हें पैसे नहीं दिए जा रहे थे। युवकों के घर वालों ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से गुहार लगाई थी। इसके बाद उनके प्रयास से विदेश मंत्रालय ने उनकी वतन वापसी के प्रयास किए। परिणाम स्वरूप सभी 12 लोगों की वतन वापसी कराई गई। सभी के वतन वापसी करने पर परिवार वालों ने राहत महसूस की। क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरुप पटेल ने केंद्रीय मंत्री और विदेश मंत्रालय को धन्यवाद दिया।

गोबर और गोमूत्र से बनेगा कीटनाशक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● कार्यदायी संस्था की टीम ने अफसरों से मिलकर प्लांट के निर्माण पर की चर्चा

● गोशाला में बनेगी लिक्विड बायो फर्टिलाइजर प्लांट, सस्ते दामों पर मिल सकेगी खाद व कीटनाशक

गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। देवीपुरा गोशाला में लिक्विड बायो फर्टिलाइजर का उत्पादन किया जाएगा। प्लांट स्थापना को लेकर अनुबंध करने वाली संस्था की टीम आई थी। इस पर विस्तृत चर्चा की गई है। जल्द ही इस पर आगे काम शुरू कराया जाएगा।
– डॉ. पीके त्यागी, सीवीओ

अमृत विचार: देवीपुरा गोशाला में गोबर और गोमूत्र से जल्द फसलों में प्रयोग किए जाने वाले कीटनाशक का उत्पादन किया जाएगा। इसे लेकर गोशाला में लिक्विड बायो फर्टिलाइजर प्लांट स्थापित किया जाएगा।

कोटा से आई कार्यदायी संस्था की टीम ने गोशाला का जायजा लेने के बाद अफसरों से मुलाकात कर रुपरेखा और प्लांट के निर्माण आदि पर चर्चा की। लिक्विड बायो फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना होने से जनपद के किसानों को सस्ते दामों में खाद व कीटनाशक उपलब्ध हो सके।केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। पूर्व में गोशाला के माध्यम से गमले, गोबर से बनी धूपबत्ती आदि बनाने का कार्य किया गया था। दीपावली के दौरान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा गोशाला में गोबर के दीये बनाए गए थे। इन दीयों की खूब डिमांड भी रही, मगर यह सबकुछ एक-एक कर बंद होते हुए। इधर अब जिला प्रशासन द्वारा देवीपुरा गोशाला को आत्मनिर्भर बनाने की कवायद तेजी से शुरू की गई है। गोशाला में गोबर से पेंट बनाने मशीन का स्थापित करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। साथ ही अब गोशाला में गोबर और गोमूत्र से कीटनाशक (लिक्विड बायो फर्टिलाइजर) बनाने की दिशा में तेजी से कवायद शुरू की गई है। इसको लेकर देवीपुरा गोशाला में लिक्विड बायो फर्टिलाइजर प्लांट स्थापित किया जाना है। पिछले दिनों ही जयपुर की एक कंपनी और पशुपालन विभाग के अधीन काम कर रही संस्था सोशल हेरीटेज फाउंडेशन के बीच इसको लेकर एक अनुबंध साइन किया गया था। इस प्लांट पर 25 लाख रुपये की लागत आएगा। इधर बीते मंगलवार शाम अनुबंध करने वाली संस्था की टीम ने गोशाला पहुंचकर जायजा लिया। साथ ही टीम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी समेत अफसरों से मिलकर प्रोजेक्ट पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर मां बेटे को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम सेमपुर निवासी सरस्वती देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री पल्लवी का विवाह तीन वर्ष पूर्व थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम गायबोझ निवासी विपिन कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोग उससे अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। 9 दिसंबर को वह बेटे कमल के साथ बेटी की ससुराल ग्राम गायबोझ पहुंचीं। वहां दामाद विपिन, उनकी मां दयावती और पिता दुर्गा प्रसाद ने उसके साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट की। उसके पुत्र ने बचाने का प्रयास किया तो उसकी भी पिटाई कर दी। किसी तरह वह अपनी पुत्री को ससुराल से लेकर मायके आ गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए लोकबंधु राजनारायण

कार्यक्रम में मौजूद सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि सपाइयों ने मनाई। नकटादाना चौराहा के पास स्थित लोकसभा चुनाव कार्यालय पर कार्यक्रम हुआ। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि लोकबंधु राज नारायण का राजनीतिक जीवन सदैव अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने, हमेशा अंतिम छोर के व्यक्ति के हितों के लिए संघर्षरत रहने का रहा। संचालन जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने किया। इस मौके पर युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, जिला उपाध्यक्ष बालकराम सागर, अमित पाठक एडवोकेट, निरंजन कुमार गंगवार, भुवनेश कुमार, भगवानदीन वर्मा, संजीव कुमार, अर्जुन भारती, रामू, अब्दुल सलीम, शेखर यादव, मयंक यादव, शादाब अंसारी, रामस्वरूप अवस्थी आदि मौजूद रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक

पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार: थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम ढकिया नथा निवासी प्रेम बहादुर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 दिसंबर को गांव का राकेश कुमार ई-रिक्शा से पीलीभीत से अपने गांव जा रहा था। ई-रिक्शा पर उसकी पत्नी उषा देवी के अलावा गांव की दुर्गा देवी, मैका देवी, लीलावती और ई-रिक्शा चालक राकेश कुमार का सात वर्षीय पुत्र रनवीर बैठा था। रास्ते में पीलीभीत बरेली मार्ग पर देवहा पुल के समीप कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव की ही लीला देवी पत्नी सालिकराम की इलाज के दौरान मौत हो गई। ई-रिक्शा भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

शिकायत पर खलिहान की भूमि को कब्जा मुक्त कराने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

फरियादियों की समस्याएं सुनते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

● राज्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं

अमृत विचार : गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बुधवार को अपने आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में जन समस्याओं को सुना। अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अमरिया क्षेत्र में खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा हटाने के निर्देश एसडीएम को दिए। ये भी निर्देश दिए कि अवैध कब्जेदारों पर भी कार्रवाई की जाए।

जहानाबाद थाना क्षेत्र के कुछ पीड़ितों ने थाना पुलिस की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की शिकायत की। इस दौरान राज्यमंत्री ने एसपी से दूरभाष पर वार्ता की और संबंधित थाना पुलिस के खिलाफ कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने के निर्देश दिए। मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बेहरी की प्रधान सवित्री देवी ने ग्राम समाज की बंजर एवं परती भूमि को गरीबों एवं बेसहारा लोगों को आवंटित कराए जाने की मांग करते हुए पत्र दिया। इस पर राज्यमंत्री ने एसडीएम सदर को कार्रवाई के निर्देश दिए। ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के गौनेरी बदी के प्रधान कृष्ण गोपाल ने गांव स्थित ब्रहमदेव स्थल पर बिजली के पोल लगाए जाने और गांव में क्षतिग्रस्त बिजली पोलों को हटाए जाने की मांग की। ग्राम फरदिया निवासी धर्मपाल ने कृषि भूमि से सटा चकरोड की पैमाइश कराकर उसको गड्ढा मुक्त कराए जाने की मांग की। इनके निस्तारण के निर्देश दिए गए। किया जाए इसमें किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साल के अंतिम दिन संकीर्तन में झूमे श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

गौर धाम मंदिर में संकीर्तन करते श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल के सदस्य।

● श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से किया गया आयोजन

अमृत विचार: साल के अंतिम दिन विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रम हुए। श्रीराधा माधव संकीर्तन मंडल की ओर से कैलेंडर वर्ष 2025 के अंतिम दिन श्री गौरधाम मंदिर मोहल्ला साहूकारा में दिव्य गिरिराज उत्सव का आयोजन किया गया।

संकीर्तन के माध्यम से श्रीगिरिराज महाराज की मनोहार की गई। संकीर्तनकार अजय पांडे, शिवम सैनी, शशांक अग्रवाल, ओम वर्मा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे गाकर संकीर्तन शुरू किया। सभी श्रद्धालु अपने घर से गिरिराज महाराज को भोग लगाने के लिए 56 भोग लेकर आए थे। हे गिरधर गोपाल आए शरण तिहारी है गोवर्धन नाथ रखियो लाज हमारी। बस एक बार आजा गिरिराज की शरण में गिरिराज धरण हम तेरी शरण। छठा तेरी तीन लोक से न्यारी है गोवर्धन महाराज आदि भजनों के माध्यम से पूरा वातावरण गिरिराज मय हो गया। श्रद्धालु नृत्य एवं पुष्प वर्षा कर संकीर्तन का आनंद ले रहे थे। कार्यक्रम देर रात तक चला। सभी ने नव कैलेंडर वर्ष 2026 का भी राधा नाम के साथ स्वागत किया। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर दीपक गोयल, अवधेश अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, पदम अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, प्रमोद पंत, रंजन पांडे, शिवम अग्रवाल, मुकुंद अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, मीरा कुमारी, छवि देवी, राकेश सिंह, राधिका आदि मौजूद रहे। उधर, श्रीबालाजी धाम अलीगंज में प्रत्येक मंगलवार को महंत दीपक शर्मा के नेतृत्व में लगने वाले बालाजी महाराज के संकट निवारण दरबार में वर्ष के अंतिम मंगलवार को खीर की प्रसादी का भव्य वितरण किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान देर शाम तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्री बालाजी धाम के महंत दीपक शर्मा ने बताया कि बाबा के दरबार में आने वाले सभी भक्तों ने श्रद्धा के साथ दर्शन किए। इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश चौहान, अशोक चौहान, मोहनलाल, धरमवीर, गौरव, आकाश, मंगली प्रसाद, मुनीष, दीपू, गोपाल, सोमपाल, प्रमोद, विशंभर दयाल, सिद्धांत, आदित्य समेत अन्य रहे।

2026 आप सभी देशवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं 2026

समस्त जनपद वासियों को मूसाराम परिवार की तरफ से नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
मूसाराम आटो सेल्स
निकट एल आर पी चौराहा लखीमपुर खीरी

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त वार्डवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
नववर्ष सभी के जीवन में अनंत खुशियां लेकर आए
वार्ड के विकास के लिए सतत प्रयासरत
आपका सेवक
धर्मेंद्र तिवारी टीटू
सभासद
लक्ष्मी नगर कॉलोनी, वार्ड नं 7
गोला गोकर्णनाथ-खीरी

2026 HAPPY NEW YEAR 2026 2026
प्रस्तुतकर्ता:- गोपी चन्द्र लखीमपुर मो 8858047588, मो वसीम महंगापुर 99190 97957, ओम नारायन शुक्ला धौरहरा 98398 43930, सुनील श्रीवास्तव बिझौली 9838641000, कामता सिंह कुशवाहा गोला 9415460831, कय्यूम मितौली 97928 28358, रामचंद्र शुक्ला पलिया 94151 66076, देवरजन मिश्रा मोहम्मदी 90445 21621, श्रीकांत सिंह जेबीगंज 87072 15251, मनोज चौधरी खमरिया 99847 75082

मा. मुलायम सिंह यादव अमर रहें! समाजवादी पार्टी जिन्दाबाद! मा. अखिलेश यादव जिन्दाबाद!
समस्त क्षेत्रवासियों को
नव वर्ष 2026, लोहड़ी, मकर संक्रान्ति
बसंत पंचमी, गणतंत्र दिवस, महाशिवरात्रि, होली एवं ईद
की
हार्दिक शुभकामनाएँ
मा. रामसरन जी
लखीमपुर प्रथम से
जिला पंचायत सदस्य पद
के उम्मीदवार
पटेल महेश चन्द्र कनौजिया
पूर्व सदस्य जिला पंचायत
9839356366
प्रतिष्ठान - पूजा ट्रेडर्स, रजागंज - खीरी

मा. मुलायम सिंह यादव अमर रहें! समाजवादी पार्टी जिन्दाबाद! मा. अखिलेश यादव जिन्दाबाद!
समस्त क्षेत्रवासियों को
नव वर्ष 2026, लोहड़ी, मकर संक्रान्ति
बंसत पंचमी, गणतंत्र दिवस, महाशिवरात्रि एवं होली
की
हार्दिक शुभकामनायें
मा. उत्कर्ष वर्मा
सांसद - खीरी
मा. रामसरन जी
बेहजम चतुर्थ से
जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी
हरीश कुमार वर्मा
सुपुत्र श्री माता प्रकाश वर्मा
मो. 7309644272, 9214067613
निवासीः ग्राम हरिया पो. भल्लिया बुजुर्ग
प्रतिष्ठान- नारायण ट्रेडिंग कम्पनी, लखीमपुर रोड, केशवापुर
महेश चन्द्र कनौजिया

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
प्रतिष्ठान
शक्ति गैस एजेंसी
गुरेला रोड मोहम्मदी खीरी
शक्ति टाइल्स मार्बल्स एंड सैनिटरी स्टोर
गोला रोड, मोहम्मदी खीरी
सौरभ गुप्ता
पूर्व नगर अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
गौरव गुप्ता

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
संगीता शुक्ला
पत्नी ओम नारायण शुक्ला
ओम नारायण शुक्ला
प्रभारी दैनिक अमृत विचार तहसील धौरहरा खीरी मो. 9839843930
निवासी मगरौली ग्राम सभा सुजई कुंडा विकासखंड रमिया बेहड खीरी

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
साईं बाबा हॉस्पिटल, मितौली
डॉ. प्रशांत शुक्ला मैनेजिंग डायरेक्टर
फिजिशियन मो. 9956444825
डॉ. प्राची शुक्ला स्त्री रोग विशेषज्ञ | प्रदीप शुक्ला संरक्षक
24 घंटे इमरजेन्सी सुविधा उपलब्ध
पता:- थाने के सामने निकट एसबीआई बैंक, मितौली खीरी

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
राम बचन तिवारी
प्रबंधक
सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज
पलिया कलां- खीरी।

2026 Happy New Year
HAPPY NEW YEAR 2026
आप सभी क्षेत्रवासियों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
चंडीगढ़ मिष्ठान भंडार
पलिया संपूर्णानगर रोड, गुरुद्वारा नानक पियाऊं के सामने, महंगापुर खीरी।
हमारे यहां शुद्ध मिठाइयां, खोया, पनीर, दही, बूंदी आदि उचित मूल्य पर उपलब्ध है व शादी पार्टी, इंगेजमेंट, बर्थडे के लिए होटल बुक किया जाता है और कैटर्स की सुविधा उपलब्ध है।
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें, ताकि हम आपके विश्वास को जीत सकें।
मो. 8957874219, 9565615050

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
भुट्टू पंजाबी
समाजसेवी
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर खीरी

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त क्षेत्रवासियों को नववर्ष 2026 व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
इकरार अहमद खाँ
नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी
प्रो. ईशमा - जोहम एंटरप्राइजेज
कोका कोला एजेंसी मोहम्मदी खीरी

HAPPY NEW YEAR 2026
समस्त सम्माननीय क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
इन्द्रेश गुप्ता
समाजसेवी
जीवन ट्रांसपोर्ट कम्पनी
(J.T.C.)
एल.आर.पी. रोड, लखीमपुर खीरी

समाजवादी पार्टी जिन्दाबाद!!!
समाजवादी पार्टी
डॉ. एस. पी. सिंह
सांसद (लोकसभा)
शिक्षकों एवं स्नातक बुद्धिजीवियों को
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY NEW YEAR 2026
कान्ति सिंह
प्रत्याशी सदस्य विधान परिषद्
लखनऊ खण्ड स्नातक 2026
सुशील कुमार
प्रत्याशी सदस्य विधान परिषद्
लखनऊ खण्ड शिक्षक 2026

DCM SHRIRAM Growing with trust 2026 DCM SHRIRAM Growing with trust
डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
शुगर एंड डिस्टीलरी यूनिट- अजबापुर
क्षेत्र के समस्त निवासियों, गन्ना कृषकों एव उनके परिवार को नूतन वर्ष-2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
कृषकों के आर्थिक विकास हेतु अजबापुर चीनी मिल सदैव प्रयासरत।
HAPPY NEW YEAR 2026
2026 Happy New Year
प्रभात कुमार सिंह
उपाध्यक्ष
डी.सी.एम. श्री राम लिमिटेड
शुगर एवं डिस्टिलरी यूनिट
अजबापुर

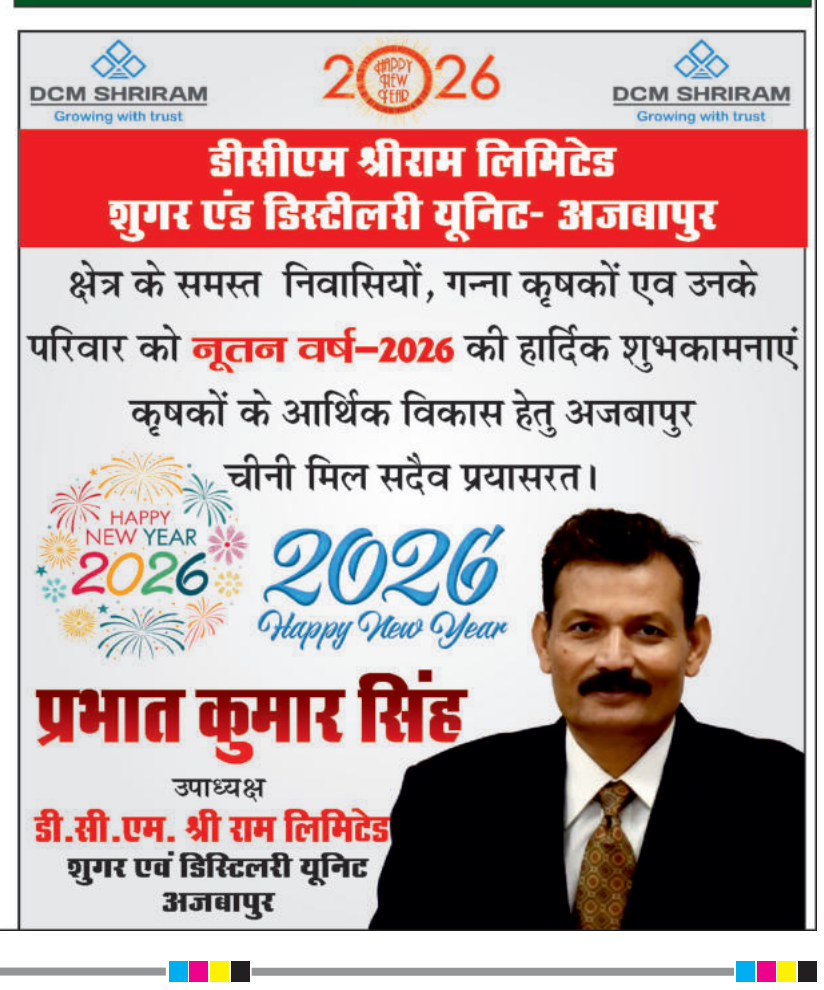

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

पीलीभीत

शहर में आज

- गांधी सभागार में सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत पर कार्यक्रम सुबह 11 बजे।
- भाकियू लोकशक्ति की बरखेड़ा ब्लॉक परिसर में पंचायत सुबह 10 बजे से।
- ऑकेजन बरात घर में श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शाम 4 बजे।
- गुरुद्वारा गुरु कलगीधर सिंह सभा से प्रभातफेरी सुबह 4 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

बिलसंडा में भी हुए पाठ और कीर्तन

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर और क्षेत्र के मंदिरों पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर पाठ और भजन कीर्तन आयोजित हुए। नगर के श्रीनिवास कुंज आश्रम पर नववर्ष की सुबह हरे कृष्णा हरे राम पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं बुधवार को बमरोली स्थित सिद्धनाथ आश्रम पर श्रीराम चरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। भजन कीर्तन किए गए। गुरुवार को नववर्ष पर रामचरित मानस पाठ के समापन पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

भाकियू लोकशक्ति की पंचायत आज होगी

बरखेड़ा, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के मंडलीय सचिव मुरलीधर कश्यप ने बताया कि बरखेड़ा ब्लॉक इकाई की मासिक पंचायत 1 जनवरी को ब्लॉक परिसर में जिलाध्यक्ष पातीराम कश्यप की अध्यक्षता में होगी।

जिला जजी में आज से होगा न्यायिक कार्य

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला जजी में शीतकालीन अवकाश के बाद नए साल में 1 जनवरी को जनपद न्यायालय में विधिवत अदालती कामकाज होगा। जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट ने बताया कि राजस्व अदालतों में विधिवत अदालती कामकाज होता रहा, चूंकि कलेक्ट्रेट में शीतकालीन अवकाश नहीं होता है। 1 जनवरी से जनपद न्यायालय में विधिवत न्यायिक कार्य होगा। शीतकालीन अवकाश में कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं के चेंबर आदि में निर्माण कार्य जारी रहा। नए वर्ष में अधिवक्ताओं को विधि व्यवसाय के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।

नए साल का जश्न मनाने पीटीआर पहुंचे सैलानी

2025 के अंतिम दिन सैलानियों से गुलजार रहा चूका बीच, दूसरी शिफ्ट में खूब रही भीड़-भाड़

पीटीआर में सेल्फी प्वाइंट पर फोटो शूट करते सैलानी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जंगल की हरी-भरी वादियों के बीच और शारदा डैम के किनारे चूका बीच में नए साल का जश्न मनाने के लिए एक दिन पहले ही नोएडा, लखनऊ समेत दूर-दराज के शहर से सैलानियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। ऐसे में एक दिन पहले ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व के तीनों पर्यटन गेट और इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच सैलानियों से गुलजार देखा गया। सैलानियों ने जंगल सफारी के दौरान बाघ समेत वन्यजीवों के दीदार करने के साथ उन्हें कैमरे में भी कैद किया। वन अफसर नए साल के पहले दिन सैलानियों की संख्या में अधिक बढ़ोत्तरी होने की बात कह रहे हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का जंगल और महोफ रेंज स्थित इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच खूबसूरती की मिसाल है। चूका बीच का अद्भुत नजारा और जंगल में घूमते बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के दीदार सैलानियों को यहां आने पर मजबूर कर देता है। पर्यटन सत्र के दौरान जिले के अलावा दूर-दराज के राज्यों से सैलानियों की आमद शुरू हो जाती है। इस पर्यटन सत्र में 1 नवंबर से अब तक देश-विदेश से 10 हजार से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंच चुके हैं। इसमें 100 से अधिक विदेशी सैलानी भी शामिल हैं। इधर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में नए साल के जश्न को लेकर सैलानियों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नए साल से एक दिन पहले ही देश के दूर-दराज शहरों के तमाम सैलानी चूका बीच पहुंच चुके हैं। चूका बीच की सभी हटें और गेस्ट हाउस पांच जनवरी तक के लिए एडवांस बुक हो चुके हैं। सैलानियों को कोई असुविधा न हो, इसको लेकर टाइगर रिजर्व के चूका बीच, सप्त सरोवर, महोफ गेट नंबर एक, मुस्तफाबाद गेट एवं बराही गेट समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों पर अतिरिक्त स्टाफ भी लगाया गया है।

> नए साल पर सैलानियों की बढ़ी संख्या के मद्देनजर पूर्व में ही पुख्ता इंतजाम कर लिए गए थे। अतिरिक्त स्टाफ लगाने के साथ सैलानियों को नियमानुसार ही प्रवेश दिया जा रहा है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

एक दिन पहले 400 से अधिक सैलानी पहुंचे

नए साल के जश्न को लेकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व एक दिन पहले ही सैलानियों से गुलजार रहा। शीत लहर के बावजूद सुबह से ही सैलानियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। इसमें नोयडा, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर समेत अन्य जनपदों के 400 से अधिक सैलानी चूका बीच, सप्त सरोवर पहुंचे। जंगल सफारी का लुत्फ उठाने वाले की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा रही। बुधवार को पहली शिफ्ट की अपेक्षा दूसरी शिफ्ट में खासी भीड़ देखी गई। सैलानियों ने दोनों ही शिफ्टों में जंगल सफारी कर आनंद लिया। इस दौरान सैलानियों ने चूका बीच की हरी भरी वादियों की खूबसूरती निहारने के साथ बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के दीदार किए और कैमरों में कैद किया। इधर चूका बीच के समीप स्थित शारदा सागर डैम और बाइफरकेशन में भी लोगों की खासी भीड़भाड़ रही। सैलानियों ने बाइफरकेशन में फैले नदियो के जाल के साथ शारदा सागर डैम के खूबसूरत नजारे को कैमरे में भी कैद किया।

- **जंगल सफारी के दौरान बाघ समेत वन्यजीवों के किए दीदार आज सैलानियों की जुटेगी भीड़**

पुलिस लाइन में दिलाई गई बाल विवाह मुक्ति की शपथ

पुलिस लाइन में शपथ लेते प्रशिक्षणार्थी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विभिन्न अधिनियमों की दी गई जानकारी**

अमृत विचार: बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला कारागार एवं पुलिस लाइन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान कारागार में बंदियों एवं पुलिस लाइन में नए प्रशिक्षणार्थियों को बाल विवाह मुक्त की सामुहिक शपथ दिलाई गई।

महिला कल्याण विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में बुधवार को जिला कारागार एवं पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला कारागार में डिप्टी जेलर पुष्पेंद्र विक्रम की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान महिला एवं पुरुष बंदियों को बाल विवाह मुक्त की शपथ दिलाई गई। वहीं पुलिस लाईन में आयोजित कार्यक्रम में सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल के सहयोग नए प्रशिक्षणार्थियों को भी बाल विवाह मुक्त की सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस दौरान जिला प्राबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी द्वारा विभिन्न अधिनियमों के संबध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान महिला कल्याण विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

टनकपुर-अछनेरा ट्रेन का संचालन दो माह बढ़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अन्य कई ट्रेनों का विस्तार कर पीलीभीत-पूरनपुर से जोड़ने के किए जा रहे प्रयास**

अमृत विचार: केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयास से अब रेल सुविधा को लेकर एक और राहत मिली है। टनकपुर से अछनेरा स्पेशल ट्रेन का संचालन दो माह के लिए बढ़ा दिया गया है।

पीलीभीत और पूरनपुर को लखनऊ, लखीमपुर, सीतापुर, बरेली, दिल्ली, गुरग्राम, रेवाड़ी, अलवर, जयपुर, अजमेर, और गुजरात के विभिन्न स्थानों को जोड़ते हुए भुज तक जाने वाली बरेली से भुज, आला हजरत एक्सप्रेस ट्रेन के पीलीभीत तक विस्तार के लिए भी केंद्रीय राज्यमंत्री की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने रेल मंत्री से व्यक्तिगत रुप से मुलाकात कर आग्रह किया है। वहीं, पूर्णागिरि जनशताब्दी एक्सप्रदेस में साधारण कोच लगवाने, लखनऊ से अमृतसर वाया पीलीभीत/पूरनपुर को जोड़ने के लिए एक नई ट्रेन के संचालन के भी प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि जल्द ही पीलीभीत को आगरा, झांसी, इटारसी, मध्यमप्रदेश के प्रमुख स्थानों से होते हुए नांदेड़ (हजूर साहिब), महाराष्ट्र तक जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन की सुविधा भी मिलेगी। जिसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। टनकपुर अछनेरा ट्रेन के संचालन नियमित होने से बड़ी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा पीलीभीत को अन्य शहारों से जोड़ा जाएगा।

बड़ा भाई जेल गया तो छोटे ने बनाया गिरोह, करने लगा ठगी

संवाददाता, पीलीभीत/ घुंघचिहाई

अमृत विचार : फर्जी कॉल सेंटर से साइबर ठगी करने वाले एक और शातिर को घुंघचिहाई पुलिस ने धर दबोचा। आरोपी बड़े भाई के गिरोह के सदस्यों के जेल जाने के बाद खुद सरगना बनकर नया गिरोह बना लिया, लोगों को जोड़ने लगा। अब पुलिस आरोपी के संपर्क वालों की पड़ताल कर रही है।

3 दिसंबर को घुंघचिहाई पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले अमृत पाल सिंह गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा था। उनके पास से नौ मोबाइल, दो लैपटॉप, 59500 रुपये समेत अन्य सामान बरामद किया था। इसके बाद 5 दिसंबर को छह अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए। जेल भेजे गए अमृतपाल से जुड़े अन्य संदिग्ध खातों की जांच की गई तो पता चला कि अमृतपाल का भाई अर्शदीप सिंह भी गिरोह में सक्रिय रहा। उसके दो बैंक खातों में कर्नाटक से चार, महाराष्ट्र से दो, तमिलनाडु से एक, पश्चिम बंगाल से एक, बिहार से एक, उड़ीसा से दो कुल 11 शिकायतों पर एनसीआरपी पोर्टल से होल्ड लगा है। इस पर पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और बुधवार को सर्विलांस की मदद से आरोपी ग्राम हरिपुर ताल्लुके अजीतपुर बिल्हा निवासी अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो मोबाइल, सात एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आधार कार्ड, एक कार्ड यूएई का बरामद किया। चालान कर कोर्ट में पेश करके उसे जेल भेज दिया।

घुंघचिहाई पुलिस की गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी अर्शदीप। ● अमृत विचार

- **घुंघचिहाई पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर से साइबर ठगी करने में एक और जालसाज दबोचा**
- **आरोपी के पास से यूएई का कार्ड सात एटीएम कार्ड, दो मोबाइल आदि किए बरामद**

बड़े भाई के पकड़े जाते ही डिलीट कर दिया था अपने मोबाइल का डाटा

पूछताछ में आरोपी ने बताया अमृतपाल गिरोह के पकड़े जाने के बाद अर्शदीप ने नया गिरोह बनाना शुरू कर दिया था। गिरोह की कमान खुद संभाली। नए लोगों से संपर्क करना शुरू कर दिया। इसके प्रमाण मोबाइल की चैटिंग में मिले। पूर्व में जेल भेजे गए आरोपी धर्मेंद्र कुमार, अमृतपाल समेत अन्य व्यक्तियों के नाम के एटीएम कार्ड मिले। इसे लेकर जानकारी की जा ही है। बता दें कि आरोपी अर्शदीप सरगना अमृतपाल का छोटा भाई है। वह दो साल पहले दुबई गया था और वहां कुछ समय तक नौकरी करने के बाद वापस आ गया।घर से ही ठगी का धंधा शुरू कर दिया। उसे ब्लैक में सिम कार्ड कुछ लोग दिलाया करते थे। बड़े भाई अमृतपाल के पकड़े जाने पर आरोपी अर्शदीप ने अपने मोबाइल का डाटा डिलीट कर दिया और भाग गया था। उसे लगा पुलिस अब शांत हो गई होगी, तभी वह वापस आकर ठगी करने लगा। पुलिस अब ये पता कर रही है कि अर्शदीप किन-किन लोगों के संपर्क में रहा।

> फर्जी कॉल सेंटर मामले में एक और गिरफ्तारी की गई है। पकड़े गए आरोपी का बड़ा भाई पूर्व में ही जेल भेजा जा चुका है। मामले की गहनता से पड़ताल कराई जा रही है।
> – **विक्रम दहिया**, एएसपी

निरीक्षण में टूटी मिलीं टाइल्स

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला पंचायत राज अधिकारी ने बीसलपुर ब्लॉक की तीन ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर विकास कार्यों को देखा। इस दौरान पंचायत सचिवालयों और सामुदायिक शौचालय में कमियां पाई गई। जिस पर उन्होंने सचिव एवं प्रधान को तत्काल कमियों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित भारती ने बुधवार को बीसलपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत गोबल पतिपुरा, मीरपुर वाहनपुर एवं मंडरा सुमन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत घरों में दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी बॉल पेंटिंग न मिलने पर उन्होंने संबंधित सचिव एवं प्रधान को तत्काल बाल पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण किया। तीन ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों का संचालन होते मिला, मगर एक शौचालय में कुछ टाइल्स टूटी मिली। इस पर उन्होंने कमियों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। आरआरसी सेंटर दुरुस्त मिले, लेकिन उनका संचालन होते नहीं मिला। रीक्षण के दौरान एडीओ पंचायत नूरुद्दीन, सचिव रितेश शुक्ला, संतोष कुमार समेत ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते डीपीआरओ रोहित भारती। ● अमृत विचार

- **पंचायत सचिवालय में नहीं मिलीं बॉल पेंटिंग, सचिव-प्रधानों को कमियां दुरुस्त कराने के निर्देश**

युवती को लेकर पहुंचा युवक पड़ोसियों ने किया विरोध

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **कोतवाली पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट, आरोपी हिरासत में**

अमृत विचार : दूसरे समुदाय की युवती को किराए के कमरे में लेकर युवक पहुंचा। जानकारी होने पर लोग जुट गए। हिंदू शेर सेना के पदाधिकारी भी आ गए और हंगामा किया। कोतवाली पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पकड़िया निवासी शनि सागर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके घर के सामने मो. कैफ का मकान है। उसमें कई किराएदार रहते हैं। बीसलपुर निवासी मो. आरिफ भी वहां रहता है। आरोप है कि वह किराए के कमरे में अलग-अलग युवतियों को लेकर आता है। जिसमें कई दूसरे समुदाय की भी होती हैं। बुधवार सुबह 9:30 बजे आरिफ दूसरे समुदाय की एक युवती को लेकर आया। इसकी जानकारी होने पर मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। मिश्रित आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण तनाव के हालात बनने लगे। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवती और आरिफ को कोतवाली ले आई। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। युवती को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

उपकरण की कमी वाले केंद्रों की दें सूची

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। जिसमें बाल विकास विभाग के मासिक कार्यों की समीक्षा के साथ पोषण कार्यक्रम पर बिन्दुवार चर्चा की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कार्यों की प्रगति पेश की। केंद्रों पर वजन मशीन की अनुपलब्धता से डीएम को अवगत कराया। इस पर डीएम ने निर्देश दिए कि जिन केंद्रों पर वजन मशीन व लंबाई मापने के लिए स्टेडियोमीटर और इन्फेंट्रोमीटर नहीं है उन केंद्रों की सूची दी जाएं। विभिन्न विभागों के सहयोग से उपकरणों की कमी को पूरा किया जाएगा। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में टीकाकरण के लिए लाभार्थी के कम संख्या में पहुचने की जानकारी दी गई। जिस पर डीएम ने रोष प्रकट करते हुए निर्देशित किया कि ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियां ग्राम प्रधान का सहयोग लेकर लाभार्थी महिलाओं व बच्चों को टीकाकरण के लिए सत्र पर लाएं। डीपीआरओ को निर्देश दिए कि इस कार्य के लिए प्रधान को विशेष सहयोग एवं जागरूकता के लिए निर्देशित करें। जनपद में कोई बच्चा टीकाकरण से छूटना नहीं चाहिए। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी मरौरी अनीता चौधरी द्वारा परियोजना के केंद्रों पर महिलाओं को प्रशिक्षित करने, शिक्षा प्रदान करने के वीडियो फोटो प्रदर्शित किए। इस पर डीएम ने समस्त मुख्य सेविकाओं व सीडीपीओ को अनुसरण कर साक्षरता बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, डीपीआरओ रोहित भारती आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

कर्म और विवेक को मित्र बनाकर रखना चाहिए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कथा सुनाते गौरवानंद महाराज।

अमृत विचार: शहर के एक बरात घर में चल रही अमृतमयी श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन सर्दी के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कथा व्यास गौरवानंद महाराज ने भक्त प्रह्लाद चरित्र का प्रसंग सुनाया। जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान के भक्त प्रहलाद को मां कयाधु के गर्भ में ही संस्कारवान आदर्शवादी बनने की प्रेरणा मिली थी। भक्त प्रह्लाद का जीवन हमें सिखाता है कि ईश्वर भक्ति और धर्म के मार्ग पर अडिग रहकर कोई भी संकट पार किया जा सकता है। भक्त प्रह्लाद का चरित्र साहस, भक्ति और सत्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। भगवान के प्रति श्रद्धा और अटूट विश्वास ही भक्ति की पहली सीढ़ी है। कहा कि युवा शक्ति अगर चाहे तो भक्त प्रहलाद की तरह संस्कारवान और आदर्शवादी बन सकती है। इस कलयुग में जो व्यक्ति काम, क्रोध, मद, लोभ का त्याग करेगा उसे परमगति अवश्य प्राप्त होगी। साथ ही साथ कलयुग के दुष्प्रभावों पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्म और विवेक को सदैव अपना मित्र बनाकर रखना चाहिए। कथा के बीच प्रस्तुत भजनों पर भक्त झूमने को मजबूर हो गए। इस मौके पर राकेश गुप्ता, सत्यवीर सिंह, डॉ. आरके मिश्रा, ब्रज बिहारी लाल, धीरेन्द्र, राजीव वर्मा, धीरज, पूनम, रवि श्रीवास्तव, मधुरिमा, रामकुमार अग्रवाल, अतुल गुप्ता, शक्ति मिश्रा, राजेन्द्र आचार्य, एचएन वर्मा, अवनीश, रजनीश, नीरज, कांतिस्वरूप पांडे, अजीत, ममता शुक्ला, हितेश, ईशू जोशी समेत अन्य रहे।

बिक्री बढ़ी | बियर ने भी तोड़े रिकॉर्ड, 13 .57 लाख लीटर की हुई खपत, 300 करोड़ से अधिक रहा राजस्व

सालभर में 64 लाख लीटर देसी शराब पी गए लोग

सौरभ सिंह, पीलीभीत

- **अवैध शराब पर भी हुई कार्रवाई, नए साल पर भी टूटेगा रिकॉर्ड, 11 बजे तक खुलेंगी दुकानें**

अमृत विचार : जश्न के नाम पर जाम छलकते रहे, हर घूंट ने कई सवाल भी खड़े किए, लेकिन हर दिन शराब पीते रहे.. ये पंक्तियां जिले में शराब के बढ़ते चलन पर सटीक बैठती हैं। साल 2025 में जिले में 64 लाख लीटर देसी शराब की बिक्री हुई, जबकि विदेशी शराब की खपत साढ़े सात लाख लीटर तक पहुंच गई। बियर ने भी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 13.57 लाख लीटर की खपत दर्ज कराई। आंकड़ों पर नजर डाले तो पिछले साल के मुकाबले बीस फीसदी अधिक शराब की बिक्री हुइ।

जिले में देसी, विदेशी और कंपोजिट शराब की 410 दुकानें हैं। इनमें 268 देसी शराब, 59 कंपोजिट दुकानें हैं। जहां देसी और विदेशी दोनों ही शराब की बिक्री होती है। जबकि 82 दुकानें देसी / बियर की हैं। इसके अलावा एक मॉडल शॉप है। जहां आबकारी अधिनियम के तहत शराब की बिक्री की जाती है। रोजाना इन दुकानों पर प्रतिदिन लाखों रुपये की शराब की बिक्री होती है। जिसके तहत साल का राजस्व करीब 200 से 240 करोड़ पर तक सीमित रहता है। बीते साल 2025 में शराब की बिक्री ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। विभाग की ओर से जारी किए आंकड़ों के अनुसार जिले में सर्वाधिक देसी शराब की बिक्री हुई है। जिले में देसी शराब 64 लाख 72 हजार 260 लीटर बिक्री हुई है। यानी कि 90 लाख से अधिक बोतल और पौवे बिके हैं। इसी तरह विदेशी शराब की बात की जाए तो जिले में 7 लाख 29 हजार 8 लीटर शराब बिकी है। जो कि करीब 10 लाख बोतल, पौवे आदि शामिल हैं। बियर पीने वालों का आंकड़ा भी कुछ कम नहीं रहा। इस पूरे साल में 13 लाख 57 हजार 806 लीटर बियर बिकी है। जिनकी केन और बोतल की संख्या करीब सात लाख से अधिक रही। जिला आबकारी अधिकारी कल्पनाथ रजक ने बताया कि इस साल आबकारी का राजस्व शत-प्रतिशत से भी अधिक रहा। जिले में 300 करोड़ की शराब बिक्री हुई है, जो कि बीते साल की तुलना अधिक रही है। इस साल पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक बिक्री हुई है। इतना ही नहीं कहीं किसी तरह की कोई अनिमिताएं भी सामने नहीं आई है। नए साल के जश्न पर भीड़ को देखते हुए पांच टीमें निगरानी के लिए लगाई गई हैं।

31739 लीटर पकड़ी अवैध शराब

एक तरफ देसी और विदेशी शराब की बिक्री का ग्राफ तेजी से बढ़ा। वहीं शहर से लेकर ग्रामीण अचंलों में अवैध शराब का धंधा भी पनपा। आबकारी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पूरे साल में अवैध शराब का धंधा करने वाले लोगों के खिलाफ 1174 मुकदमे दर्ज किए गए। जबकि छापेमारी के दौरान मौके से 31739 लीटर अवैध शराब भी पकड़ी गई। मौके पर टीम ने 32980 लीटर लहन को भी नष्ट किया। जो कि जंगल के आसपास और गन्ने के खेत में बनाई जा रही थी। कुछ मामलों में महिलाएं भी शामिल पाई गई है। इस कार्रवाई के तहत 303 आरोपी गिरफ्तार किए गए, जबकि 205 जेल भेजे गए।

97 छात्रों ने दिया साक्षात्कार, 37 का चयन

चयनित छात्रों संग कंपनी व कॉलेज के अधिकारी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: चौधरी निहाल सिंह कृषि (पीजी) कॉलेज में कृषि विभाग प्लेसमेंट सेल की ओर से राधिका बायोटेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से साक्षात्कार लिए गए। इसमें 97 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

साक्षात्कार में बीएससी एजी, एमएससी एजी के 37 छात्रों का चयन किया गया। साक्षात्कार से पहले कंपनी के एमडी सेल्स एंड मार्केटिंग विपिन शर्मा, रीजनल सेल्स मैनेजर आशीष रावत ने कंपनी की कार्यशैली के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कॉलेज / सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड पीलीभीत के अध्यक्ष चौधरी दिग्विजय सिंह, प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह, चीफ प्रॉक्टर आदेश कुमार, कृषि विभागाध्यक्ष/ प्लेसमेंट अधिकारी कुलदीप कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर कृषि प्रवक्ता रमेश गंगवार, अनुराग शर्मा, डॉ. मनोज पालीवाल, सत्यपाल दिवाकर, दीपक गंगवार, मदनलाल, आमिर अली, ऊषा दीक्षित, आरती सागर, नीलम गंगवार, मोहम्मद तालिब, चंदन रस्तोगी, आदित्य प्रभाकर आदि मौजूद रहे।

- **प्लेसमेंट अधिकारी कुलदीप ने चयनित युवाओं को बधाई दी**

शीतकालीन तीर्थटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— **पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

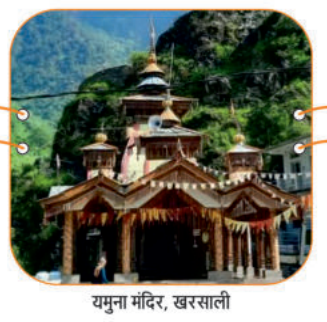

यमुना मंदिर, खरसाली

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल–मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था—शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुनः स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नज़दीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

टिहरी में पैराग्लाइडिंग

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफ़ेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों–जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

औली

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है।

मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक,

आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में सास-बहू घायल, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम नवादा श्यामपुर निवासी बुद्धदेवी पत्नी भगवान दास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 27 दिसंबर की रात 8 बजे गांव के झांझन लाल, लालाराम, अजयपाल, लीलावती ने रंजिशन मारपीट की। सिर पर बांके से हमला कर घायल कर दिया। बहू कुसुम देवी ने जब उसे बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उससे भी मारपीट की। पीड़िता की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौत

बरेली,अमृत विचार : नए साल का जश्न मनाने नैनीताल जा रहे दो दोस्तों की बहेड़ी थाना क्षेत्र के मुड़िया टोल प्लाजा से पहले बुधवार दोपहर हाईवे पर बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बहेड़ी के मोहल्ला गोदाम निवासी मोहम्मद सैफ (20) और मोहम्मद महताब (23) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की रफ्तार सामान्य थी और दोनों युवक हेलमेट पहने हुए थे, इसके बावजूद ट्रैक्टर-ट्रॉली से सीधी टक्कर से दोनों की जान चली गई। टक्कर के बाद बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद नैनीताल हाईवे पर कुछ देर के लिए वाहनों की रफ्तार थम गई। सूचना मिलते ही बहेड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बिना नक्शा पास कराए बनाया भवन, सील

बरेली,अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के तमाम प्रयासों के बाद भी शहर में बिना नक्शा पास कराए लोग बहुमंजिला भवनों का निर्माण कर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। बुधवार को बीडीए की टीम ने मॉडल टाउन में ऐसे ही एक भवन को सील कर दिया।बीडीए के सहायक अभियंता मनोज कुमार ने बताया कि मॉडल टाउन निवासी जगन्नाथ मिश्रा की ओर से स्टेडियम रोड पर प्लाट नंबर 10 ए पर बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के लगभग 250 वर्ग मीटर में भूतल, प्रथम तल व द्वितीय तल पर व्यवसायिक भवन का निर्माण कराया गया। जिस पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है।

नए साल को लेकर सख्त रहे सुरक्षा इंतजाम

कड़ाके की ठंड के बीच होती रही पार्टी, युवाओं में दिखा उत्साह, देर रात तक संगीत की धुन पर की मस्ती

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : साल 2025 को अलविदा और 2026 के स्वागत में बुधवार रात हर तरफ जश्न दिखा। डीजे की धुन और आतिशबाजी के बीच लोगों ने नए साल का स्वागत किया। थर्टी फर्स्ट नाइट को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। कड़ाके की सर्दी के बावजूद जोश और उत्साह रहा।

नए साल के स्वागत के लिए युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। गीत, संगीत, गजल, महफिल, डांस और डीजे की धुनों पर लोग झूमते नजर आए। जोश, मस्ती और उल्लास के बीच लोगों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। हालांकि कड़ाके की सर्दी के चलते शहर के होटल और रेस्टोरेंट में बीते साल की तुलना में अपेक्षाकृत कम भीड़ रही। शहर से दूर माधोटांडा रोड स्थित एक रिसॉर्ट में न्यू ईयर पार्टी का आयोजन किया गया, जहां टिकट के जरिए लोगों को प्रवेश दिया गया। युवाओं ने फिल्मी गानों पर जमकर डांस किया और जश्न मनाया। इसके अलावा नौगवां ओवरब्रिज के समीप दो होटल में भी पार्टी का आयोजन हुआ। जहां कपल के अलावा युवाओं के साथ एंट्री कर मौज मस्ती की। इधर, बाजार में भी नए साल के स्वागत को लेकर शाम होते ही बाजारों में रौनक दिखी। लोग फूल, बुके, गिफ्ट और डायरी की खरीदारी करते नजर आए। कपल्स के बीच टेडी बियर वाले बुके की खास मांग रही। नए साल के जश्न को लेकर पुलिस ने भी हर कदम पर सतर्कता बरती। एसपी अभिषेक यादव, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी और दोनों थानों के इंस्पेक्टर शहर के प्रमुख बाजार, होटल, रिसॉर्ट और भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण किया। मौके पर पुलिस फोर्स को तैनात किया गया। ताकि सड़क हादसों और अनुचित घटनाओं को रोका जा सके। रात 12 बजते ही शहर के कई हिस्सों में आतिशबाजी की गूंज सुनाई दी। आसमान रंग-बिरंगी रोशनियों से जगमगा उठा। लोगों ने हैप्पी न्यू ईयर कहकर एक-दूसरे को बधाइयां दीं और जश्न के पल सोशल मीडिया पर साझा किए।

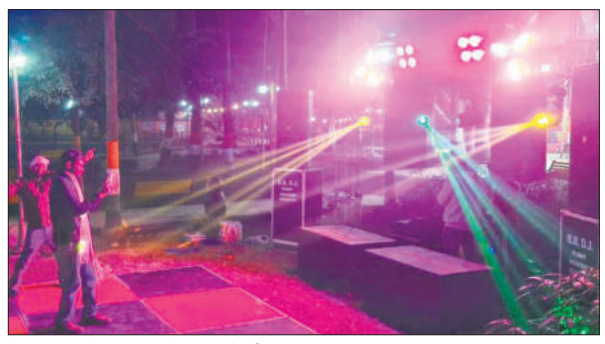

नेहरू पार्क में नए साल के जश्न में की गई सजावट। ● अमृत विचार

शहर में फोर्स के साथ गश्त करते एसपी अभिषेक यादव, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी।

- रात 12 बजते ही सुनाई दी आतिशबाजी की गूंज
- कपल्स के बीच टेडी बियर वाले बुके की खास मांग रही

बीसलपुर में सीओ ने की पैदल गश्त

बीसलपुर, अमृत विचार : एसपी के निर्देश पर सीओ प्रगति चौहान ने कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला समेत पुलिस बल के साथ बुधवार रात निगरानी की कमान संभाली। नए साल के जश्न में कहीं भी किसी तरह का हुड़दंग न हो, इसके लिए शाम होते ही पुलिस बल अलर्ट हो गया। पुलिस बल ने पैदल गश्त कर हालात परखे। दरोगाओं की अगुवाई में टीमें बनाकर क्षेत्र में भ्रमणशील रखी गई।

नए साल में मिलेगी खिलाड़ियों को जिम्नास्टिक हॉल की सौगात

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- स्पोर्ट्स स्टेडियम में 6300 वर्ग फुट क्षेत्रफल में हो रहा निर्माण
- आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस, खेल के प्रति बढ़ेगा रुझान

अमृत विचार : नए साल में स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए आधुनिक जिम्नास्टिक हॉल की सौगात मिलेगी। बैडमिंटन हॉल के पीछे इस हॉल का निर्माण हो रहा है। विभागीय अफसरों के अनुसार 80 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो गया है। दावा है कि फरवरी तक हॉल बनकर तैयार हो जाएगा, जिसमें खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे।

जिम्नास्टिक हॉल का निर्माण मई में आरंभ हुआ था। 6300 वर्गफुट क्षेत्रफल में बनने वाले जिम्नास्टिक हॉल की पहले ऊंचाई 5.50 मीटर निर्धारित की गई थी। वहीं अब इसे 7.50 मीटर की ऊंचाई के साथ तैयार किया जाएगा। जिसके ऊपर 2 मीटर ऊंची झोपड़ीनुमा टिन शेड को डाला जाएगा।

तत्कालीन सीडीओ जग प्रवेश की पहल पर जिमनास्टिक हॉल को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बनवा रहा है। हॉल के निर्माण को 1 करोड़ से अधिक के बजट में तैयार किया जा रहा। वर्तमान में जिम्ननास्टिक खिलाड़ी जिमनास्टिक हॉल न होने के कारण बैंडमिंटन हॉल में एक निर्धारित स्थान पर करीब 40 खिलाड़ी रोज अभ्यास करने आते हैं। जिनमें कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर के भी शामिल हैं। नया हॉल बनने के बाद उन्हें न केवल पर्याप्त जगह मिलेगी, बल्कि बेहतर उपकरणों और सुरक्षित माहौल में अभ्यास का मौका भी मिलेगा। जिला जिम्नास्टिक एसोसिएशन के सचिव एवं कोच संतोष शर्मा ने बताया कि नया हॉल तैयार होने से खिलाड़ी को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। आधुनिक हॉल बनने से नए खिलाड़ियों का भी रुझान जिम्नास्टिक की ओर बढ़ेगा। जिससे खिलाड़ी देश-विदेश में जिले का नाम रोशन करेंगे।

दुनिया में बढ़ा देश का सम्मान, अब डरता है पाक

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: वन मंत्री अरुण सक्सेना ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कभी भी अपने वसूलों से समझौता नहीं किया। वह ईमानदार व कर्मठ व्यक्ति थे। अटल ने विरोध के बाद भी न्यूक्लियर एक्सप्लोजन कर पूरे विश्व को भारत की ताकत का एहसास कराया। ब्लॉक परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में भाजपा की ओर से आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन में उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त किए।

वन मंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपना पूरा जीवन देश के कल्याण में समर्पित कर दिया। उनके पास एक मकान भी नहीं था। मृत्यु के बाद बैंक में भी कोई रकम नहीं थी। उन्होंने विदेश में भी भारत का मान बढ़ाया। वह जब विदेश मंत्री थे, और वह यूएनओ में पहुंचे तो उन्होंने अपना भाषण हिंदी में ही दिया। उन्होंने देश को जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। दुनिया में देश का सम्मान बढ़ाया है। पाकिस्तान अब भारत से घबराता है। योजनाओं के तहत जितना बजट भेजा जाता है। वह प्राप्तकर्ता के अकाउंट में सीधा जाता है। जिससे कोई धोखाधड़ी न हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया के अंदर सबसे आसानी से टाइगर देखने को पीलीभीत में ही मिलते हैं और अब पीलीभीत दुनिया के नक्शे पर अटल है। क्षेत्रीय महामंत्री विशिष्ट अतिथि राकेश मिश्रा अनावा ने भी विचार रखे। बीसलपुर विधायक विवेक कुमार वर्मा ने कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई एक अच्छे कवि के साथ कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। कार्यक्रम में आयुष मिश्रा, रेनू राज, मनोज कुमार गुप्ता, सुरेंद्र पाल, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

सम्मेलन को संबोधित करते वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना। ● अमृत विचार

- बीसलपुर में हुए अटल स्मृति सम्मेलन में बोले वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना

पोर्टल में खराबी, सामूहिक शादियों को लेकर नहीं हो पा रहे आवेदन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सामूहिक विवाह योजना के दूसरे चरण को लेकर अब तक 1500 हो चुके ऑनलाइन आवेदन
- पिछले माह योजना के तहत 1900 से अधिक जोड़ों को कराई गई थी सामूहिक शादियां

अमृत विचार: सामूहिक विवाह योजना को लेकर लांच किए गए पोर्टल में कई दिनों से तकनीकी समस्या के चलते आवेदन नही हो पा रहे हैं। इसको लेकर आवेदकों को भटकना पड़ रहा है। विभागीय अफसर भी पोर्टल की समस्या के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। हालांकि उनका कहना है कि जल्द ही समस्या का समाधान हो जाएगा।

प्रदेश सरकार ने निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की जा रही है। सरकार की ओर से बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। सामूहिक शादियों में फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने की ऑनलाइन आवदेन की व्यवस्था की गई है। इसको लेकर सरकार द्वारा पोर्टल लांच किया गया है। आवेदक अपने आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर के अतिरिक्त जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, शादी का कार्ड या शादी का कार्ड संलग्न कर आवेदन करते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में 466 बेटियों की शादी कराने का लक्ष्य तय किया है। इसके सापेक्ष नवंबर में चारों विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग सामुहिक विवाह समारोहों का आयोजन कर करीब 1900 जोड़ों की सामूहिक शादियां कराई गई थी। प्रथम चरण के पूरा होने के बाद द्वितीय चरण के सामूहिक विवाह समारोह को लेकर जनपद भर से आवेदन किए जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के मुताबिक अब करीब 1500 आवेदन किए जा चुके हैं। इधर पिछले करीब सप्ताह भर से पोर्टल ठप है। इसके चलते कोई आवेदन नहीं हो पा रहा है। आवेदन न होने से लोग जनसेवा केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं। पोर्टल में तकनीकी समस्या के चलते विभाग अधिकारी भी परेशान हैं। खास बात यह है कि उन्हें भी पोर्टल कब ठीक होगा, इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि उनके द्वारा जल्द पोर्टल शुरू होने की बात कही जा रही है।

> पोर्टल में तकनीकी समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके लिए शासन से पत्राचार किया जा रहा है। जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा। – **चंद्रमोहन बिश्नोई**, जिला समाज कल्याण अधिकारी

गैंगस्टर बनेगा 800 करोड़ के घोटाले का महाठग गुलाटी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गुलाटी परिवार और गिरोह के लोगों की हिस्ट्रीशीट भी खुलेगी
- प्रापर्टी अटैच कर नीलाम करने के डीआईजी ने दिए आदेश
- गुलाटी के खिलाफ झारखंड व बिहार में भी दर्ज हैं ठगी के केस
- ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अदालत में सख्त पैरवी भी जारी

अमृत विचार : लोगों को आशियाने का सपना दिखा कर और रकम दोगुना करने के नाम पर 800 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले महाठग कन्हैया लाल गुलाटी का करोड़ों का काला साम्राज्य अब बिखरने लगा है। बरेली से लेकर पीलीभीत, शाहजहांपुर और दूसरे प्रदेशों में गुलाटी पर अब तक 40 मुकदमे दर्ज किये जा चुके हैं। करीब 800 करोड़ के घोटाले पर डीआईजी अजय कुमार साहनी ने गुलाटी पर गैंगस्टर एक्ट लगाकर प्रापर्टी अटैच कर नीलाम करने और हिस्ट्रीशीट खोलने के आदेश जारी कर दिए हैं।

बारादरी के शहदाना कॉलोनी निवासी कैनविज ग्रुप के सीईओ कन्हैया लाल गुलाटी के खिलाफ कुल 40 मुकदमे दर्ज हैं। बरेली में 33, शाहजहांपुर में 2, अयोध्या और कासगंज में 1-1, जबकि बिहार और झारखंड में 2 मामलों में उसका नाम सामने आया है। जांच में साफ हुआ कि डेढ़ साल में रकम दोगुनी करने और सुरक्षित निवेश के झांसे में फंसाकर उसने लोगों की जीवनभर की पूंजी हड़प ली। ठगी का दायरा आम निवेशकों तक सीमित नहीं रहा। डॉक्टर, व्यापारी और नेता भी गुलाटी की चकाचौंध, महंगे दफ्तर, लक्जरी गाड़ियां और आकर्षक छलावे वाली योजनाओं का शिकार हुए। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नए पीड़ित रोज सामने आ रहे हैं।डीआईजी के निर्देश पर ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अदालत में सख्त पैरवी की जा रही है ताकि आरोपी को जल्द कठोर सजा मिल सके। कन्हैया गुलाटी अकेला नहीं है। उसके ठगी नेटवर्क में शामिल मौ. यासीन और आशीष महाजन पर भी कई मुकदमे दर्ज हैं। आशीष महाजन के खिलाफ बारादरी और प्रेमनगर थानों में 10 मामले पहले से दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस इनके रोल की भी गहन जांच कर रही है। इनमें से कई ऐसे हैं। जिन्होंने मुखौटा नामों से प्रापर्टी जब्त कर ली है।

अस्पताल संचालक से ठगी के मामले में कन्हैया गुलाटी समेत नौ पर धोखाधड़ी की एक और रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र निवासी अस्पताल संचालक के साथ भी कैनविज कंपनी के मालिक कन्हैया गुलाटी और उसके परिवार समेत साथियों ने धोखाधड़ी की थी। एसएसपी के आदेश पर कन्हैया गुलाटी, उसकी पत्नी राधिका गुलाटी, बेटा गोपाल गुलाटी, योगेंद्र गंगवार, यत्येंद्र गंगवार व चार अज्ञात के खिलाफ किला थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।किला छावनी निवासी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि वह वीआर गुप्ता अस्पताल के संचालक और प्रबन्धक हैं। आरोप है कि डेढ़ साल पूर्व आशुतोष सिटी निवासी योगेन्द्र गंगवार, यतेन्द्र गंगवार और चार अज्ञात आए। उन्होंने अपने को कैनविज कम्पनी में टॉप लीडर बताया और कम्पनी में इन्वेस्मेन्ट के आधार पर रुपये डबल कराने का झांसा दिए। कम्पनी में इन्वेस्ट करने से मना कर दिया गया। इस पर उन लोगों ने कहा कि कंपनी के चेयरमैन कन्हैया गुलाटी, गोपाल गुलाटी, राधिका गुलाटी हैं। रुपये मिल जाएंगे। इस तरह से झांसे में लेकर उनसे करीब पांच लाख से अधिक रुपये ठग लिए। समय पूरा होने के बाद भी रुपये वापस नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर किला पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाहरी कंप्यूटर ऑपरेटर से ई- निविदाएं खुलवाई, ठेकेदारों ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिला पंचायत में टेंडरों को लेकर ठेकेदारों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व में किए गए टेंडर डीएम से हुई शिकायत के बाद निरस्त कर दिए गए थे। अब उन्हीं कामों के टेंडर खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई और फिर विरोध हो गया। प्राइवेट (बाहरी) कंप्यूटर ऑपरेटर से ई-निविदाएं खुलवाने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी से की गई। सीडीओ को भी कॉल कर कुछ ठेकेदारों ने आपत्ति जताई।

जिला पंचायत में करीब 25 करोड़ की लागत के कार्यों के बीते माह टेंडर निकाले गए थे। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ठेकेदारों ने नियम विरुद्ध तरीके से टेंडर करने की शिकायत डीएम से की। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने संज्ञान लिया और सीडीओ की अगुवाई में चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई। जांच में नियम विरुद्ध तरीके से टेंडर करने की बात निकली और फिर टेंडर निरस्त कर दिए गए थे। अब इन्हीं टेंडरों को दोबारा निकाला गया था। बुधवार दोपहर को जिला पंचायत कार्यालय में ई-निविदाएं खोली जा रही थी। अपर मुख्य अधिकारी, इंजीनियर, एकाउंटेंट आदि मौजूद थे। इसी बीच पूर्व में शिकायत कर चुके ठेकेदारों ने विरोध जताया। इसकी लिखित शिकायत भी की गई है। उनका कहना था कि बुधवार दोपहर करीब तीन बजे आमंत्रित की गई ई-निविदाओं को खोला जाना था। शिकायत करने वालों में ऊषा देवी, ठाकुरदास, रितेश कुमार आदि थे।इसकी प्रतिलिपि डीएम और सीडीओ को भी की गई है। फिलहाल देर शाम तक ई-निविदाएं खोली जाती रहीं।

टेंडर प्रक्रिया के दौरान कार्यालय में मौजूद अपर मुख्य अधिकारी व अन्य।

मारपीट की शिकायत करने जा रहे वृद्ध को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : दुकान की रंजिश में हुई कहासुनी के बाद वृद्ध से दो युवकों ने मारपीट की। पीड़ित जब जहानाबाद पुलिस से शिकायत करने के बाद घर जा रहा था तो उसको दोबारा घेरकर पीटा गया। इस मामले में पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम निसरा निवासी मोहम्मद तसलीम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 28 दिसंबर की शाम 6 बजे गांव के ही अफसार अहमद, इकबाल अहमद से दुकान को लेकर कहासुनी हो गई थी। आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। आसपास के लोगों के एकत्र हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप विश्नोई ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

तीन ट्रेनें एलएचबी रैक के साथ चलेंगी, आरामदायक होगा सफर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली-वाराणसी, बरेली-इंदौर और बरेली लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस को मिली रैक

अमृत विचार: बरेली से संचालित तीन ट्रेनों में 1 जनवरी से एलएचबी रैक लगाई जाएगी, इससे यात्रियों को आरामदायक सफर मिलेगा। 14235-36 वाराणसी-बरेली एक्सप्रेस में एलएचबी रैक लगाई जाएगी। ट्रेन बरेली जंक्शन से शाम 4:35 बजे चलने के बाद अगले दिन सुबह सात बजे वाराणसी पहुंचती है। 1 जनवरी से लागू होने वाली समय सारिणी में ट्रेन के समय में आंशिक बदलाव किया गया है।

इसके अलावा 14314-13 बरेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई एक्सप्रेस और लंबी दूरी की 14320-19 बरेली-इंदौर एक्सप्रेस को भी एलएचबी रैक मिल गई है। बरेली-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस

का 14 जनवरी और बरेली-इंदौर एक्सप्रेस का 18 फरवरी से एलएचबी रैक के साथ संचालन होगा।

इसके अलावा रेलवे की नई समय सारिणी 1 जनवरी से लागू हो जाएगी। इसमें चार पैसेंजर ट्रेनों को विस्तार दिया गया है। 26504-03 गोमती नगर-सहारनपुर-गोमती नगर वंदे भारत और 15567-68 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार एक्सप्रेस की समय सारिणी में भी आंशिक बदलाव किया गया है। 62 गाड़ियों की औसत स्पीड को 20 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाया गया है।

ट्रेनें लेट होने से परेशान होते रहे यात्री

कोहरे में ट्रेनों के लेट होने का क्रम लगातार जारी है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को बरेली जंक्शन से होकर गुजरने वाली पांच ट्रेनें कोहरे के चलते निरस्त रहीं। इसके अलावा 13307 गंगा सतलुज आधा घंटा, 15210 जनता एक्सप्रेस, 15006 आगरा फोर्ट, 22356 पाटलीपुत्र सुपरफास्ट समेत अन्य ट्रेनें लेट होने से यात्री परेशान हुए।

नए साल में सिटी बसों का किराया हुआ आधा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नये वर्ष में शहरवासियों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। एक जनवरी से यात्रियों से सिटी बसों में भी ऑटो और ई-रिक्शा के बराबर किराया लिया जाएगा।

मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बरेली सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की बोर्ड बैठक में बसों के किराये में कमी को औपचारिक मंजूरी दे दी गई। अब यात्रियों से सिटी बसों में भी ऑटो और ई-रिक्शा के बराबर किराया लेने से सवारियों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

शहर में वर्तमान में 25 इलेक्ट्रिक सिटी बसें चल रही हैं। सिटी बसों के मुकाबले ऑटो और ई-रिक्शा के कम किराये के कारण पर्याप्त सवारियां नहीं मिल रही थीं। इस समस्या को समझने के लिए बरेली सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के अधिकारियों ने दो महीने पहले व्यापक रूट सर्वे कराया। इस सर्वे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक चौधरी और सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसिज लिमेटेड की प्रबंधक संचालन मैनेजर मनीषा दीक्षित के नेतृत्व में 32 अधिकारियों और कर्मचारियों ने पिकिंग प्वाइंट, रूट और यात्रियों की संख्या का अध्ययन किया। सर्वे में यह सामने आया था कि छोटी दूरी के लिए बस का किराया 12-20 रुपये था, जबकि ऑटो और ई-रिक्शा में वही दूरी 5-10 रुपये में पूरी हो जाती थी। इस अंतर के कारण ई-बसों में यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी। सर्वे के आधार पर बोर्ड ने बुधवार को प्रस्ताव पर सहमति दी और बसों का किराया संशोधित कर दिया गया।

आर्किटेक्ट का घर चोरों ने खंगाला

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इस्लामिया ग्राउंड के ठीक सामने है आर्किटेक्ट का मकान
- परिवार के साथ मुरादाबाद शादी समारोह में गए थे अभिषेक

चोरों ने तसल्ली से दिया वारदात को अंजाम

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइंस स्थित इस्लामिया ग्राउंड के सामने बने आर्किटेक्ट अभिषेक कुमार के मकान का ताला तोड़ कर चोरों ने एक करोड़ के करीब चोरी की। आर्किटेक्ट अभिषेक के पिता गुलशन कुमार आरईएस से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। चोरों ने घर को पूरी तसल्ली से खंगाला और पूरा जेवर साफ कर दिया। आसपास के लोगों को वारदात की भनक तक नहीं लगी। पुलिस इलाके के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। अभिषेक के पिता गुलशन कुमार ने बताया कि घर में उनकी पत्नी और दोनों बहुओं के कीमती जेवरात रखे हुए थे। चोर सभी जेवरात चुराकर ले गए हैं। प्रारंभिक आकलन में चोरी गए सामान की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। परिवार का कहना है कि वर्षों की जमा पूंजी एक ही रात में साफ हो गई। इलाके में सोमवार की रात में हुई इस चोरी की वारदात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। इस्लामिया ग्राउंड के ठीक सामने स्थित मकान में चोरों ने जिस वक्त वारदात को अंजाम दिया, उस समय घर पर कोई भी मौजूद नहीं था।

अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइंस स्थित इस्लामिया ग्राउंड के सामने बने आर्किटेक्ट अभिषेक कुमार के मकान का ताला तोड़ कर चोरों ने घर खंगाल दिया। आरोप है कि चोरों ने जेवर और नकदी मिलाकर कुल एक करोड़ रुपये से अधिक के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय अभिषेक कुमार पूरे परिवार के साथ मुरादाबाद में शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना क्षेत्र के सिविल लाइंस निवासी अभिषेक कुमार ने बताया कि वह परिवार के साथ मुरादाबाद में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। घर पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब वह 30 दिसंबर यानि मंगलवार को देर शाम शादी से लौटकर वापस आए तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर गए तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। घर के ताले तोड़कर सेफ खंगाले गए थे। चोरों ने करीब एक करोड़ रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया था। परिवार के लोगों ने बताया कि घर के अंदर एक बाइक गिरी हुई थी। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने जल्दबाजी में वारदात को अंजाम दिया। घर में रखे दोनों सेफ के ताले टूटे हुए थे। ज्वेलरी के सभी बॉक्स खाली पड़े थे। सूचना पर आला पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली।

न्यूज ब्रीफ

रात में घर में घुसे चोर ले गए नकदी-जेवर

निघासन, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव सहतेपुरवा मजरा लुधौरी निवासी सोबरन लाल ने बताया कि रात में वह खाना खाकर घर में सो गए। इसी दौरान अचोर घर में घुस आए और घर में रखे बक्से से नकदी व कीमती जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह जागने पर देखा कि घर के बाहर बक्सा खुला हुआ पड़ा था और उसमें रखा सारा सामान गायब था। सूचना पर हुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हिस्ट्रीशीटर प्रधान पति सहित दो गिरफ्तार

धौरहरा, अमृत विचार : थाना पढुआ पुलिस ने के गांव पठाननपुरवा निवासी हिस्ट्रीशीटर प्रधान पति हनीफ खां और उसके पुत्र सफीउद्दीन उर्फ सफी उर्फ लल्लू को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों का पुलिस ने चालान भेजा है। प्रभारी निरीक्षक पढुआ विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रधान पति हनीफ खां शातिर किस्म का हिस्ट्रीशीटर है और उसके विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय भेज दिया गया है।

दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल

भानपुर, अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब छह बजे भानपुर के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। बाइक सवार राजेश मास्टर निवासी बीबीपुर भीरा की ओर से आ रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर सवार सूरज व सुनील निवासी जहानपुर बिजुआ की ओर से भीरा की तरफ जा रहे थे। हादसे में राजेश मास्टर को गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल एक निजी वाहन से सीएचसी बिजुआ भेजा गया है। सूरज और सुनील का भी बिजुआ सीएचसी में उपचार चल रहा है। पुलिस ने दोनों वाहन कब्जे में लिए हैं।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

संसारपुर, अमृत विचार : थाना मैलानी क्षेत्र के गांव संसारपुर निवासी पाक्सो एक्ट के आरोपी समसुल हसन पुत्र शकील अहमद को पुलिस ने दोपहर 1.30 बजे बांकेगंज रोड स्थित एक भट्टे के पास से गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक ब्रजमोहन सैनी, आरक्षी सौरभ कुमार और परशुराम यादव शामिल रहे।

नई उम्मीदों के पथ पर लखीमपुर लगाएगा विकास की दौड़

छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर, दोनों रेलवे ओवरब्रिज और शहर में जिला अस्पताल की पूरी होगी आस

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: साल 2025 भी बीत गया। गत वर्ष जिले को तमाम सौगाते मिलीं, लेकिन उससे ज्यादा और महत्वपूर्ण सौगातें इस साल मिलने वाली हैं, जिनसे शहर को ही नहीं, बल्कि जिले को एक नई पहचान मिलेगी। मेडिकल कॉलेज का हॉस्पिटल और छोटी काशी गोला में बनने वाला शिव मंदिर कॉरिडोर जिले के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। इनके अलावा फरधान और गोला जंगल की रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज बनने से पीलीभीत बस्ती हाइवे से गुजरने वाले वाहन भी रफ्तार भर सकेंगे। साथ ही नये साल में नई ट्रेनों के संचालन से लोग बरेली और दिल्ली से सीधे जुड़ सकेंगे।

एशिया का सबसे बड़ा बायोप्लास्टिक प्लांट शुरू होगा : वर्ष 2025 में एशिया का सबसे बड़ा बायोप्लास्टिक प्लांट जिले को मिला, जो बलरामपुर चीनी मिल से 2,850 करोड़ की लागत से स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरवरी 2025 में तहसील गोला के कुंभी गांव में जाकर इसके लिए भूमि भूजन किया था। यह प्लांट अक्टूबर 2026 में शुरू करने की तैयारी है। इस प्लांट से दो हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा।

छोटी काशी को कॉरिडोर से मिलेगी नई पहचान

साल 2024 के दिसंबर महीने से छोटी काशी गोला में कॉरिडोर बनाने की कवायद शुरू हुई थी। शिव मंदिर कॉरिडोर का निर्माण चार चरण में 2026 में पूर्ण होना है। पहले चरण में कॉरिडोर के लिए चिंहित भवन आदि का ध्वस्तीकरण कार्य कराया गया, दूसरे चरण में अधिग्रहीत परिसर का समतलीकरण हुआ। वर्तमानी यानी तीसरे चरण से कॉरिडोर निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। इनमें राजस्थान के 25 कारीगरों की वही टोली काम कर रही है, जिसने अयोध्या में भगवान श्रीराम जन्म भूमि मंदिर का सौंदर्यीकरण किया है। वर्तमान में यह लोग 108 स्तंभों पर परिक्रमा पथ के निर्माण में जुटे हैं।

लखीमपुर डिपो को मिलेगा नया ठिकाना

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल बताती है कि वर्ष 2026 में लखीमपुर नगर वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग लखीमपुर रोडवेज बस स्टेशन की शिफ्टिंग का काम प्राथमिकता पर कराया जाएगा। इसके लिए उपयुक्त जमीन उपलब्ध कराकर वहां सभी सुविधाओं से सुसज्जित बस स्टेशन बनाने के काम कराया जाएगा। इसके बनने से लखीमपुर डिपो को अपनी बस मिलने के साथ साथ लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मिलेगा बेहतर इलाज

चिकित्सा क्षेत्र में जिले ने लंबी छलांग लगाई है। देवकली स्थित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में निर्धारित 100 सीटों पर एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो गई। इसके लिए चिकित्सकों की नियुक्त होने से जिला अस्पताल में इलाज की सुविधा भी बेहतर हुई है। इस साल मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में इलाज भी शुरू हो जाएगा। इससे शहरवासियों को इलाज के लिए 15 किलोमीटर की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। इसके अलावा इस साल जिला अस्पताल में ब्लड सेपरेटेड यूनिट शुरू होने के साथ नई एक्सरे मशीन मिलने से मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलने लगेगी।

डीएम ने संकल्प के साथ जनपद वासियों के लिए की मंगलकामना

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने नव वर्ष पर जिले में नई परियोजनाओं को पूर्ण कराने का संकल्प लिया है। साथ ही जनपद वासियों के लिए मंगलकामना करते हुए कहा है कि जनपद वासी स्वस्थ, समृद्ध और शांति प्रिय जीवन व्यतीत करें। हमारा जनपद लगातार विकास की ओर अग्रसर है और इस वर्ष भी हम सब मिलकर हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

नए साल में पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर दौड़ेंगे वाहन

पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर फरधान और गोला रेलवे क्रासिंग पर बन रहे ओवरब्रिज का निर्माण चार साल बाद भी अधूरा है। वाहन चालकों को उम्मीद थी कि साल के अंत में पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर रफ्तार भरने का सपना पूरा हो जाएगा, लेकिन ऐसा न होने से लोगों को मायूस होना पड़ा। दोनों जगहों पर काम पूर्ण होने से जनवरी 2026 में ओवरब्रिज शुरू होने की उम्मीद है। फरधान और गोला रेलवे क्रॉसिंग पर साल 2021 में ओवरब्रिज का निर्माण शुरू हुआ था। इनका निर्माण साल 2022 में ही पूरा होना था।

2026 में ये भी हैं उम्मीदें

- बरेली वाया लखीमपुर-लखनऊ रेलखंड के दोहरीकरण की उम्मीद है, जिसको स्वीकृति मिल चुकी है।
- आला हजरत ट्रेन लखनऊ से भुज तक चलेगी। इससे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात तक सफर आसान होगा।
- लखीमपुर डिपो से दिल्ली के लिए चार एसी बसें मिलने की उम्मीद।

हवाई पट्टी का होगा विस्तारीकरण

पलिया तहसील के मुजहा गांव में बनी हवाई पट्टी के विस्तारीकरण का काम वर्ष-2026 में ज़मीन पर साकार होगा। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल बताती हैं कि कुल 265 हेक्टेयर भूमि हवाई पट्टी के विस्तारीकरण में शामिल कर ली, जिसके सापेक्ष सरकारी भूखंडों का पुनग्रहण एवं श्रेणी परिवर्तन की कार्यवाहिया पूरी करने के साथ ही कुल 150 हेक्टेयर जमीन किसानों से क्रय की गई। शेष पर युद्धस्तर पर काम जारी है, जो वर्ष 2026 में पूरी कर ली जाएगी।

बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को नहीं मिलेगा पेट्रोल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- नो हेलमेट, नो फ्यूल को लेकर अभियान सख्त

अमृत विचार: सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने के लिए नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान को सख्ती से लागू किया गया है। यह विशेष अभियान 17 जनवरी 2026 तक चलेगा।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सभी दोपहिया वाहन चालकों एवं पीछे बैठने वाले सहयात्रियों के लिए बीआईएस मानकों के अनुरूप हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

नियमों का उल्लंघन करने पर अधिनियम की धारा 194-डी के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं स्वामियों को निर्देशित किया है कि आगामी 07 दिनों के भीतर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर अभियान की जानकारी प्रदर्शित करें। साथ ही 17 जनवरी 2026 तक किसी भी ऐसे दोपहिया वाहन चालक को पेट्रोल न दिया जाए, जिसके चालक या सहयात्री ने हेलमेट नहीं पहना हो।

इसके अतिरिक्त, पेट्रोल पंप परिसरों में सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी विवाद की स्थिति में फुटेज के आधार पर आवश्यक निर्णय लिया जा सके। प्रशासन का कहना है कि अभियान का उद्देश्य दंड नहीं, बल्कि जीवन रक्षा है।

आमजन से अपील की गई है कि वे स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेलमेट अवश्य पहनें और नियमों का पालन करें।

12 वर्षीय बच्ची से मारपीट, गला दबाने का आरोप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: सदर कोतवाली के गांव बाजपेई निवासी आसमा ने बताया कि मंगलवार की शाम 5 बजे गांव के ही जाफरान, जुमाइल और जाफरान की पत्नी काजल जबरन उनके घर में घुस आए। आरोप है कि तीनों ने भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए उसकी 12 वर्षीय पुत्री नाजमीन के साथ मारपीट शुरू कर दी।

बच्ची के बाल नोचे। गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया और पेट पर लात-घूंसे मारे। आसमा ने बताया कि बच्ची का कुछ समय पहले ही आंतों का ऑपरेशन हुआ था। इसके बावजूद आरोपियों ने उसकी हालत पर कोई रहम नहीं किया।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पीड़ित बालिका का मेडिकल परीक्षण कराया है।

होटल-रेस्टोरेंट गुलजार, केक काटकर बोले-हैप्पी न्यू ईयर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मिठाई खिलाकर दी नए साल की बधाई, खुशियों में झूमा शहर

अमृत विचार : लखीमपुर वासियों ने बुधवार की रात नए साल 2026 का जोरदार और उल्लासपूर्ण स्वागत किया। शहर भर में जश्न का माहौल रहा। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और मॉल्स में देर रात तक पार्टियों का दौर चलता रहा। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर, केक काटकर और गले मिलकर नए साल की शुभकामनाएं दीं। युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला और वे देर रात तक संगीत की धुनों पर थिरकते नजर आए।

वर्ष 2025 की खट्टी-मीठी यादों और अनुभवों को पीछे छोड़ते हुए लोग नए साल के स्वागत की तैयारियों में दिन भर जुटे रहे। मंगलवार सुबह से ही शहर में चहल-पहल बढ़ गई। होटल और रेस्टोरेंट नए साल के स्वागत को लेकर रंग-बिरंगी झालरों, गुब्बारों और लाइटिंग से सजाए गए थे। फूलों और मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ रही। नए साल की खुशियों को अपनों के साथ साझा करने के लिए लोगों ने से आयोजन किए।

कई होटलों, रेस्टोरेंटों और मॉल्स में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। शाम होते ही शहर के प्रमुख होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंटों में लोगों की भीड़ जुटने लगी। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई, जहां लोगों ने पूजा-अर्चना कर नए साल के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के कुछ पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लोग एकत्र हुए और वर्ष 2025 को भावभीनी विदाई दी। जैसे ही रात के ठीक 12 बजे, पूरा शहर पटाखों की गूंज और हैप्पी न्यू ईयर के नारों से गूंज उठा। लोग खुशी से झूम उठे और एक-दूसरे को गले लगाकर बधाइयां देने लगे। देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा। मिठाइयां बांटी गईं और केक काटकर नए साल का स्वागत किया गया। विशेषकर युवाओं में नए साल के जश्न को लेकर अलग ही उत्साह देखने को मिला।

चौराहों, होटलों-रेस्टोरेंटों पर तैनात रही पुलिस

नए साल के जश्न के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। सदर कोतवाली पुलिस और पीएसी के जवानों ने प्रमुख चौराहों, होटलों, रेस्टोरेंटों और सार्वजनिक स्थलों पर कड़ी निगरानी रखी। वर्दीधारी पुलिस के साथ-साथ सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने देर रात तक ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से संदिग्ध वाहन चालकों की जांच की। शराब पीकर वाहन चलाने वालों में पुलिस कार्रवाई को लेकर हड़कंप की स्थिति रही। सीओ सिटी विवेक तिवारी और शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ शहर में पैदल गश्त करते नजर आए। उन्होंने लोगों से शालीनता और अनुशासन के साथ नए वर्ष का स्वागत करने की अपील की और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

हुडदंग करने वालों पर होगी कार्रवाई: एसपी

नए साल के स्वागत के बाद आज गुरुवार को पिकनिक स्पॉट, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि सड़क पर हुड़दंग, स्टंटबाजी करने वालों, साथ ही महिला अपराध मामलों में सख्ती से कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। सभी थानों की पुलिस अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहेगी। साथ ही पिकनिक स्पॉटों, पार्कों, सार्वजनिक स्थानों पर कड़ी नजर रखेगी। किसी तरह का हुड़दंग करने वालों से पुलिस सख्ती के साथ निपटेगी। प्रमुख चौराहों, पार्कों और रेस्टोरेंटों के आसपास महिला और पुरुष पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में भी तैनात रहेंगे।

हमलावर की गिरफ्तारी न होने से अधिवक्ता नाराज

तहसील में प्रदर्शन करते वकील। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- कार्य बहिष्कार कर सामूहिक अवकाश पर रहे वकील

अमृत विचार: सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बैठक कर तहसील के अधिवक्ता पर हुए प्राणघातक हमले की निंदा करते हुए नामजद आरोपी की गिरफ्तारी न होने तक सामूहिक अवकाश पर रहकर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया है।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष केके शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में मोहल्ला तीर्थ निवासी अशोक कुमार शुक्ला एडवोकेट पर 26 दिसंबर को हुए प्राणघातक हमले की निंदा की गई। उन्होंने कहा कि जब तक नामजद आरोपी रवि गुप्ता उर्फ मोंटी को गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक अधिवक्ता साथी सामूहिक अवकाश पर रहकर न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। वकीलों ने तहसील में प्रदर्शन कर नारेबाजी की। बैठक में उपाध्यक्ष मोहम्मद तारिक इस्लाम, महामंत्री अनूप वर्मा, संयुक्त मंत्री सुमित गिरि, कोषाध्यक्ष अमित मिश्रा आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

धूप नहीं निकलने से बढ़ी ठिठुरन

पलिया कलां, अमृत विचार: पड़ोसी राष्ट्र नेपाल व उत्तराखंड की पहाड़ियों पर हुई बर्फबारी का असर तराई क्षेत्र में दिख रहा है। पलिया क्षेत्र में बुधवार को भी सूरज के दर्शन नहीं हुए, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई।

सर्द हवाओं ने शीतलहर के प्रकोप को और तेज कर दिया है। कई दिनों से सूर्य न निकलने के कारण तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थिति यह है कि हल्के कपड़े पहनने वालों की तो बात ही छोड़िए, गर्म कपड़े पहनने वाले लोग भी दिनभर अलाव का सहारा लेने को मजबूर हैं।

ठंड के कारण लोगों को कंपकंपी छूट रही है और जनजीवन प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी गरीब मजदूरों, खानाबदोश जीवन जीने वाले लोगों और बुजुर्ग स्त्री-पुरुषों को उठानी पड़ रही है। उनके लिए यह कड़ाके की ठंड हाड़ कंपाने वाली साबित हो रही है, जिससे उनका अधिकांश समय आग के सहारे ही गुजर रहा है।

मांगों को लेकर सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ेंगी आशा और संगिनी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में नारेबाजी करतीं आशा और संगिनी। ● अमृत विचार

- अनेक कार्यों में योगदान करने वाली आशाएं खुद के लिए सुविधाओं से वंचित

अमृत विचार: विभिन्न मांगों को लेकर आशाओं एवं संगिनियों का चल रहा प्रदेश व्यापी धरना एवं प्रदर्शन के 16वें दिन पहुंचे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही धरने को धार दे गए। उन्होंने आरपार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया है।

नगर के त्रिलोक गिरि मन्दिर पर आशाओं का जमावड़ा सुबह से ही लगने लगा। आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल आफ ट्रेड यूनियन एक्टू के प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही ने कहा कि सरकार से यह आरपार की लड़ाई है। प्रदेश की जुल्मी सरकार आशाओं के कार्यों का महत्व न समझकर उनका शोषण और दमन करने पर उतारू है। जिसको जगाने के लिए सभी को संगठित होकर यह लड़ाई लखनऊ तक लड़नी है। सरकारी अस्पतालों के प्रति आमजन की अविश्वास की भावनाओं को जनता के बीच जाकर तोड़ने का काम आशाओं ने 20 साल पहले किया था। संचारी, प्रसव, टीकाकरण, टीवी, पोलियो, नसबंदी, कोरोना, आयुष्मान, आभा आईडी समेत अनेक कार्यों में योगदान करने वाली आशाएं खुद के लिए तमाम सरकारी सुविधाओं से आज भी वंचित हैं।

श्री विद्रोही ने कहा कि श्रम सम्मेलन के सिफारिश को लागू कर कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन, इपीएफ, ईएसआई और ग्रेच्युटी, दुर्घटना बीमा, सीएचसी पर रुकने आदि तमाम सुविधाओं की व्यवस्था कराने की मांग की गई। विभिन्न मदों का बकाया देने एवं मिलने वाली प्रोत्साहन राशि में गड़बड़ी की जांच कराने की मांगे शामिल हैं। आगामी 9 जनवरी को लखनऊ के मंडलायुक्त कार्यालय पर होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक आशा और संगिनी के पहुंचने की अपील की। जिसके बाद आशाओं ने नारेबाजी करते हुए नगर में जुलूस निकाला। इस मौके पर कुंभी, बांकेगंज, बिजुआ, फरधान, मोहम्मदी की सैकड़ो आशाएं मौजूद रहीं।

राजस्व निरीक्षक से हाथापाई की कोशिश

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: तहसील सदर के राजस्व निरीक्षक नेकीराम राणा ने बताया कि वह अपर जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश 8 अक्टूबर 2025 का अनुपालन कराने के लिए राजस्व टीम के साथ शहर से सटे गांव मीरपुर में मेड़बंदी कराने पहुंचे थे। इस दौरान प्रतिवादी पक्ष की ओर से गांव के विनोद कुमार और शीतला प्रसाद ने मेड़बंदी कार्य में बाधा उत्पन्न की और गाली गलौज करने करने लगे। आरोप है कि विनोद कुमार ने न केवल गालियां दीं, बल्कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट का प्रयास किया। राजस्व टीम के साथ उन्होंने मौके से हटकर अपनी जान बचाई। राजस्व निरीक्षक ने दोनों आरोपियों के खिलाफ सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। शहर कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत कई अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। एससीएसटी एक्ट भी लगाया गया है। प्रकरण की जांच सीओ सिटी को सौंपी है। दोष सिद्ध होने पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम NAWAB ALI KHAN से बदलकर NABAB ALI KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे के नाम से जाना जाये। **नबाब अली खाँ पुत्र रियासत अली खां निवासी ग्राम लाई खेड़ा पोस्ट भनपुरा तहसील तिलहर जिला शाहजहाँपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र धीरज कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **राम रतन पुत्र राम किशन निवासी ग्राम बमरौली तहसील बीसलपुर थाना बिलसण्डा जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे समस्त शैक्षिक अंकपत्रों में मेरा नाम Ayushi Johri है। आधार कार्ड में मेरा नाम Samiya Fatima दर्ज है। आयुषी जौहरी व सामिया फातिमा दोनों नाम मेरे ही है। मैं आधार कार्ड में नाम Ayushi Johri दर्ज कराना चाहती हूँ। **आयुषी जौहरी पत्नी श्री मो. वासिफ निवासी खुदागंज जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का नाम भूलवश CHETRAPAL SINGH अंकित हो गया है जबकि उनका सही नाम CHHETRA PAL SINGH है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम अंकित है। **बादशाह सिंह पुत्र क्षेत्रपाल सिंह निवासी ग्राम जयनगर अलीनगर नवाबगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आवश्यकता है
- कंप्यूटर ऑपरेटर
(MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male) ● आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु
अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया ● वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

जिला सहकारी बैंक लिमिटेड ने सहकारिता में रचा इतिहास

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

जिला सहकारी बैंक की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में मौजूद अध्यक्ष विनीत मनार और जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

- प्रदेश में सर्वाधिक शुद्ध लाभ अर्जित कर प्रथम स्थान किया हासिल

अमृत विचार: जिला सहकारी बैंक लिमिटेड लखीमपुर-खीरी ने सहकारिता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 21 करोड़ 30 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। यह लाभ प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंकों में सर्वाधिक है। इस उपलब्धि के साथ बैंक ने शुद्ध लाभ अर्जन के मामले में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह जानकारी 31 दिसंबर को आयोजित बैंक की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में बैंक अध्यक्ष विनीत मनार पटेल ने दी।

बैठक का आरंभ विशिष्ट अतिथि वासुदेव मौर्य जिला प्रभारी भाजपा ने सहकारी ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। बैठक में विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, सदर विधायक योगेश वर्मा, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी, श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेन्द्र सिंह, ठाकुर प्रसाद गंगवार, ब्लॉक प्रमुख बेहजम प्रतिनिधि रामशंकर राज रामू, ब्लॉक प्रमुख लखीमपुर दिव्या सिंह सहित बैंक संचालक मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, बैंक के अधिकारी-कर्मचारी व विभिन्न क्षेत्रों से आए बैंक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधांशु चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। बैंक अध्यक्ष विनीत मनार पटेल ने बताया कि 21 दिसंबर को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित युवा सहकार सम्मेलन में सदस्यता अभियान-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला सहकारी बैंक लखीमपुर-खीरी को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया है। यह ऐतिहासिक सफलता बैंक की सुदृढ़ वित्तीय नीतियों, पारदर्शी कार्यप्रणाली, अधिकारियों व कर्मचारियों की निष्ठापूर्ण मेहनत तथा खाताधारकों के विश्वास का प्रतिफल है। बैंक अध्यक्ष ने विशेष रूप से किसानों, सदस्यों, खाताधारकों का आभार जताया।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

खीरी

न्यूज ब्रीफ

12 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का चयन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिले में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के चयन की प्रक्रिया को सीडीओ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में जिला स्तरीय चयन समिति ने पूरी कर ली। 12 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए नई कार्यकत्रियों का चयन कर लिया गया है। 1 दिसंबर तक 1200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। वरीयता क्रम के आधार पर प्रत्येक आवेदन की जांच की गई। नववर्ष से पहले प्रक्रिया पूरी कर प्रशासन ने 12 केंद्रों खमरिया-2, सिंगाही पूरब टोला, सिसौरा नासिर, रसूलपुर-1, जमहौरा, कल्लुआमोती, जिगनिया, भंगेली-2, फरसहिया-1, निबुआबोझ-1, त्रिलोकपुर-4 तथा देवमनिया-2 आंगनबाड़ी वर्करों की नियुक्ति की है।

गिरवी का सामान न लौटाने का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के सेमरिया गांव के पीड़ित रामासरे वर्मा ने पुलिस में दी तहरीर में कहा है कि एक वर्ष पूर्व पैसों की जरूरत के चलते उन्होंने अलीगंज स्थित रजत सोनी की दुकान पर चांदी के 36 सिक्कों की 360 ग्राम वजनी पेटी 5000 रुपए में गिरवी रखी थी। रुपए वापस कर देने के बाद भी दुकानदार उसे चांदी की पेटी वापस नहीं दे रहा है। पीड़ित ने पुलिस में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज किए जाने और चांदी की पेटी वापस दिलाने की मांग की है।

गैंगस्टर एक्ट में दंपती गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना भीरा पुलिस ने गैंगस्टर के मामले में वांछित कस्बा भीरा निवासी अजीजुल व उसकी पत्नी कमरजहां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार दंपति का बुधवार को चालान भेजा है।

लगुचा में दंपती से मारपीट व तोड़फोड़

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी के गांव लगुचा निवासी शिवम वर्मा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9:30 बजे वह अपने ढाबे पर था। इस दौरान सतीश यादव, झुर्रा यादव और दीपक यादव ढाबे पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़ित की पत्नी अनीता वर्मा के साथ भी मारपीट की। ढाबे में रखा सामान तोड़ दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाघ ने वृद्ध को बनाया निवाला, लोगों में दहशत

हरदुहा पुल के पास घास काटने को गए थे सिराजुद्दीन, गन्ने के खेत में मिला अधखाया शव

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के मंगरौली गांव में मंगलवार शाम घास काटने गए बुजुर्ग को बाघ ने अपना शिकार बनाया। बुधवार की सुबह उसका अधखाया शव गन्ने के खेत से बरामद हुआ है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव मंगरौली निवासी सिराजुद्दीन उर्फ भूरे हलवाई (65) मंगलवार शाम दहौरा नाले की ओर हरदुहा पुल के पास गोंदी (घास) काटने गए थे। बताया जा रहा है कि दहौरा नाले की तलहटी में घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। देर शाम तक जब सिराजुद्दीन घर नहीं लौटे तो परिजन चिंतित हो गए और ग्रामीणों के साथ उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान हरदुहा पुल के पास उनकी साइकिल मिली, जिससे अनहोनी की आशंका गहराई।

सिराजुद्दीन।

इसके बाद परिजनों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। मृतक के पुत्र इसरार की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और रात भर खोजबीन की गई।

बुधवार सुबह करीब 10 बजे सिराजुद्दीन का अधखाया शव गन्ने के खेत से बरामद हुआ। शव की हालत देखकर ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते कुछ समय से क्षेत्र में बाघ और तेंदुए की आवाजाही देखी जा रही थी, लेकिन इस तरह की घटना पहली बार सामने आई है।

घटना स्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़, मौजूद पुलिस व वन विभाग की टीम।

वन रेंज धौरहरा के क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि हमलावर वन्य जीव की पहचान के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पदचिन्हों और शव पर लगे घावों के आधार पर यह बाघ या तेंदुआ हो सकता है, हालांकि प्रथम दृष्टया तेंदुए के हमले की आशंका अधिक लग रही है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी बढ़ा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले खेतों या नालों की ओर न जाएं, खासकर सुबह-शाम के समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें। वहीं, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया गया है।

घर के पास से पड्डे को उठा ले गया बाघ अधखाया शव मिला

संपूर्णानगर, अमृत विचार : बुधवार को मिर्चिया फार्म में गुरसेवक सिंह के घर के बाहर टीन सेट में बंधा पड्डा को बाघ खींच कर खेत मे ले गया। पशुपालक के शोर मचाने पर आसपास फार्म के लोग एकत्रित हुए और सूचना वन रेंज कार्यालय सम्पूर्णानगर को दी। सूचना पर पहुंचे वन कर्मियों ने पड्डे की तलाश की तो घर से करीब 400 मीटर दूर गन्ने के खेत में उसका अधखाया शव बरामद हुआ। शव के पास बाघ की मौजूदगी देख वनकर्मी वापस लौट पड़े। हालांकि ग्रामीण किसी तरह से शव को बाहर ले आए। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है। आये दिन बाघ व तेंदुए का चहलकदमी देखी जा रही है। इसके बावजूद वन विभाग कोई कारगर कदम नहीं उठा रहा है। की लापरवाही सामने आती है बाघ देखने के बाद भी उसको पकड़ने की बजाय बनकर्मी वापस रेंज चले गए। वन विभाग ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

ऑनलाइन काम कराने के बहाने ढाई लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- दिल्ली के दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र में वेबसाइट संचालन से जुड़े एक मामले में भुगतान न करने, धोखाधड़ी करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दिल्ली निवासी दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला कपूरथला निवासी प्रेम श्रीवास्तव ने बताया कि वह टिवन्स क्लाउड कंपनी का संचालन करते हैं और एक वेबसाइट से जुड़े कार्य करते हैं। वेबसाइट की संचालक रीना आर्या और उनके सहयोगी धर्मेश जैन निवासी डीडीए. फ्लैट ए-32, कालकाजी, दक्षिणी पूर्वी दिल्ली ने 29 जनवरी 2019 को उनसे कार्य कराया। शुरुआती कुछ महीनों तक मेहनताना, फीस और खर्च का भुगतान किया गया, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। आश्वासन के बावजूद लगातार काम कराते रहे, जिससे आरोपियों पर उसका करीब 2,13,303 रुपये बकाया हो गया।

उन्होंने बताया कि भुगतान से बचने के लिए आरोपियों ने धोखाधड़ी की नीयत से ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के 50-50 हजार रुपये के चार चेक जारी करने की बात कही और केवल चेकों की फोटो मोबाइल पर भेज दी, जबकि वास्तविक चेक कभी नहीं दिए गए। जब भुगतान नहीं हुआ तो उसने काम बंद कर दिया। इसके बाद भी आरोपियों ने संपर्क कर पुनः काम करने और भविष्य में भुगतान करने का दबाव बनाया। लगातार टालमटोल और भुगतान न मिलने से उसे आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव झेलना पड़ा। शहर कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच चौकी इंचार्ज मिश्राना अजीत कुमार सिंह को सौंपी गई है।

तीन वन दरोगा पदोन्नत होकर बने डिप्टी रेंजर

अंकित बाबू के कंधे पर बैज लगाते डीएफओ संजय विश्वाल।

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: दक्षिणी वन प्रभाग के तीन रेंजों शारदा नगर, गोला और महेशरपुर में बतौर वन दरोगा सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को बैज लगाकर डिप्टी रेंजर पद पर प्रोन्नत किया है। लखीमपुर के डीएफओ कार्यालय में कार्यक्रम के दौरान डीएफओ संजय विश्वाल, शारदानगर वन क्षेत्राधिकारी कृष्ण कुमार सागर, गोला वन क्षेत्राधिकारी संजीव कुमार तिवारी, महेशपुर वन क्षेत्राधिकारी निर्भय प्रताप शाही, एसडीओ अभय प्रताप सिंह ने मोहम्मदी वनरेज के वन दरोगा मोहम्मद उमर, गोला वन रेंज के अंकित बाबू और शारदानगर के वन दरोगा नागेंद्र पांडेय के कंधों पर बैच लगा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नव वर्ष का अमूल्य उपहार बनीं रामायण और गीता

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- छोटे आकार में आकर्षक रंग रूप में धार्मिक पुस्तकों ने बाजार में जगह बनाई
- लगभग सौ रुपये की इस डायरी में हर पेज पर गीता के श्लोक उपलब्ध हैं

अमृत विचार: नए वर्ष में ग्रीटिंग कार्ड खरीदने उसे हाथों-हाथ देने या फिर पोस्ट से भेजे जाने की परंपरा अब बीते दिनों की बात हो गई है। ग्रीटिंग कार्ड बाजार से धीरे-धीरे आउट हो गए हैं। वहीं बाजार में अब धार्मिक महत्व की पुस्तकों ने जगह बना ली है। वर्ष के पहले दिन उपहार के रूप में लोग एक दूसरे को रामायण और भागवत गीता दे रहे हैं।

बाजार ने भी उनकी भावनाओं को समझा और धार्मिक महत्व की पुस्तकों को छोटे आकार में आकर्षक रंग रूप में छाप कर बढ़िया पैकिंग के साथ दुकानों पर उतारा है। धार्मिक पुस्तकों के साथ ही दूसरी वरीयता में डिजिटल डायरी और नामचीन कंपनियों के महंगे पेन शामिल हैं। सोशल मीडिया के दौर में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट चलन में है। कई ऐसे ऐप आ गए हैं जो बाकायदा अपनी फोटो के साथ नव वर्ष की बधाई चंद पलों में अपने शुभचिंतकों तक पहुंचा देते हैं। मूड़ा सवारान निवासी पुस्तक विक्रेता संजीव कुमार सक्सेना ने बताया कि नव वर्ष पर गीता दैनंदिनी की मांग खूब है।

लगभग सौ रुपये की इस डायरी में हर पेज पर गीता के श्लोक उपलब्ध हैं और इसकी खासियत यह है कि इसमें पंचांग रहता है और सभी आवश्यक तिथियां इस दैनंदिनी में उपलब्ध हैं। लोग नव वर्ष पर इसे चाव से खरीद रहे हैं। इसी प्रकार से छोटी भागवत गीता पुस्तक भी इस बार लोग पसंद कर रहे हैं नववर्ष पर इसे खरीदा जा रहा है इस बार धार्मिक पुस्तकों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है।

नगर के युवा मूर्तिकार रजनीश चीन रवाना

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी युवा मूर्तिकार रजनीश वर्मा इंटरनेशनल आइस एंड स्नो स्कल्पचर इवेंट अभ्युदय टीम इंडिया में शामिल हुए हैं। उनकी टीम चीन में दो जनवरी से होने वाली प्रतियोगिता में भारतीय मूर्तिकला का प्रदर्शन करेगी। रजनीश वर्मा ने बताया कि 31 दिसंबर की रात आठ बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट नई दिल्ली से इंटरनेशनल की एंड स्नो स्कल्पचर हार्बिन चीन के लिए अपनी चार सदस्यीय टीम के साथ रवाना होंगे। मुख्य इवेंट हार्बिन इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर कंपटीशन 6 से 9 जनवरी तक होगा। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अभ्युदय टीम इंडिया में बिहार के रवि प्रकाश, मध्य प्रदेश के सुनील कुमार कुशवाहा, यूपी गोला निवासी रजनीश कुमार और दिल्ली के मोहम्मद आलम शामिल हैं।

किशोर की जांघ की हड्डी की हुई सर्जरी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

हर्षित की जांघ की हड्डी की सर्जरी करती डॉक्टरों की टीम। ● अमृत विचार

- इलाज के लिए रुपये मांगने पर बहन ने की थी खुदकुशी की कोशिश
- वीडियो वायरल होने के बाद मुफ्त में किया गया उपचार

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की टीम ने मंगलवार को अस्पताल में भर्ती 17 वर्षीय हर्षित की जांघ की हड्डी का ऑपरेशन किया है। इस दौरान मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. वाणी गुप्ता और सीएमएस डॉ. आरके कोली भी ऑपरेशन कक्ष में मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि हर्षित के साइकिल से गिरने की वजह से उसकी बाईं जांघ की हड्डी टूट कर फट गई थी। पहले से ही उसके पैर में रॉड पड़ी हुई थी। दोबारा साइकिल से गिरने से रॉड भी बहार आ गई थी, जिससे उसकी स्थिति काफी गंभीर हो गई थी। उसकी कम उम्र और उसकी गंभीरता को देखते हुए अस्पताल के डॉक्टर्स ने प्रबंधन से मिलकर उसकी सर्जरी का खर्च उठाने का निर्णय लिया था और सभी के सहयोग से डॉक्टरों की टीम ने हर्षित की जांघ की सर्जरी की है, अब वह स्वस्थ है। हर्षित का पहले भी ऑपरेशन हो चुका था और उसे रॉड डाली गई थी।

ऑपरेशन ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. शरद वर्मा, डॉ. आशुतोष वर्मा, डॉ. पुलकित, डॉ, श्रीराम सहित एनेस्थेटिक डॉ. एसके मिश्रा, डॉ. श्वेता की टीम ने किया है। डॉ. शरद वर्मा पर 15 हजार रुपये मांगने से आहत होकर शैंपू पीकर आत्महत्या करने की कोशिश करने वाली हर्षित की बहन सौम्या को बुलाकर सर्जरी संबंधी जानकारी दी गई थी। हर्षित की जांघ में टाइटेनियम की रॉड डाली गई है, जिसकी व्यवस्था निजी संसाधनों से की है।

रामलीला मेला महोत्सव में धू-धूकर जला रावण का पुतला

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: पृथ्वीपुरवा चौराहे पर आयोजित संतोष रामलीला मेला महोत्सव में रावण वध का मंचन हुआ। मंचन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ रही। आग लगते ही रावण का पुतला धू धू कर जल उठा।

मझगईं थाना क्षेत्र के पृथ्वीपुरवा चौराहे पर चल रहे रामलीला मेले में राम-रावण युद्ध का मंचन किया गया। ठंडे मौसम को ध्यान में रखते हुए मेला प्रशासन ने कार्यक्रम को निर्धारित समय से पूर्व ही संपन्न कराया। मेले में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा।

सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात को भी नियंत्रित किया गया, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मेला आयोजक संतोष कुमार यादव ने बताया कि ग्रामीणों और सहयोगियों के सहयोग से मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

रामलीला मेला महोत्सव में जलता रावण।

वाल्मीकि समाज में सपा प्रदेश सचिव के बयान पर आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना मैलानी की ग्राम पंचायत कुकरा में आंबेडकर प्रतिमा को लेकर भूमि पूजन कार्यक्रम में सपा के प्रदेश सचिव की मनुवाद को लेकर की गई टिप्पणी के बाद लोग काफी गुस्से में है। मंगलवार देर शाम पलिया में वाल्मीकि समाज ने थाने पर प्रदर्शन कर एसओ को तहरीर दी थी और कार्रवाई की मांग की थी। वहीं थाना मैलानी पुलिस ने कुकरा निवासी एक व्यक्ति की तहरीर पर आरोपी सपा नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इससे अब सपा नेता की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

दरअसल ग्राम पंचायत कुकरा में सोमवार को एक भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें सपा के प्रदेश सचिव रेहान खान ने मनुवाद की क्या पहचान, ब्राह्मण भंगी एक समान का नारा लगाया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में भारी रोष फैल गया और लोगों ने प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी। साथ ही पुलिस और अफसरों को ज्ञापन भी दिए थे।

पलिया में प्रदर्शन कर एसओ पंकज त्रिपाठी को तहरीर देते लोग। ● अमृत विचार

- प्रदर्शन कर थाना पलिया पुलिस को दी तहरीर, मैलानी में रिपोर्ट

पलिया में मंगलवार की देर शाम वाल्मीकि समाज के तमाम लोग थाना पहुंचे और प्रदर्शन कर आरोपी सपा नेता के खिलाफ तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सपा नेता रेहान खान ने एक सार्वजनिक सभा के दौरान मंच से माइक पर संबोधन करते हुए दलित समुदाय, विशेषकर वाल्मीकि जाति के लिए जातिसूचक एवं आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। यह टिप्पणी पूरे समाज को नीचा दिखाने और अपमानित करने की नीयत से की गई गई है। जिससे वाल्मीकि समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक भारी आक्रोश व्याप्त है।

लोगों का कहना है कि इस प्रकार की बयानबाजी सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ने वाली है और इससे समाज में वैमनस्य फैलने का खतरा है। उधर मामला बढ़ता देख थाना मैलानी पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने कुकरा निवासी गोविंद कुमार मिश्रा की तहरीर पर आरोपी सपा नेता प्रदेश सचिव रेहान खान के खिलाफ बीएनएस की धारा 299 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रकरण की जांच एसआई अभिषेक कुमार को सौंपी है।

सौंदर्यीकरण के चलते पंडित नेहरू की मूर्ति का रुख बदला

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण कार्यों में पाथवे बनाते समय जद में आई पंडित जवाहरलाल नेहरू की मूर्ति को हटाते समय स्तंभ टूट गया था, जिसे सुरक्षित रखवाया गया था। बुधवार को कार्यदायी संस्था ने मूर्ति का स्तंभ तैयार करवाकर नेहरू जी की मूर्ति को दक्षिण मुख की ओर पुनर्स्थापित करवाया है।

गोकर्ण तीर्थ के चारों ओर तीन मीटर चौड़ा पाथवे बनाया जा रहा है। 27 नवंबर को तीर्थ के पूरब पाथवे निर्माण के दौरान छत हटाते समय नेहरू जी की प्रतिमा का स्तंभ क्षतिग्रस्त हो गया था। कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल, गौरव मिश्रा, विपुल गुप्ता, अजीत जैन आदि कांग्रेसियों ने प्रतिमा को पुनर्स्थापित एवं सौंदर्यीकरण कराने की मांग की थी। पहले यहां मूर्ति पूरब रुख को लगी थी। कार्यदाई संस्था के जेई नितिन सिंह ने बताया कि पूरब तरफ अब बाउंड्री वॉल रहेगी। मूर्ति का रुख अब दक्षिण दिशा की ओर कराया गया है। मूर्ति के स्तंभ पर पत्थर लगवाकर इसका सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा।

गोकर्ण तीर्थ पर दक्षिण मुख कर पुनर्स्थापित की गई नेहरू जी की प्रतिमा।

70वीं वाहिनी परिसर में एसएसबी ने मनाया स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: 70वीं वाहिनी एसएसबी लखीमपुर ने वाहिनी परिसर में 8वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास, सांस्कृतिक गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमहानिरीक्षक वी. विक्रमण, क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी, विशिष्ट अतिथि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा रहे। समारोह का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यवाहक कमांडेंट मुकेश कुमार गौतम ने स्वागत भाषण में 70वीं वाहिनी की उपलब्धियों, सीमा सुरक्षा में भूमिका तथा बलकर्मियों के अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीमा सुरक्षा में एसएसबी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने जवानों व उनके परिवारजनों के त्याग और धैर्य को नमन किया। मुख्य अतिथि वी. विक्रमण ने वाहिनी के अनुशासन, सेवा भावना और पेशेवर दक्षता की प्रशंसा की। स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए एसएसबी जैज बैंड, एसएसबी गीत एवं बलकर्मियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महिला व पुरुष प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में निशा नायर संदिक्षा अध्यक्ष, नीलम गौतम आदि के साथ बल के सभी अधिकारी, जवान और उनके परिजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन जय हिंद, जय भारत के उद्घोष के साथ हुआ।

रंगारंग कार्यक्रम पेश करती महिला कर्मचारी। ● अमृत विचार

- बल के कर्मचारियों ने दी रंगारंग प्रस्तुति, दर्शकों ने सराहा

डीसीएम पलटने से 12 भैंस मरीं

उचौलिया, अमृत विचार: सीतापुर में खरीदी गईं 23 भैंस लेकर डीसीएम शाहजहांपुर जा रही थी कि हाईवे से शाहाबाद मोड़ और हिमालया ढाबा के बीच में डीसीएम खाईं में पलट गई। तत्काल सेवा का जुनून की टीम मौके पर पहुंची और मदद में जुटी। टीम के साथ सहयोग में जुटे क्षेत्रीय लोगों की मेहनत से किसी तरह चार भैंस को बाहर निकाला। तब तक हाइड्रा मशीन आ गई। उससे पलटी हुई डीसीएम को ऊपर उठवाया गया। कड़ी मेहनत से 11 भैंसे बचाई जा सकीं। इसमें 12 भैंस की मौत हो गई। कुछ देर बाद उचौलिया पुलिस व एनएचएआई की टीम भी पहुंचकर राहत कार्य में जुटी। डीसीएम के घायल परिचालक को शाहजहांपुर भेजा गया। डीसीएम सीतापुर के खैराबाद से भैंस खरीदकर शाहजहांपुर ले जा रहे थे, की इस दौरान उचौलिया थाना क्षेत्र के सुनौवा हाल्ट व हिमालया ढाबे के बीच हुआ हादसा।

छात्रों को जेल मंत्री ने किया पुरस्कृत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल का प्रथम वार्षिक समारोह सृजन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अभिभावक मंत्रमुग्ध हो गये। मुख्य अतिथि ने एरोबे लैब का उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि प्रदेश शासन के कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद मोहम्मदी के अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा, गोला की पूर्व पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, मैलानी नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी, प्रबंध समिति के सदस्य दीपक हालन, अतुल अग्रवाल, अजय गर्ग, रोहित अग्रवाल, प्रधानाचार्य अनुरोध चित्रा ने दीप प्रज्वलित कर आरंभ किया। विद्यालय में रोबोटिक लैब का उद्घाटन भी किया, जो विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और प्रयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करेगा। रोबोटिक के सदस्यों ने अपनी तकनीक की सजीव प्रस्तुति करके देश के तकनीकी विकास का परचम लहराया। प्रधानाचार्य अनुरोध चित्रा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने पिछले वर्ष के उच्चतम अंक प्रतिशत धारकों, जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। गतवर्ष की एथलेटिक मीट में ओवरऑल विनर हाउस राधा कृष्णन को भी ट्रॉफी प्रदान की गई। इस मौके पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

समारोह का समापन गोला तथा पलिया से आये हुए विभिन्न विद्यालयों के प्रबन्धकों, प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं सभी आगंतुकों का प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक हालन ने आभार व्यक्त किया।

वार्षिकोत्सव में मौजूद अतिथि और अभिभावक। ● अमृत विचार

- जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में जिले की पहली रोबोटिक लैब की शुरुआत

देवी देवताओं व बजरंग दल पर आपत्तिजनक टिप्पणी से रोष

सिंगाही, अमृत विचार: बजरंग दल के पदाधिकारी रवि विश्वकर्मा ने बताया कि सिंगाही बस स्टॉप पर तसलीम कादरी पुत्र राजू कादरी नामक युवक किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था। इस दौरान आरोपी ने देवी-देवताओं एवं बजरंग दल संगठन के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द कहते हुए गाली-गलौज वाली भाषा का प्रयोग करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग की। इसकी जानकारी जब लोगों को हुई तो उनमें रोष व्याप्त हो गया। तमाम लोग थाने पहुंचे और पुलिस को वीडियो क्लिप सौंपी। साथ ही कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि ऐसी अमर्यादित भाषा से धार्मिक आस्था को ठेस पहुंची है। क्षेत्र में सामाजिक व धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने तथा शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हुई है। प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कई घंटे ठप रही साइट पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ता हुए परेशान

बरेली, अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना के पहले चरण के अंतिम दिन बुधवार को विभागीय साइट के सर्वर ने परेशान किया। पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को देर रात 10 बजे कार्यालयों में बिल जमा करने के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ा। बकाया बिजली बिल और बिजली चोरी पर लगे जुर्माने को माफ करने के लिए विभाग की ओर से बिजली बिल राहत योजना तीन चरणों में शुरू की गई थी। पहला चरण 1 दिसंबर से लेकर 31 दिसंबर तक का था। बुधवार को पहला चरण का अंतिम दिन था। ऐसे में सर्किट हाउस के सामने मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में अधिशासी अभियंता प्रथम और द्वितीय के कार्यालय के अलावा रामपुर गार्डन स्थित शहरी क्षेत्र में कामर्शियल टू कार्यालय में उपभोक्ताओं की लंबी लाइन योजना का लाभ लेने के लिए लगी रही। विभाग की वेबसाइट का सर्वर नहीं चलने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई घंटे लाइन में लगना पड़ा।

हर बुधवार साप्ताहिक बाजार से लगता है जाम

नानक चौकी के पास लगती है बाजार, जाम में फंसती हैं एंबुलेंस और रोडवेज की बसें, लोग होते हैं परेशान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे भले ही किए जा रहे हों, लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट नजर आ रही है। वर्ष के अंतिम दिन नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। नानक पुलिस चौकी के पास लगने वाले साप्ताहिक बाजार के कारण शाम तक लखीमपुर रोड जाम रहा, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नगर के प्रमुख चौराहों और तिराहों के साथ अलीगंज रोड व भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन के आवागमन के दौरान जाम की समस्या आए दिन बनी रहती है। इसके बावजूद यातायात सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा सके हैं। वहीं, लखीमपुर रोड पर साप्ताहिक बाजार में दुकानदारों द्वारा सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण कर दुकानें लगा दी जाती हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है। स्थिति तब और गंभीर

गोला में लखीमपुर रोड पर जाम में फंसी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

गोला की नानक पुलिस चौकी के पास जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

हो जाती है, जब ई-रिक्शा चालक बेतरतीब ढंग से सड़क किनारे खड़े कर देते हैं।

वहीं, ग्राहकों द्वारा छोटे और बड़े वाहन लखीमपुर रोड तथा सिनेमा रोड की दिशा में खड़े कर दिए जाते हैं। इससे जाम लग जाती है। इसी मार्ग से तहसील एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के वाहन भी गुजरते हैं, जो कई बार जाम में फंस जाते हैं। रोडवेज बसें, निजी वाहन और यहां तक कि आपातकालीन सेवाओं में लगी एंबुलेंस भी साप्ताहिक बाजार के चलते लगने वाले जाम से प्रभावित

> आज एक बस खराब हो गई थी, जिसके चलते कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मियों को भेजकर जाम खुलवाई गई। अगर हर बुधवार को ऐसी स्थिति बनती है तो इसको दिखावाया जाएगा। जाम की स्थिति नहीं होने दी जाएगी।
> **-रमेश कुमार तिवारी**, सीओ गोला।

होती हैं। छुट्टी के समय स्कूली बच्चों, स्कूल बसों और अन्य वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से साप्ताहिक बाजार की व्यवस्था, पार्किंग और ई-रिक्शा संचालन को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि नगर की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और आमजन को राहत मिल सके।

बड़े पैमाने पर सूती, ऊनी कपड़ों का होता है व्यापार

सुरक्षा के मानकों को दरकिनार कर लगने वाली साप्ताहिक बाजार में बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार के सूती, ऊनी कपड़ों का व्यापार होता है। लखीमपुर रोड पर सड़क के दोनों और फुटपाथ पर विभिन्न प्रकार के ठेले वालों के द्वारा फल, चाट, फास्ट फूड आदि की दुकानें लगती है, जिससे जाम में फंस कर आम लोग, राहगीर, वाहन चालक परेशान होते हैं।

सरकारी दफ्तर व स्कूल-कॉलेज हैं इसी मार्ग पर

लखीमपुर रोड पर चार इंटर कॉलेज, हाइडिल, ब्लॉक, फॉरेस्ट विभाग, गन्ना समिति, एलआईसी, इंडियन, यूनियन, बैंक ऑफ़ बडौदा, बैंक ऑफ इंडिया सहित कई माल, जलपान गृह और छोटे विद्यालय भी हैं, जिसके चलते लखीमपुर मार्ग पर सबसे अधिक व्यस्तता, भीड़भाड़ रहती है।

विधायक ने 35 दिव्यांगों को बांटे सहायक उपकरण

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचारः ब्लॉक परिसर में सशक्तिकरण विभाग लखीमपुर द्वारा चयनित 35 दिव्यांगों को पलिया विधायक रोमी साहनी के हाथों उपकरण वितरित किए गए। ट्राई साइकिल, बैसाखी व अन्य सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे।

इस दौरान विकास खंड अधिकारी ऋषिकांत अहिरवार भी मौजूद रहे। जिला दिव्यांग जन अधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि जिन दिव्यांग जनों को उपकरण प्राप्त नहीं हुए हैं तो वह अभी भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्हें भी जल्दी ही सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस दौरान रोमी कक्कड़, सौरभ गुप्ता, अभिषेक प्रताप सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, सीएचसी बांकेगंज के डॉ. पुनीत रस्तोगी, फार्मासिस्ट अब्दुल बाकिर एवं शादाब आलम आदि मौजूद रहे।

बांकेगंज में दिव्यांगों का माल्यार्पण कर उपकरण सौंपते विधायक रोमी साहनी।

दुधवा उपनिदेशक ने पदोन्नत वनदरोगा को लगाया बैज

पदोन्नत वनदरोगा को बैज लगाते दुधवा उपनिदेशक। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग पलिया की दक्षिण सोनारीपुर रेंज में कार्यरत वन्य जीव रक्षक विजय पाल की वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में की गई उत्तम सेवाओं को देखते हुए विभाग ने उन्हें वनदरोगा पद पर प्रोन्नति प्रदान की है। डीटीआर उपनिदेशक

● **उत्तम सेवाओं को देखते हुए विभाग ने वनदरोगा पद पर दी प्रोन्नति**

कार्यालय में पहुंचे वन्य जीव रक्षक विजयपाल को उपनिदेशक जगदीश आर ने बैज लगाकर सम्मानित किया।

इस मौके पर डीटीआर उपनिदेशक कार्यालय के वरिष्ठ वनकर्मी सुशांत सिंह, रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

अवधी के मशहूर कवि फारूक सरल का निधन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः देश के बड़े साहित्यिक मंचों पर जनपद का नाम रोशन करने वाले अवधी के प्रख्यात कवि फारूक सरल का बुधवार को निधन हो गया। उनके निधन से साहित्य जगत, खासकर अवधी भाषा और काव्य प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों के अनुसार फारूक सरल काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज जारी था। उनके भतीजे डॉ. आरिफ कमाल ने बताया कि दोपहर लगभग 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना मिलते ही लखीमपुर शहर के नौरंगाबाद स्थित आवास पर साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का तांता लग गया। परिजनों ने बताया कि उनकी अंतिम रसूमात बाद नमाज-ए-मगरिब शाम 5:30 बजे नौरंगाबाद कब्रिस्तान में अदा की गई।

श्रीराम कथा में कथाव्यास ने सुनाया अहिल्या उद्धार और सीता स्वयंवर का प्रसंग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः स्वामी विवेकानन्द बाल उद्यान में हो रही श्रीराम कथा में कथाव्यास ने प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं, अहिल्या उद्धार और जनकपुर में माता सीता के स्वयंवर की कथा कथा का प्रसंग सुनाया। इस दौरान भजनों पर महिला श्रद्धालु जमकर झूमती रहीं।

अजयानंद महाराज।

मंगलवार की रात कथा व्यास आचार्य अजयानंद महाराज ने सुनाया कि गौतम ऋषि पत्नी अहिल्या का उद्धार कर प्रभु श्रीराम विश्वामित्र के साथ जनकपुरी में प्रवेश करते हैं। राजा जानक गुरु विश्वामित्र, श्रीराम और लक्ष्मण का स्वागत करते हैं। लक्ष्मण के आग्रह पर श्रीराम गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर पुष्प वाटिका देखने जाते हैं, जहां माता सीता और प्रभु श्रीराम की पुष्प वाटिका में पहली भेंट होती है। सीता माता की सुंदरता का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने कहा- सिय सुंदरता बरनि न जाई। लघुमति बहुत मनोहर ताई।

सीता स्वयंवर के लिए विभिन्न देश के राजाओं ने शिव धनुष को उठाने का बहुत प्रयास किया पर वह उसे हिला तक न सके। यह देख राजा जनक व्याकुल हो उठे। उन्होंने कहा कि लगता है पृथ्वी अब वीरों से खाली हो गई है। यह सुनकर लक्ष्मण क्रोधित हो गए, उन्होंने कहा कि रघुकुल वंश का जहां कोई भी मौजूद हो वहां ऐसी बातें करना अनुचित है। गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान श्रीराम आगे बढ़े और उनके स्पर्श करते ही धनुष भंग भंग हो गया। आकाश से देवी देवता पुष्प वर्षा करने लगे। कथा के दौरान सुनाए गए भजनों पर मौजूद महिला श्रद्धालु जमकर झूमती, पुष्प वर्षा करती रही। शशि बाला रावड़ा, आदर्श शुक्ला, नीलम बाजपेई, शिवांगी, प्रमिला, काजल, महक, जया, सीमा, मनोज मिश्र, आलोक बाजपेयी, मुन्ना लाल मिश्रा, डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री मौजूद रहे।

गोला में भजनों पर झूमती महिला श्रद्धालु। ● अमृत विचार

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना संख्या 239/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित रेलगाड़ी की संचलन अवधि में विस्तार किया जा रहा है, जिसका संचलन निम्नवत् किया जाएगाः–

05062/05061 टनकपुर-अछनेरा जं.-टनकपुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर से और **गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.** से दिनांक 01.01.2026 से 27.02.2026 तक (बुधवार एवं शनिवार छोड़कर)

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर–अछनेरा जं. आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.–टनकपुर आगमन	प्रस्थान
--	**04:10**	**टनकपुर**	**23:45**	--
04:35	04:37	खटीमा	23:03	23:05
05:06	05:08	पीलीभीत जं.	22:21	22:23
05:40	05:42	भोजीपुरा जं.	21:31	21:33
06:01	06:03	इज्जतनगर	21:14	21:16
06:17	06:22	बरेली सिटी	20:50	20:55
06:35	06:37	बरेली जं.	20:33	20:35
07:14	07:16	बदायूँ	19:35	19:37
07:27	07:29	उझानी	19:18	19:20
07:58	08:00	सोरों शूकर क्षेत्र	18:36	18:38
08:30	08:40	कासगंज जं.	18:10	18:20
09:04	09:06	सिकन्दरा राव	17:42	17:44
09:50	09:55	हाथरस सिटी	17:17	17:19
10:40	10:42	मथुरा छावनी	16:45	16:47
10:55	11:00	मथुरा जं.	16:25	16:35
12:20	--	**अछनेरा जं.**	--	**15:30**

मुजाधि/टी–93 मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थों को लेकर यात्रा न करें

हमारे जिस्म की नस-नस में हिंदुस्तान बसता है

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः त्रिलोक गिरि मंदिर परिसर में श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर रात हुए कवि सम्मेलन में कवियों ने विभिन्न विधाओं के रंग बिखेरे।

नगर की भूतनाथ रोड स्थित त्रिलोकी नाथ मंदिर परिसर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर रात में हुए कवि सम्मेलन का आरंभ सरस्वती माता की वंदना से हुआ। मन्योरा के कवि गौरव शुक्ला ने काव्य पाठ करते हुए सुनाया कि-ब्याध वध पर वध किया जाता निरंतर, देश के बाल्मीकियों अब मौन तोड़ो।

जय श्रीवास्तव ने पढ़ा-विषमता के पहाड़ों को गिराना शेष है, अभी दुनिया को अपना रस दिखाना शेष है। नगर के मोहल्ला लक्ष्मीनगर कॉलोनी निवासी कनक तिवारी ने

गोला में कवि को सम्मानित करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● **त्रिलोक गिरि मंदिर परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन**

पढ़ा-कभी कुछ न कर पाए गौरव हमारा है, है युग जानता भव्य गौरव हमारा।

मोहम्मदी के गोविंद गुप्ता ने पढ़ा-आ रही बाबर मिसाइल रोकता आकाश था, स्वदेश पर मगर उस पर विश्वास था। मितौली के अमित कैथवार ने देशभक्ति से ओत-प्रोत काव्य पाठ करते हुए सुनाया-हमारे जिस्म का कोई भी हिस्सा काट कर देखो, हमारे जिस्म की नस-नस में हिंदुस्तान बसता है।

शाहजहांपुर के ब्रह्मा मिश्रा ने कहा-जिन्हें सोकर गुजरना था वह ख्वाबों में गुजरती है, किसी की अधजगी रातें हिसाबो में गुजरती है। श्याम मोहन मिश्रा ने पढ़ा-इश्क का सिलसिला नहीं होता, तुमसे कोई गिला नहीं होता।

आयोजक प्रमोद गुप्ता भोले ने पढ़ा-राष्ट्र की आशा धरा का शीर्ष हैं शंकर, प्राण की संवेदना का शीर्ष हैं शंकर।

मिथिलेश शुक्ला, कन्हैया सिंह राज, श्रीपाल वर्मा, राजकुमार शुक्ला, शशिकांत मिश्रा शशि, डॉ वीरेश चंद्र बाजपेई, कृष्णा तिवारी, रमेश पांडे शिखर सलभ, डॉ. द्वारिका प्रसाद रस्तोगी, संगम गुप्ता, शशांक शेखर पांडे आदि कवियों ने काव्य पाठ कर लोगों को भाव विभोर कर दिया किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, विशिष्ट अतिथि डॉ. सौरभ दीक्षित, नानक चंद वर्मा, रामनरेश मिश्रा ने कवियों को सम्मानित किया। संचालन आलोक तिवारी ने किया।

नरियावल मंडी में बिजली विभाग ने लाइन काटी, हंगामे के बाद जोड़ी

संवाददाता, बिथरी चैनपुर (बरेली)

अमृत विचारः बिजली विभाग ने नरियावल उपमंडी में बिजली आपूर्ति की लाइन काट दी, जिससे क्रय केंद्र पर धान की तौल ठप हो गई। इस पर वहां मौजूद किसानों ने हंगामा किया और जनप्रतिनिधियों को सूचना दी। इसके बाद अधिकारियों ने करीब दो घंटे बाद फिर लाइन जुड़वा दी। नरियावल उपमंडी में बुधवार सुबह आठ क्रय केंद्रों पर धान की तौल चल रही थी। कुछ किसानों का कई दिन लाइन में लगने के बाद नंबर आया तभी अचानक वहां बिजली विभाग का लाइनमैन कुछ लोगों के साथ पहुंचा और लाइन काटने के लिए पोल पर चढ़ गया। जिसका विरोध वहां मौजूद क्रय केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों के साथ किसानों ने किया। उन्होंने लाइनमैन से लाइन काटने का कारण पूछा तो वह अभद्रता करने लगा। उससे जेई या एसडीओ के मौजूद होने की बात पूछी तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। लाइनमैन ने लाइन काटी और वहां से चला गया। बिजली आपूर्ति न होने की वजह से किसानों के धान की तौल बंद हो गयी। इसपर क्रय के केंद्र पर धान लेकर पहुंचे सोनू, उमेश, दीपचंद समेत कई किसानों ने जमकर हंगामा काटा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जिला पीलीभीत

पत्रांकः 396/न.पा.परि.बी./2025–26 दिनांकः 24.12.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

राज्य मिशन निदेशक (एस.बी.एम.), राज्य मिशन निदेशालय उ.प्र., सेक्टर– 7 गोमती नगर विस्तार लखनऊ के पत्र संख्या– पी.एम.यू./681/572/SBM/2.0/2023 दिनांक 14.10.2025 के अनुपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अन्तर्गत अमरा करोड रोड, शाहजहांपुर रोड, घटगवां रोड तहसील बीसलपुर में स्थित लीगेसी वेस्ट का बायो रेमेडीएशन विधि से निस्तारण हेतु इम्पैनल्ड डी.पी.आर. कन्सलटेंसी सर्विसेज से कार्य का डी.पी.आर. तैयार किए जाने की सूचना प्रकाशन होने की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपना प्रस्ताव स्वयं / पंजीकृत डाक अथवा निकाय के ई–मेल nppbisalpur262201@gmail.com पर किसी कार्यालय दिवस में प्रेषित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा।

शमशेर सिंह अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

शशि जायसवाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पुवायां जनपद शाहजहांपुर

पत्रांकः 572/न.पा.प.–पु./एस.बी.एम. पी.टी.यू./ई-टेण्डर/2025–26 दिनांकः 31.12.2025

ई-निविदा सूचना

अद्योहस्ताक्षरी के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/ राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/ अन्य सरकारी में 'ए''बी''सी' एवं 'डी' श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुयप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए ई–निविदा दे सकता है।

क्र.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी ई.एम.डी.	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	शाहजहांपुर	मो. काशीराम नगर मा. काशीराम कालोनी जेवां रोड पर 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	865367.00	73336.00	865.00	1 माह
2.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	862281.00	73075.00	862.00	1 माह
3.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में तहसील परिसर में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	775870.75	65752.00	776.00	1 माह
4.	शाहजहांपुर	मो. कमलबाग में नगर पालिका रोड पर यूरिनल का निर्माण कार्य।	210137.00	17808.00	210.00	1 माह
5.	शाहजहांपुर	मो. राजीव नगर में निगोही रोड पर तालाब के निकट यूरिनल का निर्माण कार्य।	227689.00	19296.00	228.00	1 माह

2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 12.01.2026 को प्रातः 10:00 बजे से।
3. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 21.01.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.01.2026 को अपराहन 11:00 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए तथा निविदा की शर्तो/नियमों आदि की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।

कल्पना शर्मा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, पुवायां शाहजहांपुर

संजय गुप्ता अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, पुवायां, शाहजहांपुर

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन आज से

बरेली, अमृत विचारः नवाबगंज के अधकटा नजराना में बने अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-2027 में कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 से 31 जनवरी तक होंगे। इसमें उत्तर प्रदेश भवन और अन्य कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे और कोविड काल में राज्याश्रित बच्चे, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिए पात्र बच्चे प्रवेश ले सकेंगे। श्रम प्रवर्तन अधिकारी रामअवतार शर्मा ने बताया कि चयन परीक्षा के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों की उपलब्धता के आधार पर कक्षा 6 में 160 और कक्षा 9 में 67 बच्चों को प्रवेश मिलेगा।

दुर्गा महाशतचंडी यज्ञ के लिए समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः ग्राम पंचायत सिंगहा कलां के गांव सिंगहा खुर्द में गत वर्ष आयोजित दुर्गा महाशतचंडी यज्ञ की समीक्षा बैठक हुई। बैठक का आयोजन यज्ञ को और अधिक भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से किया गया।

बैठक की अध्यक्षता यज्ञ समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र निषाद ने की। बैठक में पिछले वर्ष आयोजित यज्ञ की समीक्षा की गई। वक्ताओं ने आयोजन के दौरान सामने आई कमियों और व्यवस्थागत त्रुटियों पर चर्चा की और उन्हें दूर करने पर सर्वसम्मति बनी। अध्यक्ष वीरेंद्र निषाद ने कहा कि इस बार आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और यज्ञ को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप

गांव सिंगहा खुर्द में समीक्षा बैठक करते यज्ञ समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● **यज्ञ की तैयारियों को लेकर किया गया विचार-विमर्श**

प्रदान किया जाएगा।

कोषाध्यक्ष रजनीश जायसवाल ने आय-व्यय में बताया कि सभी खर्चों का लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाएगा। यज्ञाचार्य प्रयागदत्त शास्त्री ने धार्मिक अनुष्ठानों को विधि-विधान से संपन्न कराने और विद्वान आचार्यों के चयन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। वहीं राधेश्याम तिवारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने, छाया और साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

समिति के सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं तथा यज्ञ की तिथि और अवधि पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व प्रधान दुर्गा प्रसाद वर्मा, राम कैलाश सोनी, झब्बूलाल तिवारी, यज्ञ जजमान यशोदा नंद मिश्रा, श्यामकुमार शुक्ला, डॉ. संतोष वर्मा, रुद्र प्रकाश शुक्ला, संकटा प्रसाद मौर्य, जंग बहादुर यादव, यमुना प्रसाद लोधी, निर्दोष कुमार शुक्ला, राम नरेश जायसवाल, सरनाम शाह, मनोज पटवा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भगवान का कोई धर्म नहीं है।
–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

चौथी अर्थव्यवस्था का अर्थ

साल के आखिरी दिन यह खबर अत्यंत उत्साहवर्धक रही कि हम साल बीतने से पहले जापान की 368 लाख करोड़ की जीडीपी को पीछे छोड़ 376 लाख करोड़ वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बने और सरकार को उम्मीद है कि अगले तीन साल के भीतर हम जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में यह भी जानकारी दी गई कि महंगाई दर जो पहले चार से ऊपर थी घट कर एक फीसद से भी नीचे आ गई है और बेरोजगारी दर में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। देश की जीडीपी की विकास दर भी खासी ऊंची है। महंगाई बेहद कम, लोगों को काम और जीडीपी बढ़त पर, विदेशी मुद्रा भंडार भी भरा हुआ, यानी दौर वाकई 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' है।

ये सरकारी दावे नये साल की शुरुआत करने के लिए शानदार उत्प्रेरक की तरह काम कर सकते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने इस बात को दोहराया है कि भारत की विकास दर आगे भी सात फीसदी से ज्यादा रहने से वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। यानी इस साल हम इस दिशा में कुछ और नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। यह ठीक है कि जापान लंबे समय से जनसंख्या घटने, कमजोर घरेलू मांग और कर्ज के बोझ तले है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था भी ऊर्जा संकट, औद्योगिक सुस्ती और यूरोप की समग्र मंदी के कारण लगभग ठहराव की स्थिति में है, सो हमारी रैंकिंग में परोक्षतः दूसरों का भी हाथ है। एक महत्वपूर्ण पहलू भी गौरतलब है, बड़ी अर्थव्यवस्था अधिकतर आम लोगों के बेहतर जीवन की गारंटी नहीं है। अच्छी सड़कें, आधुनिक परिवहन, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व प्रभावी शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और प्रदूषण से राहत- ये सब केवल जीडीपी के आकार से नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं से तय होते हैं। प्रति व्यक्ति आय का अंतर इसे साफ दर्शाता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग दो लाख रुपये सालाना मान भी लें, तो जापान की प्रति व्यक्ति आय औसतन 40 लाख प्रतिवर्ष है, जर्मनी, अमेरिका में इससे भी अधिक है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी पर आम भारतीय विकसित देशों से पीछे रहेगा। मानव विकास सूचकांक में भारत अभी मध्यम श्रेणी में है, जबकि अमेरिका, जर्मनी और जापान शीर्ष पायदानों में हैं और चीन भी भारत से ऊपर है। स्पष्ट है कि आर्थिक रैंकिंग और मानव विकास रैंकिंग में सीधा संबंध नहीं होता।

कुल मिलाकर बड़ी अर्थव्यवस्था का असली अर्थ है, जन कल्याण के लिए अधिक संसाधन। यदि ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में नहीं लगे, तो आंकड़ों की चमक आम आदमी तक नहीं पहुंचेगी। यह बदलाव केवल जीडीपी का नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांतिकारी सुधार का प्रतीक बने, इसके लिए विकास को समावेशी, रोजगार-प्रधान और मानव-केंद्रित बनाना होगा। तभी 'चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' एक वास्तविक उपलब्धि कहलाएगी, न कि सिर्फ एक सांख्यिकीय मील का पत्थर।

प्रसंगवश

नए साल में चुनाव और सियासी समीकरण

2025 में राजनीति के जो समीकरण बनते बिगड़ते रहे, 2026 में उसको कसौटी पर कसा जाएगा। बिहार के चुनावों से निकले जनादेश ने बीजेपी को देश की सशक्त पार्टी साबित किया, इसकी असली ताकत पश्चिम बंगाल में तय होगी, जहां ममता बनर्जी के सियासी तिलिस्म से भाजपा की रणनीति का आमना-सामना होगा। पश्चिम बंगाल का यह सियासी रण 2026 के अप्रैल-मई महीने में ही देखा जाना है। इतना ही नहीं, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव भी आने वाले साल में प्रस्तावित हैं, जो देश की सियासत की दिशा निर्धारित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं, जिसका बिगुल नए साल की आमद के साथ बजने ही वाला है। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश समेत देश के तमाम राज्यों में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले ही सियासत गरम है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

अगले वर्ष जिन राज्यों के चुनाव होने हैं, वहां अलग-अलग राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाते दिखाई देंगे। राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की शुरुआत तो जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा सत्ता के वनवास से निकल कर बाहर आने को बेचैन है, उधर भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के भरोसे अंगद की तरह पांव जमा दिया है। कौन किस पर भारी साबित होगा, यह तो 2027 के चुनाव ही बता पाएंगे, लेकिन जीत-हार की रस्साकशी 2026 में ही नजर आने लगेगी। पंचायत चुनावों से ही सियासत का अखाड़ा सज उठेगा।

भाजपा दिल्ली और यूपी के अन्तर्द्वन्द से कैसे निपटेगी और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आते ही जातिगत झमेले में जा उलझी पार्टी को पटरी पर नेतृत्व कैसे लाएगा, यह सब 2026 में देखने को मिलेगा। 2026 देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई न कोई चैलेंज लेकर आ रहा है। आने वाले साल में सियासत की तासीर बदली नजर आएगी और राजनीतिक घमासान के बादल देश पर मंडराते रहेंगे।

क्या मोदी और क्या योगी सबको अपने राजनीतिक कौशल की परीक्षा देनी पड़ेगी। मायावाती और अखिलेश यादव को अपनी-अपनी ताकत में इजाफा करके दिखाना होगा। राहुल गांधी की लगातार मेहनत को भी आने वाला साल अपनी कसौटी पर कसने वाला है। शुरुआत तो उत्तर प्रदेश से ही हो जाती है, जहां पंचायत चुनावों की तपिश के बीच नये साल की आमद दर्ज होने जा रही है। नये साल की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश में सियासत के इन दो ध्रुवों भाजपा और सपा के बीच द्वंद्व होता नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ का चेहरा और उनकी राजनीति के कायल प्रदेशवासियों ने लगातार दूसरी बार उन्हें प्रचंड जनादेश के साथ प्रदेश की सत्ता पर बैठाया था। अब पंचायत चुनाव और अन्य राजनीतिक पैरामीटर यह तय करेंगे कि योगी का जादू बरकरार है या नहीं। उधर लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड सीटों से जीतकर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं, लोकसभा की जीत से 2027 के लिए बड़ी उम्मीदें निकल कर आई हैं। अखिलेश यादव की चुनौती है कि वोट बैंक के बिखराव पर कैसे विराम लगाएं और अपने परंपरागत वोट बैंक को कैसे फिर सहेजें, जो भाजपा की ओर शिफ्ट हो गए हैं, हालांकि सपा कार्यकर्ताओं में लोकसभा की जीत और शिवपाल यादव के पार्टी में विलय से गजब का उत्साह भरा हुआ है, लेकिन अखिलेश यादव को उसे बनाये रखने की जरूरत है।

देश के लिए अच्छे नहीं हैं मौसम के संकेत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हर साल मौसम में हो रहा बड़ा वैश्विक बदलाव देश और खासकर उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के जल, जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। पढ़ने में ये शब्द भले ही अब सामान्य बातें लगती हों, लेकिन यह सब हमारी-आपकी जिंदगी से जुड़ा अहम विषय है। प्रकृति हमें चेता रही है, लेकिन हम बहुत लापरवाही से सोच-समझकर भी नजरंदाज कर रहे हैं और यही बेहद चिंता का विषय है। शीतकालीन मौसम की वर्षा और बर्फबारी में कमी की सीधी मार हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़नी है। जीव-जंतु बढ़ते तापमान को सह नहीं पाएंगे और कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा सूखे मौसम को झेल नहीं सकेगा। बदलाव इसी तरह से जारी रहा, तो बढ़ते वैश्विक ताप से उत्तर भारत समेत नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलापूर्ति भंग हो सकती है।

दरअसल, मौसम के लिहाज से हिमालयी क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालयी राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

> उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव-जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा ईको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। बसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि बसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रबी की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी।

मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है, हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। इधर, पश्चिमी विक्षोभों का उत्तराखंड में असर बेहद कमजोर हो चला है। यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तक असर डाल रहे हैं, जिस कारण चरम मौसम (एक्स्ट्रीम वेदर) की परिस्थितियां बदलने लगेंगी।

इस गंभीर विषय पर नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव-जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी, तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

यह वास्तव में बड़ी चिंता का विषय है। लिहाजा पर्यावरण को लेकर समय रहते हम सभी को सजग रहने की सख्त जरूरत है। जिला कृषि अधिकारी ऋतु टम्टा कहती हैं कि इस बार शीतकालीन बारिश समय पर नहीं हुई, तो वर्षा पर निर्भर रबी की फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गत वर्ष भी शीतकाल सूखे के साथ कटा था और इस बार भी सूखे की आशंका को ध्यान में रखकर कृषि बीमा की योजना निर्धारित है। मौसम में बदलाव अथवा प्रभाव के चलते फसलों को भी उसी तरह से उगाने को लेकर किसानों को परामर्श दिए जा रहे हैं।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी कहते हैं कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाना अब आसान नहीं रह गया है। ऋतुओं का समय शिफ्ट होने लगा है, तो तूफान की घटनाओं में तीव्रता आने लगी है। मौसम में आ रहे बदलाव, भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जिस कारण आर्थिक, कृषि और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मानसून में बादल फटने जैसी आपदाओं की त्रासदी को हमने देखा है और इस बार शीतकालीन वर्षा अभी तक रूठी हुई है। गत वर्ष शीतकाल की वर्षा सूखे की भेंट चढ़ गई थी। पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात का अभाव बढ़ता जा रहा है, जो मौसम के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। तापमान में वृद्धि का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, तो दो हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में मौसम का बड़ा बदलाव आया है।

भले ही मौसम में बदलाव से अनेक दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, लेकिन इन सभी के बीच शीतकाल में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुंच रहा है। नैनीताल व मसूरी में तीन दशक पहले तक शीतकाल में जमा देने वाली ठंड पड़ा करती थी। न्यूनतम तापमान शून्य के इर्द-गिर्द अधिक रहा करता था, तो इन पर्यटन नगरों से शीत के महीनों में मैदानों की ओर पलायन हुआ करता था, लेकिन मौसम में बदलाव आने से वैसी ठंड अब नहीं रही, जिसका यहां के पर्यटन को भरपूर लाभ मिल रहा है। अब शीतकाल के दौरान बड़े पैमाने पर सैलानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। निष्कर्ष यही है कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी हमें जरूरत है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन बंद करना होगा। जल-जंगल को बचाना होगा। पर्यावरण से निपटने के लिए नयी रणनीतियों पर काम करना होगा।

आमने

भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। हम न सिर्फ घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार होगी, क्योंकि जनता ने मन बना लिया है।

–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

सामने

जब कश्मीर या दिल्ली में घटनाएं होती हैं, तो हर बार बंगाल को ही क्यों दोषी ठहराया जाता है? भाजपा 'अब की बार, 200 पार' जैसे बड़े दावे नहीं कर पा रही है। इस बार भाजपा को देश की राजनीति से बाहर हो जाना चाहिए।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों की बदलती कहानी

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते 1971 में बांग्लादेश की आजादी के साथ शुरू हुए। उस समय भारत की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ युद्ध में बांग्लादेश का समर्थन, इतिहास की एक निर्णायक घटना थी, लेकिन आज यही रिश्ते तनाव और अविश्वास की गहराई तक पहुंच चुके हैं। 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, दोनों देशों के बीच माने जाने वाले स्वर्णिम युग के पतन का प्रतीक बन गया है।

1971 की युद्धभूमि से लेकर 2023–24 तक बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को भारत के निरंतर समर्थन की नीति रही। यह समर्थन केवल वैचारिक सम्मान पर नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी पर भी आधारित था। इस बीच 1975 के बाद सेना के द्वारा सत्ता पर कब्जे और ज़िया-उर-रहमान तथा बाद में हुसैन मोहम्मद इरशाद के शासन के बावजूद भारत के हित बुरी तरह प्रभावित नहीं हुए। भारत ने अवामी लीग को उस समय भी समर्थन दिया जब वह राजनीतिक रूप से कमजोर थी, क्योंकि भारत की नजर में अवामी लीग ही एक स्थिर और भारत-समर्थक राजनीतिक शक्ति थी।

> 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, भारत–बांग्लादेश के बीच 'स्वर्णिम युग' के पतन का प्रतीक बन गया है।

शेख हसीना ने भारत के समर्थन के साथ बांग्लादेशी राजनीति में मजबूती प्राप्त की। अवामी लीग का सत्ता में बने रहना भारत की नीति का मुख्य आधार बन गया। इस कारण बांग्लादेश की राजनीति में अवामी लीग का प्रभुत्व भारत की नीतिगत प्राथमिकता बन गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में जनविरोध की लहर उठी और देखते ही देखते इतनी व्यापक हो गई कि शेख हसीना के इस्तीफे और सत्ता परिवर्तन की मांगें उठने लगीं। पांच अगस्त को शेख हसीना को भारत आना पड़ा। यह घटना केवल राजनीतिक शरण का मामला नहीं रही, बल्कि संकेत बन गई कि बांग्लादेश की राजनीति अब मित्र के पुराने समीकरणों से कहीं अधिक जटिल हो चुकी है।

विपक्षी दलों और उनके समर्थक समूहों का आरोप रहा है कि शेख हसीना भारत के समर्थन से सत्ता में बनी रहीं। जब भारत शरणस्थली बनकर सामने आया, तो भारत–बांग्लादेश मित्रता की पारंपरिक नींवों पर भी सवाल उठे। यह विश्वास कमजोर पड़ा कि भारत बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में निष्पक्ष भूमिका निभा सकता है। ढाका की सड़कों पर उभरती भावनाएं संकेत देती हैं कि बांग्लादेशी समाज अब केवल भारत के साथ करीबी रिश्तों के आधार पर किसी नेतृत्व की वैधता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

इतिहास पर नजर डालें तो अविश्वास के बीज काफी पहले बोए जा चुके थे। संबंध सतही तौर पर भले संघर्षपूर्ण न रहे हों, लेकिन भीतर से तनाव हमेशा मौजूद रहा। भारत की धारणा रही कि बांग्लादेश ने स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वहीं बांग्लादेश में यह भावना रही कि भारत ने केवल अपने सामरिक हितों के लिए हस्तक्षेप किया और उसे बराबरी के साझेदार के रूप में कम ही माना।

सैन्य शासनों के दौर में ढाका द्वारा भारत के पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूहों को परोक्ष सहयोग देने के आरोपों ने संदेह और बढ़ाया। 1980 के दशक में सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की भारतीय नीति ने भी बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को मजबूत किया। सहयोग के स्थान पर कई बार उलझन और कटुता बढ़ती रही। इन ऐतिहासिक कारकों ने आज की जटिल परिस्थिति की नींव तैयार की।

2025 के इस दौर में संबंध केवल राजनीतिक नेतृत्वों के बीच का विषय नहीं रह गए हैं। वे अब सार्वजनिक भावनाओं, सुरक्षा चिंताओं और कूटनीतिक तनावों का समुच्चय बन चुके हैं। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से तनाव लगातार बढ़ा है। वीजा सेवाओं का निलंबन और तीखे आधिकारिक बयान इसके संकेत हैं कि संस्थागत स्तर पर भी दरारें उभर चुकी हैं। यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सत्ता में आती है, तो संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वह अधिक समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित रिश्ते की अपेक्षा कर सकती है। फिर भी दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक हित इस रिश्ते को संभालने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। संवाद, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान ही विश्वास बहाली के उपकरण हैं।

भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों की कूटनीति, अविश्वास, सामरिक हितों और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेपों का परिणाम हैं। जनता की वास्तविक राजनीतिक भावनाओं की समझ, परस्पर सम्मान और विश्वास की बहाली ही इन संबंधों को फिर से स्वर्णिम दौर की ओर ले जा सकती है। यदि दोनों देश नई सोच, धैर्य और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ें, तो यह साझेदारी समय की धारा में खोने के बजाय भविष्य की स्थिरता का आधार बन सकती है।

सोशल फोरम

जालिम वक्त किसी को भी नहीं बख्शता

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शक्स का बेहतरीन ढंग से ख़याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए, कहीं भी और किसी भी वक्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका की जानी-मानी फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एकदिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन।

1981 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे, तो उनकी लोकप्रियता दोगुनी हो चुकी थी।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निजी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याद्दाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी, तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख्स जब यादों से निकल गया। वो, वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी खत्म हो गया था।

ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरूर लगा आना चाहिए। वहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

घर का तापमान और स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

महिलाएं घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी! अपनापन सांस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद— ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

कृति आरके जैन
लेखिका

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है- इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है, जब 'बिगाड़ने' के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है। नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है। उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है- शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है।

यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है। कठिनाई तब उत्पन्न होती है, जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले, जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए, क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियां सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

वर्ड स्मिथ

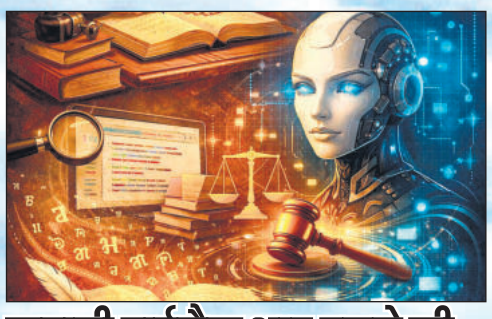

कहानी हाईजैक शब्द बनने की

हाईजैक शब्द की उत्पत्ति काफी दिलचस्प है और इसका रिश्ता सीधे अमेरिकी इतिहास से जुड़ता है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना माना जाता है- 'Hi' और 'Jack'।

1920 के आसपास अमेरिका में प्रोहिबिशन एरा (शराबबंदी का दौर) चल रहा था। उस समय अवैध शराब की तस्करी आम थी। शराब लूटने वाले गिरोह ट्रकों या नावों को रोकते समय ड्राइवर को धमकाते हुए कहते थे- 'Hi, Jack!' यानी, 'रुको जैक!' या 'हाथ ऊपर करो!'

धीरे-धीरे यह बोलचाल का वाक्य एक क्रिया (verb) में बदल गया और इसका मतलब हो गया- जबरदस्ती किसी वाहन या सामान पर कब्जा करना।

अर्थ का विस्तार : शुरुआत में 'हाईजैक' का इस्तेमाल सिर्फ शराब या माल लूटने के लिए होता था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया- ट्रक हाईजैक, गाड़ी हाईजैक, विमान हाईजैक (1950-60 के दशक में यह अर्थ बहुत प्रचलित हुआ) और जहाज हाईजैक।

आज 'हाईजैक' का मतलब - धमकी, बल या डर के जरिए किसी वाहन, वस्तु पर नियंत्रण या कब्जा करना है।

दिलचस्प तथ्य : 'Jack' उस दौर में आम आदमी या ड्राइवर के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम था, जैसे हिंदी में 'बब्लू'।

हाईजैक शब्द अपराध की दुनिया से निकला, लेकिन आज यह वैश्विक भाषा का हिस्सा बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

- संतकबीरनगर जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चकदही में 05 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 :00 बजे से अपराह्न 03 .00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके तहत उप्र परिवहन निगम के बस्ती डिपो के लिए संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले की जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, दो फोटो एवं बायोडाटा के साथ मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एमए और एमएसी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से शुरू हो जाएंगी। इसी के साथ ही बैक व इंप्रूवमेंट परीक्षा कार्यक्रम भी जारी हुआ है। परीक्षाएं 22 जनवरी तक चलेंगी। विद्यार्थी परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जाकर देख सकते हैं।

करियर डिसीजन में क्यों झिझकते हैं स्टूडेंट्स

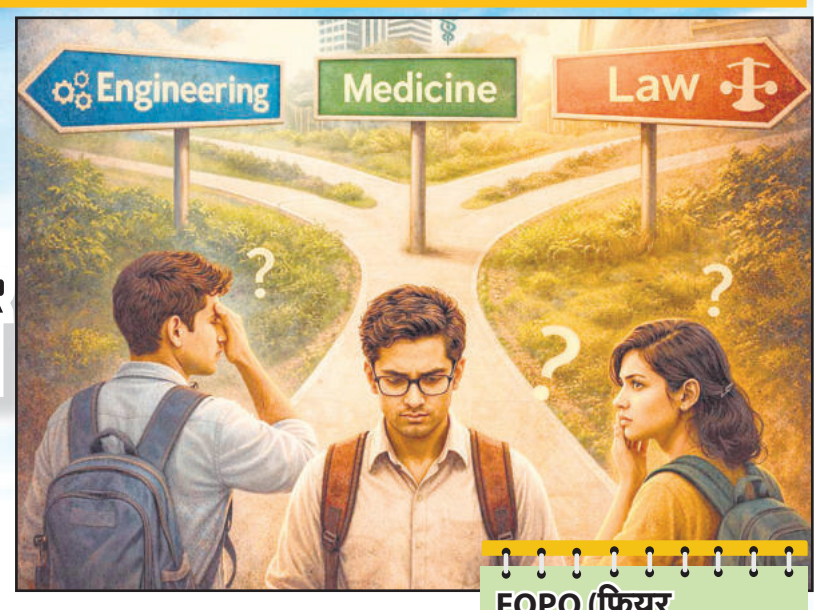

सूचनाओं, अवसरों और विकल्पों की बढ़ोतरी ने बाहरी जीवन को तेज बनाया है, लेकिन निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर। प्रगति की यह निरंतर दौड़ मन को उस मोड़ पर ले आई है, जहां कदम आगे बढ़ते हैं, पर भीतर दिशा स्पष्ट नहीं होती। तकनीक ने दुनिया बदल दी है। आज जानकारी की इतनी अधिकता है कि किसी को कुछ जानने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। फोन उठाइए और दुनिया सामने है, लोग कहां घूम रहे हैं, कौन कितना कमा रहा है, किसकी जिंदगी कितनी शानदार दिख रही है। पर एक विरोधाभास भी जीवन के बीच खड़ा है। जैसे-जैसे दुनिया बाहरी रूप से आसान हुई है, भीतर मन उतना ही जटिल हो गया है। जितनी सुविधा मिली है, उतनी ही बेचैनी बढ़ी है, जितने विकल्प बढ़े हैं, उतनी ही दृढ़ता कम हुई है। कई बार ऐसा लगता है कि हम जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही अनिश्चित भी। इस अनिश्चितता के पीछे पांच ऐसे मनोवैज्ञानिक भाव अथवा रूप हैं, जो आज के समय की नब्ज को समझने की कुंजी हो सकते हैं- FOMO, FOFO, FOBO, FOPO और FOMU। ये नाम भले अंग्रेज़ी में हों, लेकिन इनमें जो भाव छिपे हैं, वे किसी भाषा, क्षेत्र या समाज की सीमा में नहीं रहते। स्टूडेंट्स पर करियर को लेकर इनका असर दिखाई देता है। फर्क बस इतना है कि इनके नाम बहुत कम लोग जानते हैं, पर इनके प्रभाव से लगभग हर कोई गुजर रहा है।

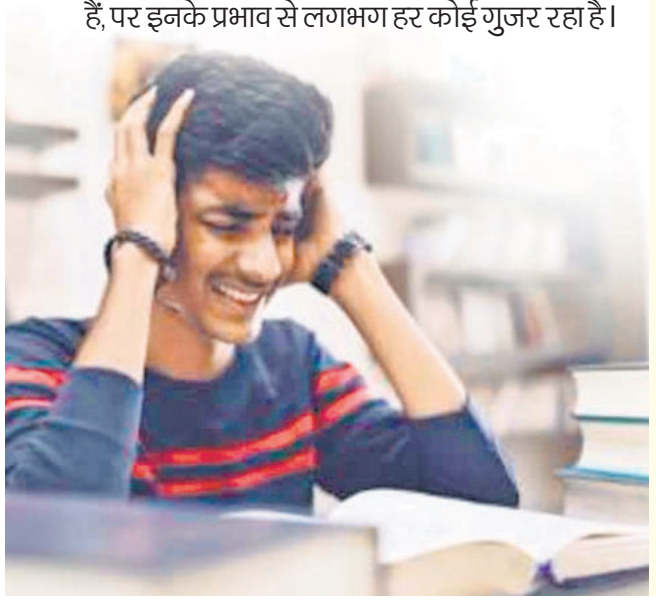

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्या हैं ये फियर

पहले आता है FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) कुछ छूट जाने का डर। सोशल मीडिया के विस्तार के साथ ही लोगों की जिंदगी दूसरों की नजरों के सामने खुलने लगी। हर उपलब्धि, हर अवसर, हर खुशी और हर सफलता अब सार्वजनिक हो गई। तुलना वहीं से शुरू हुई, जो दूसरे कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि हम कुछ कम कर रहे हैं। हर पार्टी, हर यात्रा, हर प्रमोशन, हर समारोह, हर तस्वीर मानो एक संदेश देती है-"देखो, तुम पीछे रह रहे हो।" यही डर व्यक्ति को लगातार दौड़ में धकेलता है। वह उन कामों की तलाश में रहने लगता है, जो उसे "पीछे छूटने" की भावना से बचा लें। किंतु विरोधाभास यह है कि जितना इंसान दौड़ता है, उतना ही उसे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ छूट रहा है। यह डर प्रेरणा से ज्यादा दबाव पैदा करता है, उपलब्धि से ज्यादा अधूरापन बढ़ाता है।

FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट)

यहीं एक और भाव जन्म लेता है- FOFO (फियर ऑफ फाइन्डिंग आउट), यानी सच जानने का डर। जब स्टूडेंट्स दौड़ में लगा रहता है और फिर भी खुद को पीछे महसूस करता है, तो सच्चाई डरावनी लगने लगती है। कोई रिपोर्ट हो, नतीजा हो, फीडबैक हो, मेडिकल जांच हो, करियर या रिश्तों पर बातचीत हो या आर्थिक स्थिति की हकीकत बहुत से लोग इन्हें केवल इसलिए टालना चाहते हैं या टालते हैं कि सच सामने आ गया, तो मन को स्वीकार करना पड़ेगा कि सब उतना सुंदर नहीं जितना मान रखा है या दिखता है। ऐसे में मन यह मानने लगता है कि "न जानना" अस्थायी राहत देता है। अनिश्चितता सुरक्षित लगती है, लेकिन यही बचाव आगे और कठिनाइयां पैदा करता है, क्योंकि सच्चाई जितनी देर बाद सामने आती है, उतनी भारी हो जाती है।

FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन)

इसी तरह आगे बढ़कर मन FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन) में प्रवेश करता है यानी बेहतर विकल्प छूट जाने का डर। आधुनिक जीवन में चुनाव आसान नहीं रहे। नौकरी हो या शहर, शादी हो या करियर, व्यवसाय हो या मकान हर जगह इतने विकल्प हैं कि किसी एक विकल्प को अपनाने का मतलब है बाकी सब छोड़ देना। तब मन बार-बार पूछता है- "जो चुना, इससे बेहतर भी कुछ हुआ तो?" और इस सवाल के चलते फैसला लेना मुश्किल होता जाता है। बहुत से लोग सपनों के रास्ते पर इसलिए नहीं निकल पाते, क्योंकि वे गलत राह चुनने से अधिक डरते हैं। वे दिशा तय करने में इतना समय लगा देते हैं कि सफर शुरू ही देर से होता है। यही वजह है कि फैसलों की संख्या से ज्यादा दुविधाओं की मात्रा बढ़ती है।

FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन)

जब फैसले देर से होने लगते हैं और आत्मविश्वास हिलने लगता है, तो अगला भाव FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन) जन्म लेता है- लोगों की राय का डर। अपनी पसंद पर भरोसा कम होने के बाद व्यक्ति दूसरों की प्रतिक्रिया को मार्गदर्शक बना लेता है। फिर चुनाव अंदर की जरूरतों से नहीं, बाहर की नजरों से होते हैं। कौन-सी जीवनशैली "स्वीकार्य" होगी, कौन-सी नौकरी "सम्मानजनक दिखेगी" इस तरह के तमाम सवाल अंदर की आवाज को दबाते जाते हैं। जीवन धीरे-धीरे निजी नहीं, भीड़ के मानदंडों से संचालित होने लगता है। व्यक्ति वही बनने की कोशिश करता है, जो दूसरों को पसंद आए, भले वह स्वयं उस भूमिका में सहज न हो। वह "दिखने वाले" सम्मान के बदले "महसूस होने वाली" शांति खोने लगता है और अंत में इस पूरी यात्रा की परिणति होती है।

FOMU (फियर ऑफ मेसिंग अप)

- फियर ऑफ मेसिंग अप अर्थात गलती कर देने का डर। यह शब्द भले ही बहु-प्रचलित न हो, लेकिन इसका अनुभव लगभग हर पीढ़ी महसूस कर रही है। ऐसे में कई बार व्यक्ति पहला कदम इसलिए नहीं उठाता, क्योंकि उसे लगता है, अगर गलती हो गई, तो दुनिया देख लेगी। असफलता की चिंता से ज्यादा अपमान की कल्पना भयावह हो जाती है। सपने और योजनाएं आदर्श रूप में तो टिकी रहती हैं, पर वास्तविक शुरुआत रुक जाती है। यही वह दुखद क्षण है, जहां जिंदगी निर्णय से नहीं, डर से चलने लगती है। यह डर अक्सर बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर से पैदा होता है।
- इन पांचों भावों को अलग-अलग नाम देना आसान है, पर इन्हें अलग-अलग होकर समझना गलत है। ये एक-दूसरे से पैदा होते हैं, एक-दूसरे को बढ़ाते हैं और एक-दूसरे के बिना पूरी तरह समझ नहीं आते। कुछ छूट जाने का डर स्टूडेंट्स को दौड़ में धकेलता है, दौड़ की थकान उसे सच से बचने पर मजबूर करती है, सच से बचाव निर्णय को टाल देता है, निर्णय में देरी दूसरों की राय पर निर्भरता पैदा करती है और यही निर्भरता गलती को असहनीय बना देती है। यह कोई वैज्ञानिक रूप से तय "अनिवार्य क्रम" नहीं, लेकिन आधुनिक मन की चालकों समझने का एक बेहद उपयोगी मनोवैज्ञानिक चक्र जरूर है- एक ऐसा पैटर्न, जिसमें जीवन ऊपर से सक्रिय दिखता है, पर भीतर से स्थिर बना रहता है। लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, पर महसूस होता है कि कुछ भी पूरा नहीं हो पा रहा।
- इन मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोष देना नहीं है और न ही यह मान लेना कि इंसान कमजोर हो गया है। यह समय ही ऐसा है, जिसमें मन पर दबाव पहले से कहीं अधिक है। जितना समाज सार्वजनिक हुआ है, उतनी ही निजी दुनिया उलझी है। उपलब्धियों की प्रतिस्पर्धा में भावनाएं पीछे छूट गई हैं। हम सब किसी-न-किसी रूप में इस संघर्ष में हैं कुछ खुलकर, कुछ चुप रहकर, कुछ जानकर और कुछ जाने बिना।
- हो सकता है आगे भी जीवन जटिल बना रहे, अवसर बढ़ते रहें, विकल्प उलझाते रहें, लेकिन इतना समझ होगा कि डर होना कमजोरी नहीं, संवेदनशीलता है। संघर्ष होना असामान्य नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन का हिस्सा है। हम सब अपनी-अपनी जगह पर कोशिश कर रहे हैं- कभी तेज, कभी धीमे या कभी डरे हुए।
- जीवन में ज्यादातर बदलाव किसी "बड़े कदम" से नहीं आते। कई बार बदलाव तब शुरू होता है, जब हम बस इतना स्वीकार कर लेते हैं कि हां, हम डरे हुए हैं, पर कोशिश छोड़ने वाले नहीं हैं। हो सकता है आगे भी निर्णय आसान न हों, संतुलन, स्पष्टता और आत्मविश्वास एक दिन में न आएं, लेकिन इतना तो तय है कि जिंदगी अक्सर वहीं खुलती है, जहां मन सबसे ज्यादा अटका होता है।
- डर पूरी तरह चला जाए, तब चलना शुरू हो, यह जिंदगी का नियम नहीं है। असली बात यह है कि डर रहते हुए भी चलना शुरू हो, क्योंकि साहस का अर्थ डर के अभाव में बहादुरी दिखाना नहीं, बल्कि डर के साथ कदम बढ़ाना है। वही पहला कदम, चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, आगे की असली दिशा बनाता है।

कैंपस में पहला दिन

प्रथम श्रेणी प्राप्त करने का रहा दबाव

डॉ. नवीन चंद्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

मेरे लिए कॉलेज का पहला दिन उम्मीदों से भरा रहा। मेरी स्नातक (बी.ए.) की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर से हुई। यह सरयू नदी के किनारे तीन भवनों के रूप में था, जिनमें से एक भवन टिन शेड के रूप में था और एक मुख्य भवन, जिसमें एक हॉल और प्राचार्य कक्ष और दूसरे भवन में एक लाइब्रेरी और कुछ कक्षाएं होती थीं।

पहले दिन जब मैं महाविद्यालय पहुंचा तो मेरी मुलाकात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार से हुई। मैंने उनसे प्रवेश के साथ-साथ अपने परीक्षा परिणाम के बारे में भी बताया तो उन्होंने बड़े खुश होकर मुझे प्रवेश के बारे में जानकारी दी। मैं अपने सत्र में राजकीय इंटर कॉलेज बागेश्वर का कला विषयों से अकेला प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी था, इसलिए उन्होंने प्रवेश प्रभारी से कहा कि देखो, महाविद्यालय में एक प्रथम विद्यार्थी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने मुझे स्कॉलरशिप तथा अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय के पहले दिन ही एक सुसज्जित पुस्तकालय देखा, जिसमें हमारे विषय की पुस्तक कम थी, लेकिन

पुस्तकों के प्रति मेरे प्रेम के कारण मुझे अनेक पुस्तकों से जुड़ने का अवसर मिला। हिंदी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी की कक्षाओं में मुझे उपस्थित रहकर बहुत आनंद आया। महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के बाद अपने पुराने इंटरमीडिएट के समय के अनेक साथी कक्षा में दिखाई दिए, उनमें एक स्पर्धा भाव भी देखा, स्नातक कक्षा के दौरान निरंतर यह दबाव भी बना रहा कि महाविद्यालय में भी प्रथम श्रेणी प्राप्त करनी है। बाद में अपने शैक्षिक जीवन में आने के बाद पता चला कि विश्वविद्यालय शिक्षा में किस प्रकार चैलेंज आते हैं।

करेंट अफेयर्स

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गई हैं, वह मिताली राज के बाद 10,000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला और सबसे तेज खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में यह उपलब्धि हासिल की।
- पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज- II पनबिजली परियोजना (Dulhasti Stage-II hydropower project) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिससे 3,200 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत वाली इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने आज बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) हेलीकॉप्टर डिवीजन में ध्रुव एनजी सिविल वेरिएंट (Dhruv NG civil variant) हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस हेलीकॉप्टर को इसके स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नागरिक प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। रॉकेट का परीक्षण उसकी अधिकतम 120 किमी की सीमा के लिए किया गया। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट द्वारा हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग से, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के समर्थन से डिजाइन किया गया है।

जॉब अलर्ट

LDCC बैंक

- पद का नाम -क्लर्क, सबग्रेड (मल्टीपर्पस सपोर्ट स्टाफ), ड्राइवर
- पदों की संख्या- 375
- योग्यता-10 वीं पास से ग्रेजुएट (पदानुसार)
- आयु सीमा-19 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 21 जनवरी 2026
- वेबसाइट-https://laturdccb.com

नाबार्ड यंग प्रोफेशनल भर्ती

- कंपनी का नाम- नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड)
- पद का नाम- यंग प्रोफेशनल (14 विषय)
- पदों की संख्या-44
- वेतन-70,000/- प्रति माह (सभी भत्ते सहित)
- योग्यता- विषय की आवश्यकता के अनुसार बैचलर/मास्टर डिग्री
- आयु सीमा-21 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 12 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, रेल मंत्रालय

- पद का नाम- चीफ लॉ असिस्टेंट, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जूनियर ट्रांसलेटर (हिंदी), सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, साइंटिफिक असिस्टेंट (ट्रेनिंग), लैब असिस्टेंट ग्रेड III, साइंटिफिक सुपरवाइजर
- पदों की संख्या-312
- सैलरी-19,900 से 44,900 प्रति माह
- योग्यता-12 वीं से मास्टर डिग्री (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आयु सीमा- 18 से 30-40 वर्ष (पदानुसार)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 29 जनवरी 2026

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि.

- पद का नाम- ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET)
- पदों की संख्या-110
- वेतन-40,000 - 1,40,000 प्रति माह
- योग्यता-इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री
- आयु सीमा-अधिकतम 30 वर्ष, 22 जनवरी 2026 तक
- आवेदन की अंतिम तिथि-22 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.nalcoindia.com

बदलती इकोनॉमी में कॉमर्स स्ट्रीम के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में कॉमर्स स्ट्रीम करियर की दृष्टि से एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है। अकाउंटिंग, फाइनेंस, बैंकिंग और बिजनेस से जुड़े अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां न सिर्फ अच्छी सैलरी, बल्कि स्थायी करियर की संभावनाएं भी मौजूद हैं। सही कोर्स, उपयुक्त स्किल्स और व्यावहारिक अनुभव के साथ कॉमर्स स्टूडेंट्स आकर्षक पैकेज हासिल कर सकते हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियां और कॉर्पोरेट सेक्टर की बढ़ती जरूरतें कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए नए अवसर खोल रही हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए कौन-कौन से हाई-पेड करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। - *फीचर डेस्क*

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और हाई-पेड प्रोफेशन माने जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) आज भी करियर की पहली पसंद बना हुआ है। एक सीए कंपनी के ऑडिटिंग, टैक्सेशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे अहम कामों की जिम्मेदारी संभालता है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा संचालित किया जाता है। करियर की शुरुआत में एक फ्रेशर सीए की सालाना सैलरी करीब 6 से 10 लाख रुपये होती है, जो अनुभव के साथ 15 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। सीए करके प्रोफेशनल्स कॉर्पोरेट कंपनियों, मल्टीनेशनल फर्म्स और सरकारी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य करने के मौके मिलते हैं।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंपनी लॉ में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए कंपनी सेक्रेटरी एक बेहतरीन और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। बदलते कॉर्पोरेट नियमों और कानूनी ढांचे के चलते सीएस प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) द्वारा संचालित किया जाता है। सीएस प्रोफेशनल्स बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट हाउस और लीगल फर्म्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी लगभग 5 से 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष होती है।

इंवेस्टमेंट बैंकर

इंवेस्टमेंट बैंकिंग को फाइनेंस की दुनिया का सबसे ग्लैमरस और हाई-रिस्क व हाई-रिवॉर्ड करियर माना जाता है। इंवेस्टमेंट बैंकर कंपनियों को पूंजी जुटाने (Capital Raising), मर्जर-एक्विजिशन और फाइनेंशियल स्ट्रैटजी से जुड़ी सलाह देते हैं। यह प्रोफेशन चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कमाई के लिहाज से बेहद आकर्षक है। अनुभव, कंपनी, लोकेशन और पद (एनालिस्ट, एसोसिएट, VP, MD) के अनुसार सैलरी में बड़ा अंतर होता है। एक एनालिस्ट की शुरुआती सैलरी करीब 6 से 15 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो सकती है।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए)

अगर इंटरनेशनल लेवल पर करियर बनाने की बात हो, तो सीएफए कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए टॉप करियर ऑप्शंस में शामिल है। यह एक ग्लोबली रिकग्नाइज्ड प्रोफेशनल कोर्स है, जो इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट पर फोकस करता है। सीएफए होल्डर्स पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुभव और प्रोफाइल के आधार पर सीएफए प्रोफेशनल्स की सैलरी लगभग 10 से 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है।

MBA (फाइनेंस, मार्केटिंग, HR)

MBA आज भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पॉपुलर और वर्सेटाइल करियर ऑप्शन बना हुआ है। फाइनेंस, मार्केटिंग और HR जैसे स्पेशलाइजेशन सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इस कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स में मैनेजमेंट, लीडरशिप और स्ट्रैटजिक थिंकिंग स्किल्स विकसित होती हैं। MBA के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं। कॉलेज और स्पेशलाइजेशन के अनुसार सैलरी पैकेज 6 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकता है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा, लखीमपुर-खीरी

पत्रांकः 1040/न.पं.धौरहरा/एफएसएसएम/2025-26 दिनांकः 31 दिसम्बर, 2025

नगर पंचायत धौरहरा, जनपद-खीरी द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 एवं उसमें दी गयी उपधाराओं तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों एवं निकाय की बोर्ड बैठक दिनांक 14.08.2025 के प्रस्ताव संख्या-02 द्वारा उपविधि बनाने हेतु अनुमोदनोपरान्त आनसाइट स्वच्छता व्यवस्था अपशिष्ट (फीकल स्लज सेप्टेज और अपशिष्ट जल) के डीस्लजिंग परिवहन एवं ट्रीटमेन्ट संबंधी और प्रासांगिक अथवा अनुसांगिक मामलों के लिये उपविधि तैयार की गयी है। उपविधि का प्रारूप उक्त ऐक्ट की धारा (1) के अधीन समस्त नगरवासियों को आपत्तियों एवं सुझाव प्राप्त कराये जाने के उद्देश्य से उपविधि की पाण्डुलेख को प्रकाशित किया जाता है जिन पर उसका प्रभाव पडने की सम्भावना है।

अतः जिस किसी को इस सम्बंध में कोई आपत्ति/सुझाव देना हो वह अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा में इस सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है, केवल उन्ही आपत्तियों तथा सुझावों पर विचार किया जायेगा जो इस सूचना के दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिनों के अन्दर प्राप्त होगी।

फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए उपविधि-2025

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पंचायत धौरहरा द्वारा घर/भवन/प्रतिष्ठान में ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (सेप्टिक टैंक/पिट/सोख्ता) के संग्रहण, ढुलाई और उससे जुड़े मामलों के लिए निम्न लिखित उपविधियां बनाई गयी हैं।

प्राधिकारः ये उपविधि निम्नलिखित प्रावधानों को लागू करने वाला सक्षम ढांचा है:

(क) उत्तर प्रदेश राज्य सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019

(ख) फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन की राष्ट्रीय नीति, 2017

(ग) सीपीएचईईओ मैनुअल ऑन सीवरेज और फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन 2013

(घ) मॉडल निर्माण उपविधि, 2016 तथा अन्य लागू भवन उपविधि

(ङ) प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज़ मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन ऐक्ट - 2013

(च) आईएस कोड 2470 भाग I और II, 1985 (1996 रीअफर्म्ड) - सेप्टिक टैंक संस्थापित करने के लिए कार्य व्यवहार संहिता

(छ) केंद्रीय कानून, नियम और विनियमन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

(ज) जल (प्रदूषण पर रोक और नियंत्रण) अधिनियम, 1974

(झ) उत्तर प्रदेश के राजकीय कानून जैसे जल और स्वच्छता संबंधी, जैसे कि यू.पी. जल आपूर्ति एव सीवरेज अधिनियम, 1975, उत्तर प्रदेश जल संस्थान जलापूर्ति एवं सीवरेज उपविधि, 2008; तथा अन्य कोई प्रासंगिक राजकीय कानून।

क्षेत्र (स्कोप)

ये उपविधि **नगर पंचायत धौरहरा** की प्रशासनिक सीमा के भीतर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन में संलग्न सभी हितधारकों पर लागू होते हैं, जिसमे सेप्टिक टैंक वाले घरों के मालिक एवं उपयोगकर्ता, सेप्टिक टैंक सफाई ऑपरेटर तथा निकाय के उपचार और निस्तारण में संलग्न जवाब देह एजेंसियां शामिल हैं। यह उपविधि सभी सार्वजनिक, निजी, आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत, प्रस्तावित, नियोजित या निकाय **नगर पंचायत धौरहरा** भवनों पर लागू होगा।

अध्याय - I

प्रारंभिक

1. संक्षेप - शीर्षक, विस्तार और आरंभ

(i). इन उपविधियों को '**नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) उपविधि, 2025 कहा जा सकता है।**

(ii). ये उपविधि उत्तर प्रदेश राज-पत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से क्रियान्वित होंगे और निकाय की प्रशासकीय परीसीमा के अंदर लागू होंगी।

2. परिभाषा

I. **"एक्सेस कवर"** का अर्थ है निरीक्षण, सफाई तथा अन्य रखरखाव कार्य हेतु सेप्टिक टैंक/ पिट में अंदर जाने के लिए छेद या रास्ता जिसको ढक्कन या आवरण से बंद किया हो;

II. **"अपेलेट बॉडी"** निकाय, शहरी स्वच्छता समिति, और/या, कोई अन्य संबंधित प्रासंगिक अधिकृत समिति के सदस्यों से मिल कर बना एक समूह है जिसका उद्देश्य उपविधियों से संबंधित किसी भी विवाद, अपील या मुद्दे का संबोधन करना है;

III. **फीकल स्लज या सेप्टेज का को-ट्रीटमेंट"** उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें सीवेज उपचार सुविधा (एसटीपी) में, शहरों के सीवर के जरिए से ले जाने वाले घरेलू सीवेज के उपचार के अलावा, विभिन्न ऑन-साइट स्वच्छता प्रणालियों के फीकल स्लज और सेप्टेज (एफएसएस) का भी उपचार किया जाता है;

IV. **"को-ट्रीटमेंट फैसिलिटी"** का तात्पर्य है ऐसा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जिसमें फिकल स्लज के उपचार के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध हो;

V. **"विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार (DWWT) प्रणाली"** का तात्पर्य है ऐसी पद्धति से है जिसमें निजी आवासों, आवासीय संकुलों, एकल समुदायों, उद्योगों, संस्थानों या उत्पादन स्थल के निकट अपशिष्ट जल का संग्रहण, उपचार किया जाता है और निस्तारण/दुबारा इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। ये प्रणाली अपशिष्ट जल के तरल और ठोस दोनों घटकों के लिए प्रयुक्त होते हैं;

VI. **"नियुक्त अधिकारी"** निकाय का ऐसा अधिकारी जिसे (नगर आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी) द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिए अथवा उसे सौंपे गए किसी अन्य कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया हो;

VII. **"डिस्लजिंग"** का तात्पर्य है लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मचारियों द्वारा सेप्टिक टैंक/पिट से फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की प्रक्रिया;

VIII. **"निस्तारण"** का तात्पर्य है फीकल स्लज एवं सेप्टेज का अधिसूचित स्थान तक परिवहन एवं निर्वहन;

IX. **"एफ़्लूयंट"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक से निकलने वाला अधिप्लावी (द्रव);

X. **"फीकल स्लज एवं सेप्टेज"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक अथवा ऑनसाइट सेनिटेशन प्रणालियों में जमी हुई या नीचे बैठी हुई सामग्री;

XI. **"फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP)"** का तात्पर्य है सुरक्षित निस्तारण और दुबारा इस्तेमाल के निर्धारित मानदंड के अनुदार ठोस और तरल घटकों को हटाने वाला स्वतंत्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार संयंत्र;

XII. **"ग्रे वाटर"** का तात्पर्य है घरेलू अपशिष्ट जल से है जिसमें मानव मल नहीं होता। यह घर की सफाई से निकला पानी, रसोई और स्नानघर का पानी हो सकता है;

XIII. **"होस्ट यूएलबी"** का तात्पर्य है वह निकाय जो उपचार संयंत्र के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होता है और जो संयंत्र में निकटवर्ती निकाय के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को उपचार की अनुमति देता है। अपनी अधिकतम क्षमता को हासिल करने तक होस्ट निकाय'होस्ट' बना रहेगा;

XIV. **"ईनसैनिटरी लेट्रिन्स"** का तात्पर्य उन शौचालयों से है जहां रात की मिट्टी (मल-कीचड़) को किसी मानव या जानवरों द्वारा ढोया या हटाया जाता है, तथा मल कीचड़ को खुली नालियों या गड्ढों में डाल दिया जाता है;

XV. **"लाइसेंस"** का अर्थ है किसी व्यक्ति को दी गई लिखित अनुमति, जिसकी मंशा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाओं को पूरा करना होती है, जिसमें उद्देश्य, समय अवधि, नाम, पता और मार्ग आदि का उल्लेख निकाय के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर के अंतर्गत किया जाता है;

XVI. **"लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर"** (लाइसेंसधारी) का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसे फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो;

XVII. **"अधिसूचित स्थान"** का अर्थ होता है निकाय द्वारा परिभाषित और निर्धारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज की आपूर्ति और निस्तारण का स्थान;

XVIII. **"ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (ओएसएस)"** ऐसी स्वच्छता प्रणाली है जो पूरी तरह से निजी/ व्यावसायिक/सरकारी आवास और उसके आस-पास के भूखंड पर स्थित होता है। आमतौर पर, भूखंड पर स्वच्छता 'घरेलू शौचालय' के समान है, लेकिन इसमें एक ही भूखंड पर एक साथ रहने वाले कई परिवारों द्वारा साझा की जाने वाली सुविधाएं हो सकती हैं;

XIX. **"ऑपरेटर"** का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने और उसके परिवहन के व्यवसाय में संलग्न है;

XX. **"मालिक"** का अर्थ है वह व्यक्ति जो निकाय की सीमा के भीतर स्थित किसी भवन या उसके किसी हिस्से का मालिक हो;

XXI. **"व्यक्ति"** का तात्पर्य एक ऐसे व्यक्ति से है एक एजेंसी, एक ट्रस्ट, एक समाज, एक फर्म या एक कंपनी को संदर्भित करता है प्रासंगिक कानूनों के तहत निगमित कंपनी, व्यक्तियों का एक संघ या व्यक्ति का एक निकाय चाहे निगमित हो या नहीं;

XXII. **"सैनिटरी लेट्रिन्स"** का अर्थ होगा सेप्टिक टैंक अथवा कोई ओएसएस अथवा भूमिगत सीवरेज प्रणाली से जुड़े शौचालय और मूत्रालय के प्रकार और बनावट जो मल (अपचित मलमूत्र) के सुरक्षित परिरोधन और निस्तारण को सुनिश्चित करता हो, जिनमें से प्रत्येक का निर्माण निकाय द्वारा जारी किए गए डिजाइन विनिर्देश और दिशानिर्देश के अनुरूप नियमानुसार किया गया हो;

XXIII. **"सेप्टिक टैंक"** भूमिगत निर्मित टैंक है जो आंशिक रूप से ठोस जमाव और अवायवीय पाचन के संयोजन द्वारा आंशिक रूप से फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार करता है, जिसका निर्माण आईएस कोड 2470 के डिजाइन विनिर्देश या निकाय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है।

XXIV. **"शेड्यूल्ड डीस्लजिंग"** का अर्थ है केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईईओ) की अनुशंसाओं के आधार पर 2 - 3 वर्षों के अंतराल पर ओएसएस को नियमित रूप से खाली कराने की प्रक्रिया।

XXV. **"सेप्टेज"** का अर्थ है अच्छी तरह डिजायन किए हुए सेप्टिक टैंक से निकलने वाला फीकल स्लज।

XXVI. **"सीवेज"** का अर्थ है ब्लैक और ग्रे पानी का मिश्रण है जिसे सीवरों के माध्यम से प्रवाहित किया जाता है। इसे वेस्ट वॉटर/ यूज्ड वॉटर भी कहा जाता है।

XXVII. **"सीवर"** वो प्रणाली (सीवर लाइन / पाइप लाइन) जिसके माध्यम से समुदाय के अपशिष्ट जल को बहाया जाता है।

XXVIII. **"सीवेज पम्पिंग स्टेशन"** का अर्थ होता है शहर में सीवर नेटवर्क के पंप-हाउस का भंडारण और संग्रह कक्ष, जहाँ से सीवेज यानी मल जल या अपवाह को निर्दिष्ट स्थान पर पंप करके भेजा जाता है।

XXIX. **"सीवेज उपचार संयंत्र"** का अर्थ उस स्थान से है जहां सुरक्षित निस्तारण और दुबारा उपयोग के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार मल जल का उपचार किया जाता है।

XXX. **"निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मी"** का अर्थ है निकाय के कर्मचारी या निकाय लाइसेंसी वैक्यूम टैंकर का इस्तेमाल कर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई करने या उसे खाली करने और ढुलाई के उद्देश्य के लिए निकाय द्वारा नियुक्त और प्रशिक्षित अनुबंधित अथवा काम पर लिए गए कर्मचारी।

XXXI. **"परिवहन या ढुलाई"** का अर्थ है लाइसेंस धारी वाहन के माध्यम से (एफएसएस) निकालने के स्थान से निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित ढुलाई।

XXXII. **"उपचार"** का अर्थ है प्रदूषण को कम करने या रोकने के लिए एफएसएस/मल जल/अपशिष्ट जल के भौतिक, रासायनिक या जैविक और रेडियोलॉजिकल विशेषता या संरचना को बदलने के लिए तैयार की गई कोई वैज्ञानिक पद्धति या प्रक्रिया।

XXXIII. **"उपचार सुविधा"** का अर्थ होगा निकाय में विनिर्देशों और दिशानिर्देशों के आधार पर बने अधिसूचित फीकल स्लज उपचार और निस्तारण हेतु निर्मित स्थल

XXXIV. **"यूएलबी क्लस्टर"** का अर्थ होगा होस्ट निकाय और इसके निकटस्थ यूएलबी/ग्राम पंचायत, जिन्हें शहर में स्थित उपचार संयंत्र में एफएस के सुरक्षित निस्तारण के लिए होस्ट निकाय जिसके साथ एमओयू की आवश्यकता होगी।

XXXV. **"निकाय पंजीकृत (वैक्युम) टैंक"** का अर्थ ऐसे वैक्यूम टैंकर से है, जिसे निर्दिष्ट उद्देश्य पूरा करने हेतु निकाय द्वारा विधिवत पंजीकृत कराया गया हो, जिसे निकाय द्वारा निकाय क्षेत्र में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो।

XXXVI. **"निर्वात टैंकर (वैक्यूम टैंकर)"** ऐसा वाहन होता है जिसमें एक पंप और टंकी होती है, जिसे साइट पर स्वच्छता प्रणालियों से फीकल स्लज एवं सेप्टेज को वैक्यूम की मदद से खींचने के लिए बनाया गया है। इन वाहनों का उपयोग सेप्टिक टैंक से निकाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए भी किया जाता है।

XXXVII. **"अपशिष्ट जल (वेस्ट वॉटर)/यूज्ड वॉटर"** का अर्थ घरेलू/व्यावसायिक अथवा अन्य मानवीय गतिविधियों से निकले तरल प्रवाह से है, जिसमें शौचालय, रसोई और सफाई कार्य से निकला पानी, लेकिन इसमें विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाला पानी शामिल नहीं है। आमतौर पर इस तरह के प्रवाह को वर्षा-जल नालियों के माध्यम से बहाया है, इस प्रकार इसमें तूफानी जल भी शामिल होता है।

XXXVIII. **"कर्मी"** का अर्थ है लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण के लिए नियुक्त व्यक्ति।

सभी अन्य शब्द और अभिव्यक्ति जो इन उपविधियों में प्रयुक्त हुए हैं और जो इन उपविधियों में परिभाषित नहीं किए गए हैं और जो यहां ऊपर भी परिभाषित नहीं हैं लेकिन जिन्हें अधिनियम में अथवा वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून में परिभाषित किया गया है उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम या कानून के तहत क्रमशः उन्हें प्रदान किया गया है और उसके अभाव में उनका अर्थ वही होगा जो जलापूर्ति और मल जल उपचार/निस्तारन उद्योग में आमतौर पर समझा जाता है।

अध्याय - II

अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

3. परिसर में अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

निकाय में प्रत्येक संपत्ति के मालिक/अधिग्राही (जिसमें मौजूदा या प्रस्तावित, आवासीय और व्यावसायिक और अन्य शामिल हैं तथा इसी तक सीमित नहीं हैं) यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे कि उनके परिसर से अपशिष्ट जल को निम्नलिखित तरीके से किसी भी या किसी के संयोजन के माध्यम से उपचार या निस्तारण किया जाता है, अर्थात्:

i. यदि घर की सीमा से 30 मीटर की दूरी या उतनी दूरी जितनी दूर से सीवर कनेक्शन घर तक आ सकता हो, या घर का मालिक कनेक्शन लेने के लिए कोई शुल्क अथवा कोई और जरूरत के अनुसार प्रक्रिया पूर्ण करा कर करे।

ii. अपशिष्ट जल को एक निकाय अनुमोदित समुदाय या स्थानीय क्षेत्र उपचार सुविधा तक पहुंचाया जाता है।

iii. यदि संपत्ति के 30 मीटर में कोई सीवर नहीं है, तो मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपशिष्ट जल को साइट की उपचार प्रणाली में ले जाया जाए, जिसमें सेप्टिक टैंक या ट्विन-पिट या सोक-पिट या साइट पर स्थित आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2 के अनुसार निर्मित अन्य प्रणाली शामिल हो सकती हैं। (देखें परिशिष्ट-1)।

iv. वे परिपत्तियाँ जो प्रतिदिन 05 किलो लीटर से अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न करती हैं और उनके परिसर के भीतर 230 वर्ग मीटर से अधिक खुला क्षेत्र है, तो उसमें एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली स्थापित की जाए ताकि संपत्ति में एकत्र अपशिष्ट जल का उपचार किया जा सके। संपत्ति के मालिक द्वारा बागवानी / फ्लशिंग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग किया जाए ताकि ताजे पानी पर निर्भरता कम हो।

अध्याय - III

ऑनसाइट स्वच्छता प्रणालियाँ

4. मालिक या अभिग्राही के कर्त्तव्य और अनुपालन

निकाय के दायरे में स्थित किसी भवन या उसके हिस्से का मालिक या अभिग्राही, जैसा भी मामला हो, इन उपविधियों के लागू होने की तारीख से निम्नलिखित दायित्वों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार होंगे:

उपविधियों के अनुसार प्राधिकार द्वारा जारी सूचना में निर्दिष्ट समय के भीतर वह ऐसे भवन में इंसेनिटरी लेट्रिन्स उपयोग को बंद कर देंगे और निकटवर्ती सामान्य नालियों या खुले भूखंड या जल निकायों के सभी निर्गम को भी बंद कर देंगे तथा अपने स्वामित्व वाले या अपने उपयोग किए जाने वाले भवनों में केवल सेनिटरी लेट्रिन्स का निर्माण, संचालन और उनका रखरखाव करेंगे।

5. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव

i. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और उनकी स्थापना 'आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2' के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा, या इसके समय समय पर किए गए संशोधित प्रावधान अथवा नगर पंचायत धौरहरा या राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा जारी किसी अन्य स्वीकृत उपयुक्त अभियांत्रिकी कार्य संहिता द्वारा संशोधित किया गया हो।

ii. ओएसएस से जुड़ी संपत्ति के मालिक/निवासी ऐसे ओएसएस से निकलने वाले फीकल स्लज के अनुरक्षण, रख-रखाव और सुरक्षित निस्तारण के लिए जिम्मेदार होंगे।

iii. परिसर का मालिक नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित लागत के भुगतान पर नियमित आधार पर (प्रत्येक 2-3 वर्ष में) फीकल स्लज साफ करने का काम करेगा। (अथवा जैसा कि परिशिष्ट 2 में सुझाया गया है)।

iv. परिसर का मालिक सुनिश्चित करेगा कि कंटेनमेंट संयंत्र के खराब या दोषपूर्ण निर्माण के कारण फीकल स्लज के खुली जगहों में या नाली में गिरने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं हो।

v. परिसर के मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेप्टिक टैंक को लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित स्वच्छता कर्मियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ यांत्रिक रूप से साफ किया जाता है और हाथ से सफाई ना हो।

vi. नियमों के पालन के लिए नगर पंचायत धौरहरा या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार है। नगर पंचायत धौरहरा समय-सीमा के भीतर अपने खर्चे पर अपशिष्ट जल प्रबंधन और निस्तारण से संबंधित नियम उल्लंघन की स्थिति में सुधार / संशोधन के लिए परिसर के मालिक के लिए चेतावनी जारी कर सकता है।

vii. नगर पंचायत धौरहरा अपने विवेक पर, गैर-अनुपालन प्रणालियों के रेट्रोफिटिंग / सुधार के लिए संपत्ति मालिकों को प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है और वैकल्पिक प्रणालियों का सुझाव देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल कर सकता है।

अध्याय IV

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण और ढुलाई के लिए लाइसेंस और पंजीकरण

6. निकाय द्वारा जारी किया जाने वाला लाइसेंस

i. नगर पंचायत धौरहरा वर्तमान में अपनी प्रशासनिक सीमाओं में फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की सेवाएँ प्रदान करने वाले निजी ऑपरेटरों के स्वामित्व वाले या किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकरों को पंजीकृत करेगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा अपने कर्मियों सहित ओपेरटरों के लिए आईईसी और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ करेगा, जहां उन्हें फीकल स्लज एवं सेप्टेज को सुरक्षित तरीके से खाली करने और ढुलाई के लिए उपयुक्त तरीके से इस्तेमाल करने के लिए जागरुक और प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पंजीकरण की तिथि के 1 महीने के भीतर किया जाएगा।

iii. जब ऑपरेटर को लगे कि वह लाइसेंसिंग के मानदंडों के अनुपालन में सफल है, तो वह इन उपविधियों के फॉर्म 1 (परिशिष्ट-4) की मदद से इसके लिए आवेदन कर सकता है। इसे प्रशिक्षण के पूरा होने के 2 महीने से अधिक नहीं बढ़ाया जाएगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा ऑपरेटर द्वारा अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज निकालने और फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के लिए लाइसेंस जारी करेगा।

v. इन विनियमों के फॉर्म 2 (परिशिष्ट-5) में निर्धारित प्रारूप के अनुसार लाइसेंस जारी किया जाएगा, और यदि इसे पहले रद्द नहीं किया जाता है तो जारी होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध होगा, और अवधि समाप्त होने पर निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा नियमों और शर्तों की पूर्ति के अधीन नवीकरणीय होगा।

7. लाइसेंस जारी करने की शर्तें

i. लाइसेंस हासिल करने के पात्र आवेदक का अर्थ इन उपविधियों के खंड 2 (xxi) में परिभाषित "व्यक्ति" से होगा।

ii. आवेदक को उचित सक्शन/वैक्यूम और डिस्चार्जिंग व्यवस्था के साथ रिसाव-मुक्त, गंध और छिलकाव रहित परिवहन वाहन का मालिक होना चाहिए या ऐसा वाहन उसे किराए पर लेना चाहिए।

iii. नगर पंचायत धौरहरा में परिचालन के लिए वाहन का परिवहन विभाग द्वारा जारी वैध परमिट या पंजीकरण प्रमाणपत्र होगा।

iv. आवेदक अपने वैक्यूम टैंकर को नगर पंचायत धौरहरा के साथ पंजीकृत करेगा।

क्रमशः 15

v. आवेदक का यह उत्तरदायित्व होगा कि उसके स्वामित्व वाले/किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकर इन विनियमों के खंड 16 में दिए गए मानदंडों को पूरा करते हैं।

vi. आवेदक का यह भी उत्तरदायित्व होगा कि नगर पंचायत धौरहरा या उसके द्वारा किराए पर ली गई एजेंसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त कर्मी पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हैं।

vii. आवेदक द्वारा कर्मियों को सुरक्षा उपस्कर और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों से लैस रखा जाएगा, जो कि सुरक्षित रूप से फीकल स्लज निकालने, उसकी ढुलाई करने और अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करने के लिए आवश्यक हैं। जरूरी पीपीई इस उपनविधि के परिशिष्ट-3 में दी गई सूची के अनुसार होगा।

8. लाइसेंस के लिए आवेदन

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने, परिवहन और निपटान हेतु लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन एफएसएस का निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो इन उपविधियों के फॉर्म 1 के रूप में संलग्न है, जिसमें नियमों और शर्तों सहित ऐसे दस्तावेजों के साथ जैसा कि निकाय के नामित अधिकारी (परिशिष्ट-4 देखें) द्वारा निर्धारित किया गया हो। नगर पंचायत धौरहरा द्वारा सत्यापन एवं प्रशिक्षण के बाद ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का संग्रहण, परिवहन एवं निपटन का लाइसेंस ऑपरेटर को दिया जायेगा (फॉर्म-2, परिशिष्ट-5)।

9. लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु आमंत्रण

लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा संभावित आवेदकों को आमंत्रित करते हुए समय-समय पर अपनी वेबसाइट पर और प्रमुख समाचार पत्रों तथा अन्य प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

10. लाइसेंस के लिए पंजीकरण शुल्क

नए निजी ऑपरेटरों (फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाला) के लिए लाइसेंस प्रदान करने हेतु पंजीकरण पूरा करने के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित पंजीकरण शुल्क (10.1 देखें) लिया जा सकता है। यह शुल्क लौटाया नहीं जाएगा और इसका भुगतान इलेक्ट्रॉनिक या नगद स्वरूप में किया जा सकता है।

10.1 पंजीकरण के शुल्क और वैधता

i. ऑपरेटर के रूप में नए निजी ऑपरेटरों को पंजीकृत कराने हेतु पंजीकरण शुल्क रु. 5000.00

ii. पंजीकरण की वैधता: पंजीकृत निजी ऑपरेटर, लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क जमा करके अधिकतम 01 वर्ष (01 अप्रैल से 31 मार्च) तक शहर को अपनी सेवा दे सकता है। यदि निजी ऑपरेटर लाइसेंस नवीनीकरण करने में विफल रहता है तो उसका पंजीकरण स्वतः रद्द हो जाएगा और यदि वह शहर की सीमाओं में फीकल स्लज हटाने वाली सेवाओं को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसे पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

iii. लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क: रु. 5000.00

11. लाइंसेसधारी ऑपरेटर का विज्ञापन

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अपनी वेबसाइट के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लाइंसेसशुदा ऑपरेटर का व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

12. जागरुकता अभियान

इन उपविधियों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई, ढुलाई और निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा लोगों को केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को शामिल करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक बनाने का अभियान चलाए जाएगा।

अध्याय V

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निष्कासन/संग्रहण (डीस्लजिंग) और परिवहन (ढुलाई)

13. संपत्ति के मालिक या अभिग्राही द्वारा केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को काम पर रखा जाएगा

i. भवन के प्रत्येक मालिक/अभिग्राही का यह दायित्व होगा कि वह फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई के लिए नगर पंचायत धौरहरा के लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा प्रशिक्षित सफाई कर्मियों की ही सेवाएं लें।

ii. मालिक/अधिभोगी डीस्लजिंग सेवा से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी ऑपरेटर को प्रदान करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

14. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी/ढुलाई का शुल्क

i. समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई का शुल्क निकाय के नामित अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जाएगा (परिशिष्ट 2 देखें)।

ii. शहर में जब कभी नगर पंचायत धौरहरा द्वारा "शेड्यूल्ड डीस्लजिंग" पालन करने का फैसला किया जाता है, तो फीकल स्लज निकासी शुल्क को 'सफाई शुल्क' से बदल दिया जाएगा या इसे संपत्ति/जल कर में शामिल किया जा सकता है, जिसे नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

iii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर सम्पत्ति के मालिक/अभिग्राही से निकाय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि नहीं वसूलेगा।

iv. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी और ढुलाई कार्य के लिए अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि मांगने पर लाइसेंस धारी ऑपरेटर का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और इन उपविधियों के उल्लंघन के लिए निर्धारित जुर्माना लगाया जाएगा।

15. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के वाहन

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई कार्य केवल लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मियों द्वारा ही किया जाएगा।

ii. आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने पर भी वैक्यूम टैंकर को 1 वर्ष की अवधि के लिए पंजीकृत कराया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, संबंधित ऑपरेटर को निश्चित समय सीमा के भीतर वैक्यूम टैंकर को समुन्नत अपग्रेड करना चाहिए।

iii. डीस्लजिंग वाहनों का परिचालन फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित और कुशल ढुलाई के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा चिह्नित निर्दिष्ट मार्गों पर ही किया जाएगा।

iv. ऑपरेटर को जारी लाइसेंस की एक प्रति और नगर पंचायत धौरहरा वाहन का पंजीकरण नंबर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई हेतु प्रयुक्त वाहन पर स्पष्टता से प्रदर्शित किया जाएगा।

v. वाहन/टैंकर को पीले रंग से पेंट किया जाएगा जिस पर लाल रंग में (सावधानी के लिए) "**septic tank waste**" (अंग्रेजी में) और "**मलकुंड अपशिष्ट**" (हिंदी में) लिखा होगा।

vi. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई में प्रयुक्त प्रत्येक वाहन में जीपीएस उपकरण (निकाय द्वारा प्रदत्त) लगाया जाएगा और इसका एक्सेस अधिकार [नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी] और ऐसे वाहनों की ट्रैकिंग के लिए निकाय द्वारा अधिसूचित एजेंसी के पास होगा।

16. ढुलाई के दौरान सावधानी

लाइसेंस धारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण के लिए डीस्लजिंग स्थल से अधिसूचित स्थान तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज से कोई रिसाव या छलकाव न हो।

17. दुर्घटना की स्थिति में बचावकारी उपाय

फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।

18. दुर्घटना की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर की जिम्मेदारी

किसी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर किसी भी व्यक्ति, वाहन, संपत्ति या पर्यावरण को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान के लिए पूर्ण जिम्मेदार होगा और ऐसे में यदि किसी प्राधिकारी अथवा न्यायालय द्वारा पीड़ितों / उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को किसी प्रकार के क्षति शुल्क या मुआवजा प्रदान किए जाने का निर्णय दिया जाता है तो उसका भुगतान उसे ही करना होगा।

19. नियुक्त कर्मियों के लिए सुरक्षा - उपाय

हाथ में रखकर इस्तेमाल होने वाले गैस-डिटेक्टर, गैस-मास्क, सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन-सिलेंडर के साथ ऑक्सीजन-मास्क और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स आदि के प्रावधान सहित सभी सुरक्षा उपाय तथा प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 में निर्दिष्ट ऐसे अन्य उपाय उपलब्ध कराने के लिए लाइसेंसधारी ऑपरेटर जिम्मेदार होगा।

20. फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण

i. लाइसेंसधारी ऑपरेटर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करेगा।

ii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर इन उपविधि के फॉर्म 3 में निर्धारित विधिवत हस्ताक्षरित फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और निस्तारण फॉर्म, जो विधिवत रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित हो, अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए नामित निकाय के अधिकारी के पास जमा करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

iii. होस्ट यूएलबी ये सुनिश्चित करेगा की उपचार सुविधा पर यूएलबी क्लस्टर या ग्राम पंचायत का पंजीकृत ऑपरेटर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करे।

21. निकाय (उपचार सुविधा वाले) के अधिकार

i. निकाय किसी पास के निकाय या ग्राम पंचायतों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) (परिशिष्ट 7, फॉर्म-4) पर हस्ताक्षर करेगा और इसके तहत केंद्र पर उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देने के लिए होस्ट यूएलबी बन जाएगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा होस्ट यूएलबी से जुड़े यूएलबी क्लस्टर की सीमा के अंदर काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटर को उपचार सुविधा के परिचालन अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क और निर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रतिबंधित किए गए वितरण मार्गों के बारे में सूचित करेगा।

iii. नगर पंचायत धौरहरा वैक्यूम टैंकर की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उनपर नियंत्रण रखेगा।

iv. संग्रहीत किए जाने वाले और उपचार सुविधा पर ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण नगर पंचायत धौरहरा द्वारा किया जाएगा।

v. होस्ट यूएलबी अन्य क्लस्टर यूएलबी या ग्राम पंचायत को फीकल स्लज एवं सेप्टेज की उस स्वीकार्य मात्रा के बारे में जानकारी देगा जिसे "उपचार सुविधा" में निस्तारित किया जा सकता है।

vi. एमओयू अवधि के किसी भी समय, यदि "होस्ट यूएलबी" को लगे कि क्लस्टर यूएलबी/ग्राम पंचायत से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निस्तारित नहीं किया जा सकता है, तो ऐसी स्थिति आने से पहले होस्ट यूएलबी कम से कम 15 दिन पहले इसकी सूचना देगा।

22. निकाय (बिना उपचार सुविधा वाला) के कर्त्तव्य

i. निकाय या ग्राम पंचायत [जिनके पास उपचार सुविधा नहीं है उस निकाय का नाम] होस्ट यूएलबी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा और होस्ट यूएलबी के पास उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण के लिए क्लस्टर यूएलबी का सदस्य बनेगा।

ii. निकाय या ग्राम पंचायत (जिनके पास उपचार संयंत्र नहीं है) अपने प्रशासनिक क्षेत्र में काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटरों को उपचार सुविधा की कार्य अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क (यदि कोई हो) निकाय द्वारा निर्धारित निर्दिष्ट घंटों के दौरान विशिष्ट आपूर्ति मार्ग के जानकारी देंगे।

iii. यदि निकाय होस्ट यूएलबी के क्लस्टर यूएलबी की स्पष्ट सीमा में नहीं है, तो निकाय उपचार के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राज्य के पास पहुंच सकता है और फीकल स्लज एवं सेप्टेज के लिए एक अंतरिम निस्तारण स्थल विकसित कर सकता है।

iv. नगर पंचायत धौरहरा विनिर्दिष्ट वाहनों की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा।

v. होस्ट यूएलबी संग्रहीत किए जाने और निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण करेगा।

vi. यदि "होस्ट यूएलबी" की क्षमता क्लस्टर यूएलबी के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निबटाने के लिए कम पड़ जाता है, तो नगर पंचायत धौरहरा को एक नए "होस्ट यूएलबी" की खोज करनी चाहिए या नए "उपचार सुविधा" के निर्माण के लिए केंद्र के पास अनुरोध भेजना चाहिए।

23. कर्मियों का प्रशिक्षण

लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण में तैनात कर्मचारियों के सावधिक प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।

24. कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच

यह सुनिश्चित करने का दायित्व लाइसेंसधारी ऑपरेटर का होगा कि प्रत्येक नियुक्त कर्मी का साल में कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए और उसका रिकॉर्ड निकाय को दिया जना चाहिए, जिसमें विफल रहने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर को समय-समय पर अधिसूचित दंड का भुगतान करना पड़ सकता है।

25. बीमा

लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा काम पर रखे गए कर्मियों का प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 और 2003 की रिट याचिका संख्या 583 (सफाई कर्मचारी आंदोलन तथा अन्य बनाम भारत संघ तथा अन्य) में फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी, ढुलाई और निस्तारण की प्रक्रिया के दौरान दुर्घटना की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 27-03-2014 के आदेश के तहत पीड़ितों अथवा उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को दिए जाने वाले मुआवजे को कवर करने के लिए बीमा किया जाएगा।

26. लाइसेंस रद्द किया जाना

इन उपविधि सहित हाथ से मैला ढोने वालों के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास एक्ट, 2013 के किसी भी प्रवधान के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस धारी ऑपरेटर समय-समय पर अधिसूचित दंड के भुगतान करने का भागी होगा, जिसमें लाइसेंस रद्द किया जाना और निष्पादन गारंटी का अपहार शामिल है जो शहरी स्वच्छता समिति (CSC) अथवा विनिर्दिष्ट अधिकारी (अधिकारियों) की सिफारिश के मुताबिक होगा।

अध्याय VI

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार और पुनः उपयोग/निस्तारण

27. उपचार/निस्तारण स्थल की पहचान

i. नगर पंचायत धौरहरा उस स्थल (स्थलों) की पहचान करेगा और सूचित करेगा जहां लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मी द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार/निस्तारण किया जाएगा।

ii. उपचार सुविधा के अभाव में नगर पंचायत धौरहरा, आस पास के होस्ट यूएलबी जिसमे सुचारू उपचार सुविधा हो, उनके साथ समझौता ज्ञापन करके उसके सुविधा का इस्तेमाल करेगा (फॉर्म 4 परिशिष्ट 7)

iii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा के आसपास के क्षेत्र में "क्लस्टर यूएलबी" की अनुपस्थिति की स्थिति में, उपचार के बुनियादी ढांचे (खंड 28) के निर्माण तक एक अंतरिम निस्तारण योजना का विकल्प चुना जा सकता है।

28. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए अवसंरचना का निर्माण

नगर पंचायत धौरहरा जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार करेगा (यदि अनुप्रयोज्य हो तो आदर्श उपचार संयंत्र की व्यवस्था होने तक अंतरिम उपचार बुनियादी ढांचा भी) और पंजीकृत वाहनों द्वारा लाए गए फीकल स्लज एवं सेप्टेज के उपचार/निस्तारण की सुविधा के लिए अधिसूचित स्थल या स्थलों पर आवश्यक उपकरण प्रदान करेगा।

29. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे संबंधित उपचार सुविधा में स्थानांतरित करने के लिए नगर पंचायत धौरहरा द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों (लिंग तटस्थ) को नियुक्त किया जाएगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा है यानी होस्ट यूएलबी]

ii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे अंतरिम "उपचार सुविधा" में स्थानांतरित करने या इसे "होस्ट यूएलबी" के "उपचार सुविधा" में भेजने के लिए निकाय प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त कर्मचारी (किसी भी लिंग का हो सकता है) नियुक्त करेगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा नहीं है यानी आप क्लस्टर यूएलबी का हिस्सा हैं]

30. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने का समय

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर समय-समय पर [निकाय (या होस्ट यूएलबी लागू हो)] द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त किया जाएगा।

31. औद्योगिक अपशिष्ट जिनकी अनुमति नहीं है

अधिसूचित स्थल पर औद्योगिक अपशिष्ट वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

32. फीकल स्लज एवं सेप्टेज पर प्रशिक्षण

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को अधिसूचित स्थल पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और उपचार / निस्तारण करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

33. उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज का दुबारा इस्तेमाल

निकाय किसानों को अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज के कृषि अनुप्रयोग के स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें उपचार सुविधा से उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करेगा।

अध्याय VII

प्रशासन और प्रवर्तन

34. प्रशासन और प्रवर्तन

i. इन नियमों की प्रशासनिक और प्रवर्तक शक्तियाँ [नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी] अथवा नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी द्वारा विधिवत अधिकृत निकाय के अभिहित अधिकारी के पास रहेंगी।

ii. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज की निकासी, ढुलाई या उपचार की सेवाएं प्रदान करने के लिए समय-समय पर निर्धारित और अधिसूचित उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) लगा सकता है। लागत वसूली सुनिश्चित करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को इन सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा।

क्रमशः 16

iii. नगर पंचायत धौरहरा शहरी स्वच्छता समिति (CSC) का गठन करेगा जो निकाय प्रशासनिक क्षेत्र में समग्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज का पर्यवेक्षण और निगरानी सुनिश्चित करेगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी ढुलाई के लिए सुरक्षित तरीके सुनिश्चित करने के लिए एक इमर्जन्सी रिसपोंस सैनिटेशन यूनिट (ईआरएसयू) नियुक्त करेगा।

35. जांच के लिए विशेष शक्ति

इन उपविधियों के प्रभावी तरीके से लागू करने और प्रवर्तन के उद्देश्य से, नगर पंचायत धौरहरा के पास किसी भी समय किसी भी परिसर में, परिवहन वाहनों और फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार सुविधा के निरीक्षण की शक्ति होगी।

36. नियम उल्लंघन और जुर्माना

i. इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने पर व्यक्ति को नियम अनुपालन के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

ii. किसी भी व्यक्ति पर इन नियमों के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे, यदि ऐसा व्यक्ति - (क) इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है या उसका पालन करने में विफल रहता है; (ख) इन विनियमों के तहत किसी भी शक्ति के प्रयोग या किसी कर्त्तव्य निष्पादन में निकाय के एक अधिकृत अधिकारी या अन्य अधिकारी के काम में बाधा डालता है, या हस्तक्षेप करता है; (ग) किसी भी ओएसएस/सीवर की हाथ से फीकल स्लज निकासी की प्रक्रिया संचालित कराता है।

iii. इन उपविधियों के प्रावधानों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को परिशिष्ट-8 में उल्लेखित राशि की सीमा तक दंडित किया जाएगा और उचित कानून के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और जैसा भी मामला हो, दोषी पाए जाने की स्तिथि में एफ.एस.एस. निकासी/ढोने के वाहन भी ज़ब्त हो सकता है।

iv. जो कोई भी, किसी भी मामले में, जिसमें दंड परिशिष्ट-8 में स्पष्ट रूप से प्रदान नहीं किया गया है, दोषी पाया जाता है, समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा तय किए जाने वाले जुर्माने के साथ दंडनीय होगा।

v. संदेह दूर करने के लिए, यह घोषित किया जाता है कि इन उपविधियों की कोई भी बात किसी भी व्यक्ति को उस समय लागू किसी अन्य प्रासंगिक अधिनियम या इन उपविधियों के तहत दंडनीय कोई कार्य के लिए या चूक के लिए उसके तहत मुकदमा चलाने, दंडित करने से नहीं रोकेगा।

37. अपील

निकाय के अधिकृत अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति इन उपविधियों के तहत नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी के पास इस तरह के निर्णय के विरुद्ध अपील (इन उपविधियों के फॉर्म 5 में संलग्न प्रारूप में) कर सकता है (परिशिष्ट-9 देखें)

38. विवाद समाधान उपविधि

इन उपविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में उत्पन्न किसी भी विवाद का समाधान केवल नगर पंचायत धौरहरा के अधिकार क्षेत्र वाले सक्षम न्यायालय द्वारा भारतीय कानूनों के तहत किया जाएगा।

39. फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन

मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए आवश्यकता पड़ने पर निकाय के पास फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन करने का अधिकार होगा।

40. संदर्भ प्रलेख

उपविधियों के क्रियान्वयन और लागू करने में सुविधा के लिए, इन विनियमों के परिशिष्ट-10 में प्रदान किए गए मानकों, रणनीतियों, मैनुअल, दिशानिर्देशों और नीतियों की एक सूची का संदर्भ लिया जा सकता है।

41. डीस्लजर के लिए सम्मान/पुरस्कार

अच्छे काम और व्यवहार के लिए निकाय समय-समय पर प्रेरित करने और समग्र प्रशंसा हेतु अच्छे प्रदर्शन के लिए फीकल स्लज निकासी (डीस्लजिंग) ऑपरेटरों के लिए सम्मान/पुरस्कार समारोह आयोजित कर सकता है।

42. उपविधियों के लिए पूरक राज्य सरकार के निर्देश

इन उपविधियों के प्रवर्तन में कठिनाइयों को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संबंध में निर्देश जारी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-1

(खंड 2(xxiii), 3(iii) और 5(i) देखें)

सेप्टिक टैंक का डिजाइन

सेप्टिक टैंक स्थापित करने के लिए बीआईएस कार्य संहिता प्रदान करता है (आईएस 2470 [भाग 1] 1985)। सेप्टिक टैंक के निर्माण के लिए यह कुछ मान्यताओं के आधार पर डिजाइन मानदंड प्रदर्शित करता है। छोटे और बड़े क्षेत्रों के लिए यह आबादी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन इंस्टॉलेशन का विवरण प्रदान करता है। केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन, एमओएचयूए के अनुसंधान प्रभाग द्वारा प्रकाशित सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल के भाग ए में ओएसएस पर व्यापक डिजाइन मानक दिए गए हैं। प्रचलित और सुरक्षित साइट स्वच्छता के लिए इस खंड में तकनीकों के मानक डिजाइन बताए गए हैं। साथ ही, भारत में सेप्टिक टैंक को आमतौर पर काले पानी के लिए ही हाइलाइट किया जाता है।

सेप्टिक टैंक के विनिर्देशन

- आयताकारः लंबाई और चौड़ाई का अनुपात: 2 से 4
- गहराई: 1.0 से 2.5 मी. के बीच
- दो कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का 2/3
- तीन कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का आधा
- मशीन-छेद (मैनहोल) प्रत्येक कक्ष के ऊपर
- निर्विवाद, टिकाऊ और स्थिर टैंक

सेप्टिक टैंक का अनुशंसित आकार

उपयोगकर्ता की संख्या	लंबाई (मी.)	चौड़ाई (मी.)	द्रव की गहराई (सफाई अंतराल) (मी.)
			दो वर्ष
5	1.5	0.75	1.05
10	2	0.90	1.40
15	2	0.90	2.00
20	2.3	1.10	1.80

नोट 1: सेप्टिक टैंक का आकार कुछ अनुमानों (तरल प्रवाह) पर आधारित होता है, सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जानी चाहिए। इस बारे में जानकारी के लिए, कृपया बीआईएस 2470 (भाग 1), 1985 देखें।
नोट 2: फ्री बोर्ड के लिए 300 मिमी का प्रावधान रखना चाहिए।
स्रोतः सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल - भाग एः इंजीनियरिंग। सीपीएचईईओ, 2012

सेप्टिक टैंक की क्षमता

टैंक की क्षमता फीकल स्लज निकासी की अवधि को समझने में उपयोगी होती है, सेप्टिक टैंक की क्षमता मापने में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुएं है:

- **अवसादन (सेडीमेंटेशन):** निलंबित ठोस पदार्थों के पर्याप्त अवसादन के लिए प्रत्येक 10 ली/मिनट की पीक दर से प्रवाह के लिए 0.92 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। आम तौर पर, अवसादन क्षेत्र की गहराई 0.3 मीटर होती है।
- फीकल स्लज डाइजेशनः डेऐजेशन जोन की क्षमता प्रति कैपिटा 0.032 होनी चाहिए ।
- फीकल स्लज और मल भंडारणः फीकल स्लज सफाई के 1 साल के अंतराल के लिए, एक फीकल स्लज भंडारण क्षमता 0.0002*365 =0.073 m3/कैपिटा की आवश्यकता होती है।
- फ्री बोर्डः कम से कम 0.3 मी.

परिशिष्ट-2

(खंड 14 (i) और 5 (iii) देखें)

नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज निकासी और सेप्टेज की ढुलाई सेवा के लिए उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) की सूची-

क्र.सं.	श्रेणी	रु. में शुल्क की सीमा (प्रतिट्रिप 3000 लीटर तक)
1.	आवासीय	1500
2.	व्यावसायिक	2000
3.	सरकारी स्कूल/कालेज/छात्रावास	1500
4.	निजी स्कूल/कालेज/छात्रावास	2000
5.	सरकारी कार्यालय	2000
6.	होटल रेस्टोरेंन्ट, निजी अस्पताल/सरकारी अस्पताल	2000
7.	राइस मिल/अन्य मिल व औद्योगिक संस्थान	3500

स्रोतः सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल 2022 से एक संदर्भ लिया गया है।
नोटः1 उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) की इन सीमाओं में निकाय द्वारा समय-समय पर संशोधन किया जा सकता है
2. उपरोक्त श्रेणियाँ प्रति 3000 लीटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज सेप्टेज की निकासी पर आधारित हैं। रेंज की ऊपरी सीमा पर विचार करना चाहिए जब अन्य कचरे (पॉलीबैग की उच्च संख्या, निस्तारण किए गए कपड़े, सैनिटरी पैड, डायपर, कंडोम, प्लास्टिक की बोतलें, अन्य कचरे) को भी व्यापक तरीके से डाला गया हो।

परिशिष्ट-3

(खंड: 7 (vii) देखें)

बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण

कार्य स्थल पर निम्नलिखित बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने चाहिए:-

i. शरीर के सुरक्षा वस्त्र मुख्य रूप से पॉलिएस्टर से बने होते हैं, जो रिफ्लेक्टिव होते हैं और रासायन गिरने से शरीर की रक्षा करते हैं
ii. शरीर की रक्षा सज्जा / सुरक्षा बेल्ट
iii. सर्जिकल फेस मास्क / रेस्पिरेटर जो धूल, धुएं, धुंध और जीवाणुओं आदि से बचाता है
iv. सेफ्टी टॉर्च
v. भारी रसायन प्रतिरोधी दस्ताने जो यांत्रिक बचाव और खतरनाक सामग्री के छलक कर गिरने से अतिरिक्त सुरक्षा देते हैं और ब्यूटाइल के बने होते हैं
vi. संक्रामक पदार्थों को आंखों में जाने से रोकने के लिए रासायनिक छींटे झेलने की क्षमता वाले सेफ्टी गॉगल्स
vii. टॉर्च के साथ लगे सेफ्टी हेलमेट (कॉर्डेड) जो अंधेरे में काम करने के लिए मददगार होता है
viii. दुबारा इस्तेमाल होने वाला इयरप्लग, जो एक लचीले बैंड से अच्छी तरह जुड़ा होता है जिसे जरूरत न होने पर गर्दन के चारों ओर पहना जा सकता है। ये सिलिकॉन के बने होने चाहिए और वैक्यूम टैंकरों के आसपास उपयोगी होते हैं जहां औसत ध्वनि स्तर 85dBa से अधिक होता है
ix. आपातकालीन मेडिकल ऑक्सीजन पुनर्जीवन किट
x. गैस मॉनीटर
xi. हेड लैंप
xii. गाइड पाइप सेट
xiii. सेफ्टी ट्राइपॉड सेट
xiv. वेडर बूट
xv. एयर कंप्रेसर और ब्लोअर
xvi. मॉड्यूलर एयरलाइंस सप्लाई ट्रॉली सिस्टम
xvii. रेनकोट

परिशिष्ट-4

(खंड 6 (iii) और 8 देखें)

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

Registration form for Private Desludging Operator

फॉर्म 1: निकाय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए लाइसेंस आवेदन पत्र

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

1. आवेदक का नाम: (श्री/सुश्री): _____
2. पताः _____
3. पंजीकृत कार्यालय का पता: _____
4. टेलीफोन नंबरः (कार्यालय)_____ (मो.):_____

ईमेल आईडीः _____

मल कीचड़ साफ करने वाले वाहनों का विवरण

क्रम संख्या	वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर	वाहनों का प्रकार (ट्रैक्टर-माउंटेड या ट्रक माउंटेड)	प्रतिरूप (मॉडल) संख्या	वैक्यूम टैंकरों/ टैंकर की छमता (लीटर में)	बीमा किस तारीख तक वैध है	टिप्पणी
i						
ii						
iii						
iv						

7. लाइसेंस की प्रॉसेसिंग फीस के भुगतान का विवरण, नकद_____
(रसीद संख्या)
8. संलग्न प्रलेखों की सूची (स्व-प्रमाणित प्रति) (हां /नहीं):

दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं
पहचान प्रमाण		पता प्रमाण		कर्मचारियों की सूची	
पंजीकरण प्रमाणपत्र		फिटनेस सर्टिफिकेट		बीमा और पॉलिसी अनुसूची के प्रमाण पत्र	
प्रदूषण प्रमाणपत्र		ड्राइविंग लाइसेंस		पासपोर्ट साइज फोटो	

अनुलग्नकों की कुल संख्या:

मैं/हम प्रमाणित करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा कॉलम 1 से 8 में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि मैंने संलग्न नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया है और उनका पालन करने के लिए सहमत हूं। मैं सहमत हूं कि यदि मेरे द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो लाइसेंस के लिए आवेदन किसी भी समय रद्द करने के लिए उत्तरदायी **रहूँगा**।

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांकः.....

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगा और ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ------ तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।

क्रमशः 17

11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-5

खंड 6 (v) और 8 देखें

लाइसेंस प्रारूप

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

License for Private Desludging Operator

फॉर्म 2: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण हेतु लाइसेंस प्रदान करना

निकाय नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज एवं सेप्टेज मल-कीचड़ और सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण के लिए लाइसेंस इसके द्वारा अनुमति दी जाती है:

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

1. आवेदक का नामः (श्री / सुश्री): _____
2. पत्राचार का पताः _____
3. निकाय **(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत)** का नाम) में फीकल स्लज / सेप्टेज **प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए** लाइसेंस संख्याः_____
4. **मान्यता** _____ से _____ तक
5. वाहन (वाहनों) का रजिस्ट्रेशन नंबर: (i) _____ (ii) _____ (iii) _____ (iv) _____

लाइसेंस, लाइसेंस धारक द्वारा पिछले पृष्ठ में बताई गई शर्तों के अनुपालन के अधीन होगा।

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगाऔर ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ----- फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।
11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-6

(खंड 13 (ii), 20 (ii) देखें)

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

फॉर्म 3: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

नगर पंचायत धौरहरा में मल कीचड़ और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए

दिनांक:.....समय: .....

I. ऑनसाइट सिस्टम के मालिक का विवरण

1.नाम: .....

2.पता:.....

(क) वार्ड संख्या: .....

(क) टेलीफोन नं:.....

II. रोकथाम

1. निर्माण का वर्ष ..... 2. पिछला कीचड़ निकालना (MM/YYYY):.....

3. आउटलेट मौजूद (हां/नहीं): ..... 4. यदि हां, तो किससे जुड़ा है: .....

5. रोकथाम के प्रकार: (चेकबॉक्स में उपयुक्त विकल्प चुनें)

रोकथाम के प्रकार	सही करें	रोकथाम के प्रकार	सही करें
सेप्टिक टैंक ट्विन		ट्वीन पिट (पंक्तिबध	
संग्रह टैंक		ट्विन पिट (अनलाइन्ड	
सोख्ता गड्ढे के साथ सेप्टिक टैंक		पूरी तरह से अटे टैंक	
सिंगल पिट (लाइनेड)		सिंगल पिट (अनलाइन)	

6. रोकथाम का आकार और आकार:नियंत्रण का प्रकार नियंत्रण का प्रकार टिक करें

7.. संपत्ति के भीतर रोकथाम का स्थान (चेकबॉक्स में नीचे उपयुक्त विकल्प चुनें)

घर में स्थान	सही करें	घर में स्थान	सही करें
घर के पिछले हिस्से में		एक कमरे के फर्श के नीचे	
घर के सामने की तरफ		अन्य	

III. कीचड़ साफ करना

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की मात्रा (लीटर) .....
2. कीचड़ निकालने में लगने वाला समय: .....
3. ट्रिप की लंबाई (किमी): .....
4. आने-जाने में समय: .....

IV. कीचड़ साफ करने वाले सेवा प्रदाता का विवरण

ऑपरेटर का नाम: .....

ड्यूटी पर खाली स्टाफ FSSTP ऑपरेटर: .....

ड्यूटी पर टेंक सफ़ाई स्टाफ़ के हस्ताक्षर **उपचार सुविधा ऑपरेटर का हस्ताक्षर**

परिशिष्ट-7

(खंड 21 (i) और 27 (ii) देखें)

होस्ट यूएलबी तथा बिना उपचार संयंत्र वाले निकाय के बीच समझौता ज्ञापन प्रारूप

फॉर्म 4: "होस्ट यूएलबी" पर उपलब्ध "उपचार संयंत्र" में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति के लिए समझौता ज्ञापन।

होस्ट निकाय के उपचार संयंत्र पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति हेतु निकाय (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत) और होस्ट निकाय (होस्ट निकाय का नाम) के बीच समझौता ज्ञापन के लिए फॉर्म

फीकल स्लज एवं सेप्टेज एवं सेप्टेज प्रबंधन के तहत, एक्सवाईजेड निकाय (संपर्क करने वाले निकाय का नाम) की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर घरों, सार्वजनिक / सामुदायिक शौचालयों के नियंत्रण से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज और सेप्टेज (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के सुरक्षित निस्तारण हेतु जरूरी शर्तें पूरा करने के लिए, "होस्ट यूएलबी" (होस्ट निकायका नाम) के प्रशासन के तहत "उपचार संयंत्र" पर, समझौता।

प्रथम पक्ष "होस्ट यूएलबी" - (होस्ट निकाय का नाम)

द्वितीय पक्ष "एक्सवायजेड यूएलबी" - (संपर्क करने वाले निकाय का नाम)

उपबंधः

1. यह कि "प्रथम पक्ष" दिनांक दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) से दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) तक "द्वितीय पक्ष" की प्रशासनिक सीमाओं से उनके "उपचार संयंत्र" पर आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देगा। /वर्ष (अंतिम तिथि)
2. "प्रथम पक्ष "अपने प्रशासनिक क्षेत्र से आने वाले भार से समझौता करने से बचने के लिए अपने "उपचार संयंत्र" पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की दैनिक अनुमत मात्रा की जानकारी देगा।
3. यह कि "द्वितीय पक्ष" समझ के अनुसार "प्रथम पक्ष" को फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण के प्रति खेप टिपिंग शुल्क के रूप में रु. xxx देने के लिए सहमत है।
4. यह कि "प्रथम पक्ष" उपचार सुविधा के संचालन का समय, अनुमत पहुंच मार्ग, फीकल स्लज एवं सेप्टेज की अनुमत मात्रा, उपचार सुविधा का रखरखाव बंद आदि आवश्यक विवरण समय-समय पर साझा करेगा।
5. कि उपरोक्त कार्यों को करते समय बीच में आने वाली किसी भी कठिनाई को दोनों पक्ष मिलकर सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाएं।
6. कि "द्वितीय पक्ष" केवल लाइसेंसधारी फीकल स्लज निकासी ऑपरेटर को प्रथम पक्ष की उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति देगा।
7. प्रथम पक्ष उपचार सुविधा में उनके लाइसेंस पर "द्वितीय पक्ष" की मुहर के साथ लाइसेंसधारी ऑपरेटर का प्रवेश सुनिश्चित करेगी।

प्रथम पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

द्वितीय पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

परिशिष्ट-8

जुर्माना और फाइन

क्रम संख्या	विवरण	खंड संख्या	सांकेतिक फाइन सीमा (₹₹` में)	जुर्माना (₹ या किसी अन्य पीनल एक्शन में)
1.1	नाला/सड़क/खुले क्षेत्र में अपशिष्ट जल का सीधा/असुरक्षित प्रवाह	3	50-100	
1.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	3	50-100	
1.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	3	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
2.1	ओएसएस का अवैज्ञानिक डिजायन और निर्माण	5	100-150	
2.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	5	100-150	
2.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	5	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
3.1	बिना निकाय पंजीकरण के वैक्यूम टैंकर परिचालित करना	6	50-100	
3.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6	50-100	
3.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6	150-200 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
4.1	आकस्मिक बिखराव में भाग लेने के लिए गैर-अनुपालन	16,17	1000-1500	
4.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	16,17	1000-1500	
4.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	16,17	300 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
5.1	एसटीपी से अनुपचारित FSS प्रवाहित करना	27,28,33	5000-10000	
5.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	27,28,33	5000-10000	
5.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	27,28,33	1000-1500 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
6.1	निकायद्वारा अधिसूचित स्थल के अलावा अन्य स्थल पर अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रवाहित करना	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	1500-2000 प्रति दिन	वाहन की जब्ती

नोट: जुर्माने और जुर्माने की उपरोक्त तालिका पर नगर स्वच्छता समिति के सदस्यों के बीच पहले चर्चा की जानी चाहिए। शहर में यूएलबी जिस स्तर की सख्ती का पालन करना चाहता है, उसके आधार पर इसे समय-समय पर संशोधित भी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-9

अपील हेतु ज्ञापन

(खंड 37 देखें)

फॉर्म 5: अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन, अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन का फॉर्म, "अपीली प्राधिकार के पास

---------- (पदनाम)

1. आवेदक का पूरा नाम: .....
2. आवेदक का पता: .....
3. नगर पालिका अधिकारी का विवरण जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई

नामः ..... पद .....

4. उस आदेश के प्राप्त करने की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गईः.....
5. अपील दायर करने की तारीख: .....
6. सूचना विवरण

क. संक्षेप में अपील की विषय-वस्तु (जिस आदेश के विरूद्ध अपील की गई है उसकी प्रति संलग्न करें)

ख. अपील का आधार (इनमें से किसी का विवरण अलग शीट में संलग्न किया जाना है)

सत्यापन

मैं, ... (अपीलकर्ता का नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी..... एतदद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि अपील में दिए गए विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं और मैंने किसी भी तथ्य को छुपाया नहीं है।

अपीलकर्ता का हस्ताक्षर

स्थानः .....तिथि:.....

अनुलग्नक के रूप में जमा किए गए प्रलेखः

1.....

2.....

.....यहाँ फाड़ें.....

पावती

संख्या..... तिथिः .....

अनुलग्नक फॉर्म के साथ प्राप्त अपील ज्ञापन.....

स्थानः..... तिथिः .....

अधिकृत अधिकारी की मुहर और हस्ताक्षर

आदेश से (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

(नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी की मुहर एवं हस्ताक्षर)

(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

परिशिष्ट-10

(खंड 40 देखें)

संदर्भित दस्तावेज

(इन आदर्श उपविधियों की रचना निम्नलिखित अधिनियमों व अन्य राज्य की उपविधियों का अध्ययन करके किया गया है)

निकाय द्वारा मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित प्रलेखों के नवीनतम संस्करण का उपयोग किया जा सकता है:

1. उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916
2. उत्तर प्रदेश सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019 नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
3. बिजनौर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन उपविधि, 2022, कार्यालय राजपत्र प्रयागराज, उत्तर प्रदेश सरकार।
4. सलाहकार नोटः शहरी भारत में सेप्टेज प्रबंधन, 2013, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
5. उत्तर प्रदेश में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश, 2018, शहरी विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
6. एकीकृत फीकल स्लज एवं सेप्टेज, सेप्टेज और अपशिष्ट जल प्रबंधन रणनीति सह दिशानिर्देश, 2019, चुनार नगर पालिका परिषद, उत्तर प्रदेश
7. आईएसः 2470 - 1985, सेप्टिक टैंक की स्थापना और सेप्टिक टैंक के प्रवाह के निस्तारण के लिए भारतीय मानक संहिता, भारतीय मानक ब्यूरो,
   (1) (भाग I) डिजाइन शर्तें और निर्माण
   (2) (भाग II) द्वितीयक उपचार और सेप्टिक टैंक के तरल पदार्थ का निस्तारण।
8. सीवरेज और मलजल उपचार प्रणाली पर मैनुअल, 2013, केंद्रीय लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और पर्यावरण संगठन, भारत सरकार।
9. बिना नेटवर्क तकनीकी पर मेन्यू, 2019, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट, नई दिल्ली।
10. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2017, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।
11. राष्ट्रीय शहरी स्वच्छता नीति, 2008, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
12. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के उपविधि, 2020, सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल।
13. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर नीति, 2018, तेलंगाना सरकार।
14. तमिलनाडु सरकार का राजपत्र, 2022, फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर उपविधि।
15. सेप्टेज प्रबंधन प्रैक्टिशनर गाइड, 2017, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र।
16. सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, 2018, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
17. फीकल स्लज एवं सेप्टेज / सेप्टेज, 2019, के लिए उथली और गहरी खाइयों पर तकनीकी नोट जल, स्वच्छता एवं स्वच्छता संस्थान, नई दिल्ली
18. प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,220.60	26,129.60
बढ़त	545.52	190.75
प्रतिशत में	0.64	0.74

सोना 1,37,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 990, बासमती- 5000, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4700, राजमा- 8200-11200, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2400, उड़द साबुत- 4700, काबुली चना- 8300, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1300

अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता की रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका पर बोले गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामक यह मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है। नवाचार एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं की रक्षा करना, विनियमन व पर्यवेक्षण के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जो वित्तीय प्रणाली की दक्षता में सुधार करता है, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवर्नर ने कहा कि नीति निर्माताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक ऐसी वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो मजबूत और झटकों के प्रति मजबूत हो,

● कहा- वित्तीय क्षेत्र के नियामक मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में लक्ष्य नहीं

वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में कुशल हो तथा जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा दे। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि अस्थिर और प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत एवं निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था के उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। फिर भी, हम बाह्य प्रभावों से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक चुनौतियों को पहचानते हैं और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए निरंतर मजबूत उपाय कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि की संभावना

मुंबई। वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन करने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी।

समाशोधन निगमों की स्थिति मजबूत

रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने 1 जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप

● बिजली मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की अधिसूचना के अनुसार नियम आज से लागू

रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे।

डीआईआई के साथ से सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी

● पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बाजार ने की वापसी

साल के आखिरी सत्र में बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का साथ मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए। लगातार कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद दोनों सूचकांक ने बढ़त दर्ज की है।

बीएसई का सेंसेक्स 545.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान 762.09 अंक बढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी चार दिनों की गिरावट से उबरकर 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टाइटन और ट्रेंट के शेयर बढ़त में रहे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों में बिकवाली देखी गई। इस साल सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी 9% चढ़ा, जबकि निफ्टी में 2,484.8 अंक यानी 10.50% की तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 3,844.02 करोड़ के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,159.81 करोड़ के शेयर खरीदे।

वीआईएल के एजीआर बकाया पर सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जताई है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

● वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए दी गई पांच साल की मोहलत

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है। इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी। इन बकाया राशियों के अलावा 2017-18 और 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया कंपनी द्वारा 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना बदलाव के देय होगा।

ईयू का कार्बन कर आज से होगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) 1 जनवरी से लागू होने जा रहा है, जिससे भारत के इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात को झटका लग सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूरोपीय संघ के 27 देशों का समूह उन वस्तुओं पर यह कर लगा रहा है, जिनके निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) मार्ग में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है जबकि गैस आधारित डीआरआई में यह कम तथा कबाड़ (स्क्रैप) आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) में सबसे कम होता है। इसी तरह एल्युमीनियम में बिजली का स्रोत एवं ऊर्जा की खपत अहम भूमिका निभाती है। कोयले से उत्पादित बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है, जिससे सीबीएएम लागत भी अधिक होती है।

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

छोटे निर्यातक ईयू बाजार से हो सकते हैं बाहर

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू में प्रवेश करने वाली भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम की हर खेप पर कार्बन लागत जुड़ेगी क्योंकि सीबीएएम रिपोर्टिंग चरण से भुगतान चरण में प्रवेश करेगा। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रियाओं से अनुपालन लागत बढ़ेगी, जिससे कई छोटे निर्यातक ईयू बाजार से बाहर हो सकते हैं। उत्सर्जन का सही आकलन अब प्रतिस्पर्धा का आधार बन गया है। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा और केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ताओं को ही स्वीकार किया जाएगा। आईएसओ 14065 पर्यावरणीय सूचना विवरणों के सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करने वाले निकायों के लिए सिद्धांतों और आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है। कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों के लिए हालांकि सीबीएएम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी बन सकता है। जीटीआरआई के अनुसार, भारत का ईयू को इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर से घटकर 2025 में 5.82 अरब डॉलर रह गया जो 24.4 प्रतिशत की गिरावट है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें। भारतीय निर्यातकों को सीधे तौर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यूरोपीय संघ स्थित आयातकों (जो अधिकृत सीबीएएम घोषणाकर्ता के रूप में पंजीकृत हैं) को आयातित वस्तुओं में निहित उत्सर्जन से संबंधित सीबीएएम प्रमाणपत्र खरीदने होंगे। इसका भार अंततः भारतीय निर्यातकों पर पड़ेगा।

राष्ट्रीय

बंगाल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा मौजूद

पूर्वी कोलकाता में कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने ली बैठक

● शाह ने तय किया एजेंडा, जिम्मेदारियां सौंपीं, आरएसएस से समन्वय और चुनावी मुद्दों को दिया अंतिम रूप

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल अमित शाह।

भाजपा के लिए 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव की भूमिका तय करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घुसपैठ और भ्रष्टाचार के मुद्दों को राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पार्टी का मुख्य चुनावी हथियार बताया। पूर्वी कोलकाता के 'साइंस सिटी ऑडिटोरियम' में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में हुई बैठक में शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत घुसपैठ और भ्रष्टाचार ने संस्थागत रूप ले लिया है और यह महानगर इन बुराइयों के प्रभाव से ज्यादा समय तक अछूता नहीं रह पाएगा।

शाह भाजपा के कोलकाता महानगर क्षेत्र के बूथ स्तर और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। यह क्षेत्र शहर और आसपास की 28 विधानसभा सीटों को शामिल करता है। यह बैठक शाह के 48 घंटे के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लगातार आयोजित बैठकों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी थी। उन्होंने एजेंडा तय किए, नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं, राज्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ समन्वय किया और आगामी महीनों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए मुद्दों को अंतिम रूप दिया। बैठक में शामिल कार्यकर्ता के अनुसार शाह ने कहा कि दिल पे लिख लो, इस बार हमारी सरकार। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि घुसपैठ का खतरा साफ और मौजूद है और अगर इससे लड़ने के लिए लोग नहीं जागे तो शहरवासी जल्द ही इससे गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। उन्होंने सत्ता में आने के समय तृणमूल के मां-माटी-मानुष नारे का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने इन तीनों मूल्यों को अपने शासन में दूषित किया है। शाह ने कहा कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं, इसलिए 'मां' खतरे में है, बेहतर अवसरों के लिए लोग राज्य छोड़कर जा रहे हैं इसलिए मानुष के लिए जगह कम है और राज्य की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है।

विस चुनाव को लेकर की कार्य योजना पर चर्चा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की राज्य इकाई की तैयारियों का जायजा लेने के तहत अमित शाह ने पार्टी के वर्तमान एवं पूर्व जन प्रतिनिधियों के समक्ष कार्य योजना प्रस्तुत की तथा पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को मुख्य चुनावी चेहरों में से एक पेश किया। राज्य में भाजपा की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका से पिछले कई महीनों से काफी हद तक दूर रहे घोष को भी बंद दरवाजे के भीतर हुई इस बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। ऐसा बताया जा रहा है कि शाह ने एक अलग बैठक की जिसमें घोष के साथ-साथ राज्य इकाई के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मौजूदा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

ममता बनर्जी पर शाह को धमकी देने का आरोप

भुवनेश्वर। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उन पर राज्य के दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह तानाशाही कर रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में जनसभा के दौरान कहा कि शाह कोलकाता के जिस होटल में ठहरे हुए हैं वहां से बाहर वह उनकी मर्जी से ही निकल पाए हैं। बनर्जी ने देश के गृह मंत्री को ऐसी भाषा में धमकी दी है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमने इसे देखा है।

चलती कार में महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 25 वर्षीय विवाहित महिला से चलती वैन में सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद में उसे सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार देर रात तब घटी जब दोनों आरोपी परिवहन का इंतजार कर रही महिला को लिफ्ट की पेशकश की। दोनों उसे उसके गंतव्य के बजाय गुरुग्राम ले गए और कार में उससे दुष्कर्म किया। रात तीन बजे राजा चौक के पास तेज रफ्तार गाड़ी से महिला बाहर फेंक दिया। पुलिस के बताया कि महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी हालत गंभीर है। पीड़िता की बहन ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के निवासी और फरीदाबाद में रह रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया है।

विकास के लिए बुनियादी ढांचे का किया जा रहा निर्माण : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● बोले- प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना से देश के आर्थिक विकास को मिलेगी गति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक नया राजमार्ग बनाने और मौजूदा राजमार्ग को चौड़ा करने को मंजूरी देने के फैसले से आवागमन को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नासिक और सोलापुर के बीच छह-लेन वाले एक नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी देने और ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी देने के बाद, प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, विकास के लिए अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में छह लेन वाले नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अनुरूप यह महत्वपूर्ण परियोजना यात्रा के समय को काफी कम करेगी, पश्चिम से पूर्व की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, आवागमन को बढ़ावा देगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से राज्य की प्रगति को गति मिलेगी। मोदी ने कहा कि ओडिशा की प्रगति को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण परियोजना ओडिशा के गजपति, रायगढ़ और कोरापुट जिलों में यात्रा को तेज और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में समावेशी विकास में तेजी आएगी।

राजस्थान : कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद

टोंक (राजस्थान), एजेंसी

● 200 कारतूस व सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोग गिरफ्तार

राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपियों में बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। एनएच-52 पर गश्त के दौरान जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। तलाशी पर बोरियों में अमोनियम नाइट्रेट मिला। इसके 200 कारतूस और 1,100 मीटर लंबाई के सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल भी मिलें। विस्फोटक सामग्री ढोने के लिए इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया गया है। मिश्रा ने बताया कि खुफिया सूचना के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या पर बड़े पैमाने पर क्षेत्र में उत्सवों से पहले दहशत का माहौल बन गया। अमोनियम नाइट्रेट खुली खदानों और पत्थर की खानों में विस्फोट के लिए इस्तेमाल होने वाला प्रमुख घटक है।

कारोबारी की अवैध गिरफ्तारी पर सुनवाई से सुप्रीम इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी व्यवसायी की उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामले में हाईकोर्ट जाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और प्रशांत मिश्रा की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता उमंग रस्तोगी को राहत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। पीठ ने संज्ञान लिया कि याचिकर्ता के पिता की गिरफ्तारी के संबंध में याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में है। न्यायालय ने कहा, आप पहले ही हाईकोर्ट जा चुके हैं। हाईकोर्ट को इस पर भी विचार करना चाहिए।

ठंड-कोहरे की मार झेल रहा उत्तर भारत, जनजीवन प्रभावित

● वाहनों के पहिए थमे, कई राज्यों में स्कूल बंद, पहाड़ों पर बर्फबारी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का उत्तरी हिस्सा कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की मार झेल रहा है। ठंड से कई राज्यों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो कई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। वहीं घने कोहरे से वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आ रहे है, जिससे समूचे उत्तर भारत का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां कोहरे से बसें रेंग रही हैं, वहीं रेलगाड़ियां भी घंटों लेट चल रही हैं।

वहीं, दिल्ली बुधवार को घने कोहरे की चादर में लिपटी रही और वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया। कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसतन 384 रहा। 21 केंद्रों पर बहुत खराब और 16 केंद्रों पर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

असम में ठंड से स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद : ठंड को देखते हुए असम के कई जिले में स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। आईएमडी ने कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और हल्के कोहरा का पूर्वानुमान जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। साथ ही मौसम विभाग ने 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के बावजूद, घाटी में असामान्य रूप से मौसम गर्म रहा, जहां तापमान सामान्य से तीन से सात डिग्री अधिक है।

झारखंड में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची। आईएमडी ने झारखंड में अगले दो दिन तक घने कोहरे की आशंका को देखते हुए बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले में घना कोहरा छाया रहेगा। ।

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा

जयपुर। राजस्थान के करौली का तापमान 4.6 डिग्री रहा। अलवर में पारा 6.5, दौसा में 6.6, टोंक में 6.9, पिलानी में 8.8, चूरू में 9.1 और भीलवाड़ा में 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। कई जिलों में बारिश और राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बेहद घना कोहरा छाने की आंशका है।

नव विहान की दस्तक...

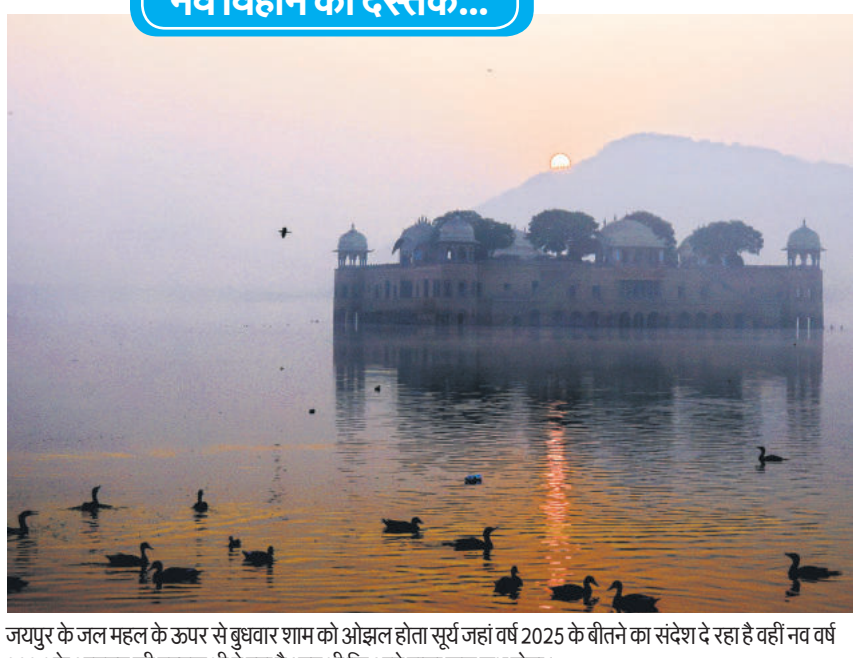

जयपुर के जल महल के ऊपर से बुधवार शाम को ओझल होता सूर्य जहां वर्ष 2025 के बीतने का संदेश दे रहा है वहीं नव वर्ष 2026 के आगमन की दस्तक भी दे रहा है। यह भी कि आने वाला कल शुभ होगा।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखाई देगी सेना के मूक योद्धाओं की झलक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कर्तव्य पथ पर सेना के मार्चिंग दस्तों और हथियारों के साथ-साथ देश की रक्षा में प्राणों की बाजी तक लगाने वाले उसके 'मूक योद्धाओं' यानी पशु दस्ते की झलक भी देखने को मिलेगी। यह एक विशेष और भावनात्मक दृश्य होगा जिसमें सेना के पशु दस्ते पहली बार र संगठित रूप में परेड में शामिल होंगे। ये पशु न केवल सेना की ताकत का प्रतीक होंगे बल्कि यह भी बताएंगे कि देश की रक्षा में उनके योगदान को कितनी अहम जगह दी जाती है। इस विशेष दस्ते में दो बैक्ट्रियन ऊंट , चार ज़ांस्कर पोनी, चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), सेना के दस देसी श्वान और 6 पारंपरिक सैन्य श्वान शामिल होंगे।

सेना के भरोसे पर खरे श्वान

● परेड का सबसे भावुक हिस्सा भारतीय सेना के श्वान होंगे जिन्हें प्यार से मूक योद्धा कहा जाता है। इन श्वान को मेरठ स्थित रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर में प्रशिक्षित किया जाता है। ये आतंकवाद विरोधी अभियानों, विस्फोटक और बारूदी सुरंगों की पहचान, खोज-बचाव कार्यों और आपदा राहत में सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। कई मौकों पर इन श्वान ने अपनी जान की परवाह किए बिना सैनिकों की जान बचाई है। आत्मनिर्भर भारत के तहत सेना अब मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बई और राजापलायम जैसी भारतीय नस्लों के कुत्तों को भी बड़े स्तर पर शामिल कर रही है। यह भारत की अपनी क्षमताओं पर बढ़ते भरोसे का साफ संकेत है।

देश की रक्षा में पशुओं का भी योगदान

● गणतंत्र दिवस परेड में जब ये पशु कर्तव्य पथ से गुजरेंगे तो यह याद दिलाएंगे कि देश की रक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं होती। सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान तक, इन पशुओं ने चुपचाप लेकिन मजबूती से अपना फर्ज निभाया है। ये सिर्फ सहायक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सेना के सच्चे साथी और चार पैरों पर चलने वाले वीर योद्धा हैं। इन पशुओं पर भारतीय सेना को नाज है। यह ने केवल जांबाज योद्धा है वरन सैनिकों के रक्षक और दोस्त भी हैं।

बैक्ट्रियन ऊंट

● पशु दस्ते की अगुवाई बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे, जिन्हें हाल ही में लद्दाख के ठंडे रेगिस्तानी इलाकों में तैनात किया गया है। ये ऊंट बहुत ठंडे मौसम और 15,000 फुट से ज्यादा ऊंचाई पर आसानी से आ-जा सकते हैं। ये 250 किलो तक सामान ढो सकते हैं और कम चारे-पानी में लंबी दूरी तय करते हैं। इससे सेना को दूरदराज और कठिन इलाकों में रसद पहुंचाने में बड़ी मदद मिलती है।

पोनी और रैप्टर्स

● परेड में जांस्कर पोनी जो लद्दाख की एक दुर्लभ और स्वदेशी नस्ल हैं। छोटी होने के बावजूद जबरदस्त ताकत और सहनशक्ति होती है। ये पोनी शून्य से 40 डिग्री कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में 40 से 60 किलो वजन लेकर चल सकती हैं। ये कई बार एक दिन में 70 किमी तक गश्त करती हैं। चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स) और लंबी टांग वाले बाज भी परेड में शामिल होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

जर्मनी में बैंक से उड़ाए तीन करोड़ यूरो

बर्लिन। जर्मनी के एक बैंक की छुट्टियों में उस समय खलल पड़ गई जब कुछ चोरों ने एक बड़ी ड्रिल की मदद से बैंक के वॉल्ट में घुसकर तीन करोड़ यूरो (3.5 करोड़ डॉलर) की नकदी, सोना और गहने चुरा लिए। पुलिस और बैंक ने बताया कि पश्चिमी शहर गेल्सेंकिर्चेन में हुई इस घटना में गैंग ने 3,000 से ज़्यादा डिपॉजिट बॉक्स तोड़ दिए और लूट का सामान लेकर भाग निकले और अभी भी फरार हैं। मंगलवार को सैकड़ों बैंक ग्राहक ब्रांच के बाहर जमा हो गए और जानकारी की मांग करने लगे।

ईरान-वेनेजुएला नए अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला के बीच कथित तौर पर हो रहे हथियारों के व्यापार को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों देशों की 10 संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि तेहरान, वेनेजुएला को पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति कर रहा है, जिससे अमेरिकी सुरक्षा हितों को खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य ईरान और वेनेजुएला के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को रोकना है।

डॉ. जोशी को एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं समाजसेवी डॉ. (वैद्य) शिवशंकर जोशी को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन में एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक

पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में दफनाया गया

● संसद परिसर में पढ़ी गई जनाजे की नमाज, उमड़े लाखों समर्थक

ढाका, एजेंसी

बंगलादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री एवं देश की राजनीति की दिग्गज शख्सियत बेगम खालिदा जिया को बुधवार को प्रशंसकों एवं समर्थकों के भारी भीड़ के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार की सुबह बेगम जिया का 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। बुधवार की सुबह सात बजे नमाज-ए-जनाजा निकला तो ढाका एवं अन्य जिलों से लोगों का काफिला उमड़ पड़ा। बेगम जिया को उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

इसके पूर्व कड़ी सुरक्षा के बीच खालिदा जिया के जनाजे की नमाज अदा की गई। नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर को मानिक मियां एवेन्यू में अदा की गई। बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के खतीब मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल मलिक ने जनाजे की नमाज अदा की, जबकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जिया की संक्षिप्त जीवनी पढ़ी। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, प्रधान न्यायाधीश जुबैर रहमान चौधरी और खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ सरकारी एवं सैन्य अधिकारियों के साथ जनाजे की नमाज में शामिल हुए। जिया के बड़े बेटे रहमान ने नमाज से पहले वहां मौजूद लोगों से कहा कि कृपया अल्लाह से दुआ करें कि उन्हें जन्नत में जगह मिले। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया की नमाज-ए-जनाजा में लाखों लोग शामिल हुए। लोगों ने जिया की आत्मा की शांति के लिए दुआ की।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में संसद भवन के बाहर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नमाज-ए-जनाजा के दौरान लाखों की संख्या में उनके प्रशंसक एवं समर्थकों की भीड़ उमड़ी, उनकी तस्वीर वाला झंडा लहराता एक समर्थक।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की ओर से व्यक्त की संवेदना

ढाका। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। जयशंकर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शमिल होने के लिए यहां पहुंचे हैं। ढाका पहुंचने के तुरंत बाद जयशंकर ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के सबसे बड़े बेटे रहमान से मुलाकात की और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाली इस महान नेता के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया था।

ईडी ने लंदन में बकिंघम पैलेस के पास कुर्क की 150 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

● बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में एजेंसी ने की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नितिन कासलीवाल से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की एक अचल संपत्ति को कुर्क किया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की यह उच्च मूल्य वाली संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है। ईडी के अनुसार, कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक संघ ने लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। विदेश में स्थित संपत्ति को कुर्क करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उस देश की समकक्ष एजेंसियों से संपर्क करता है ताकि धनशोधन रोधी कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत ऐसी संपत्ति का कब्जा लिया जा सके।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि नितिन कासलीवाल ने एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों के एक संघ के साथ धोखाधड़ी की और विदेशी निवेश की आड़ में धनराशि को भारत से बाहर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने विदेशों में कई अचल संपत्ति खरीदीं जिन्हें विदेशी क्षेत्रों में निजी ट्रस्ट और कंपनियों की जटिल संरचना के माध्यम से छिपाया गया। ईडी ने इस मामले में 23 दिसंबर को छापेमारी की थी और कुछ दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए थे। एजेंसी ने कहा कि उक्त सामग्री के विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि नितिन कासलीवाल ने ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, जर्सी और स्विट्जरलैंड सहित, कर चोरी के मामले में पनाहगाह माने जाने वाले कई देशों में ट्रस्ट और कंपनियों का एक जटिल नेटवर्क स्थापित किया था।

एजेंसी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि नितिन कासलीवाल ने कैथरीन ट्रस्ट (पूर्व में सूर्या ट्रस्ट) की स्थापना की थी, जिसमें वह और उनके परिवार के सदस्य मुख्य लाभार्थी थे। बयान के अनुसार, यह ट्रस्ट जर्सी और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में स्थित कैथरीन प्रॉपर्टी होल्डिंग लिमिटेड (सीपीएचएल) नामक कंपनी को नियंत्रित करता था जिसके पास लंदन में स्थित उस अचल संपत्ति का स्वामित्व था जिसे अब कुर्क किया गया है।

क्वाड देशों के राजदूतों ने बीजिंग में की बैठक

बीजिंग। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के राजदूतों ने बीजिंग में सार्वजनिक रूप से प्रचारित दुर्लभ बैठक की। अमेरिकी राजदूत डेविड परड्यू ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की और बताया यह बैठक बीजिंग स्थित अमेरिकी दूतावास में मंगलवार को हुई। परड्यू ने पोस्ट में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में एक सकारात्मक शक्ति है। बीजिंग में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद के सदस्य देशों के राजदूतों से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि चार देशों-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान-के बीच संबंध स्थिर और मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने चारों राजदूतों की तस्वीर साझा की जिसमें बीजिंग में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत भी नजर आ रहे हैं। भारतीय दूतावास ने बैठक पर टिप्पणी नहीं की है।

युद्ध से डरता नहीं है ईरान किंतु टकराव नहीं चाहता

तेहरान, एजेंसी

● विदेश मंत्री अराघची ने कहा-हम गंभीर बातचीत को तैयार

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि उनके देश को युद्ध का डर नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा और वह सच्ची और गंभीर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने यह बात एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद लिखी, कि ईरान को बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर से शुरू करने पर बड़े सैन्य हमले का सामना करना पड़ेगा।

अराघची ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा। उन्होंने कहा कि ईरान के सशस्त्र बल किसी भी हमले का निर्णायक उपायों से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, "हमारे संयम को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यही एकमात्र कारण है कि हमारे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकाने सुरक्षित रहे। ईरानी आपसी हित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते के उद्देश्य से सच्ची और गंभीर बातचीत से पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं, लेकिन अपने कानूनी अधिकारों को कभी नहीं छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि अमेरिका या तो इज़रायल की गढ़ी गई कहानियों पर निर्भर रहना जारी रख सकता है, या फिर यथार्थवाद, आपसी सम्मान पर आधारित रास्ता अपना सकता है।

अराघची ने अन्य देशों के विदेश मंत्रियों को पत्र लिखकर अमेरिका की ईरान विरोधी धमकियों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया।

अवैध रूप से बनाया गया था गोवा का नाइट क्लब

पणजी, एजेंसी

● मजिस्ट्रेट ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया खुलासा

गोवा के जिस नाइटक्लब में दिसंबर के पहले सप्ताह में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई, वह अवैध रूप से बनाया गया था और बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। राज्य सरकार के निर्देश पर हुई मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट में बुधवार को यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित किया जाता रहा और स्थानीय पंचायत ने संपत्ति को सील करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, छह दिसंबर की रात प्रतिष्ठान में उचित सावधानी व सतर्कता बरते बिना तथा पर्याप्त अग्नि-सुरक्षा उपकरणों के बगैर आतिशबाजी की गई जिसके कारण आग लग गई। इस हादसे में नाइटक्लब के कर्मचारियों और पर्यटकों समेत 25 लोगों की मौत हो गई थी।

चीन-ताइवान का एकीकरण अपरिहार्य

● चीनी राष्ट्रपति बोले-मातृभूमि का एक होना समय की मांग

बीजिंग, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नववर्ष के मौके पर बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का उल्लेख करते हुए ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित 2026 के नववर्ष संदेश में शी ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों

ओर रहने वाले चीनी लोगों के बीच रक्त व पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभूमि का पुनः एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन ने पिछले तीन दिन में स्वशासित ताइवान द्वीप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज कर दिया है। चीन ताइवान को अपने मुख्य भूभाग का हिस्सा मानता है। जिनपिंग (72) ने आर्थिक, रक्षा व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में देश की प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी) के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू हो गया है। चीन ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत क्षेत्र में, अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर 170 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले बांध के निर्माण की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना को लेकर भारत और बांग्लादेश की ओर से बाढ़ की आशंका में चिंता जताई गई हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 22.22 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

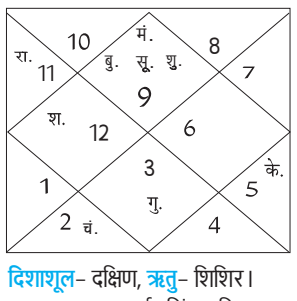

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 22.48 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है। आपके आदर्शों और व्यवहार की प्रशंसा होगी। व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है।

वृष आज बड़े अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धार्मिक आयोजन में जानें का अवसर मिल सकता है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। बाहरी लोगों पर अपना समय बर्बाद न करें। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन आज आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों का व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं।

कर्क आज संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में भावुकता में आकर निर्णय न लें। जॉब को लेकर इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पाएंगे। शाम के समय बाहर डिनर के लिए जा सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताएंगे।

कन्या आज अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। मन में अज्ञात भय पनप सकता है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें।

तुला आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा। ऑफिस में आपके कार्यों की लोग आलोचना कर सकते हैं। आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक आज परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। परिवार के सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। किसी सरकारी मामले में विजय होने की संभावना है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

धनु आज आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट रहेंगे। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे, वे आपको प्राप्त हो सकते हैं।

मकर आज विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। अपने गुस्से को नियंत्रित करके शांति से काम लें। करियर को लेकर किसी से ज्यादा सलाह लेना उचित नहीं है। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे।

कुंभ आज पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। कोर्ट केस में विजय मिल सकती है। परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी।

मीन आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। निर्माण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के साथ बैठकर गंभीर विषयों पर चिंतन करेंगे। सरकारी कार्यों से धन लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे।

सुडोकू-19

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6			2					
3				7				8
	5	8	1			9		
	4	9		1	3			7
	1		4		5		8	
5			6	9		2	4	
		7			2	1	5	
9				4				3
					8			6

सुडोकू - 18 का हल

7	8	2	5	9	4	1	3	6
4	6	3	1	8	2	9	7	5
1	5	9	6	3	7	2	8	4
3	2	4	8	6	1	7	5	9
9	1	5	2	7	3	6	4	8
8	7	6	4	5	9	3	1	2
6	9	1	3	4	8	5	2	7
5	3	8	7	2	6	4	9	1
2	4	7	9	1	5	8	6	3

दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

-आंद्र डि ग्रासे, फर्राटा धावक

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ली और कॉप ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू की ट्रेनिंग

मडगांव (गोवा)। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कॉप और उनकी हमवतन लिजेल ली आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

साई के नए केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।

आईसीसी ने ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई। "यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है," भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुवाहाटी पहुंचने पर गंभीर की बात का खंडन किया – जो दूसरे टेस्ट का स्थान था, उन्होंने कहा कि कोई भी कोलकाता जैसी पिच नहीं चाहता था। पिच ने पहले दिन से ही तेज टर्न दिया।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026

अंडर-19 विश्व कप से शुरुआत और विश्व शतरंज से होगा वर्ष का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी समेत कई नए खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे ऐसे में पीटीआई ने नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है। पेश है विवरण।

जनवरी, फरवरी, मार्च

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी, क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

पीवी सिंधु।

अप्रैल, मई, जून

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जायेगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिये भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विंबलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

कोनेरू हम्पी।

अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

जुलाई, अगस्त, सितंबर

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर महीने में ताशकंद में खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में विकेट लेने बाद जश्न मनाती दीप्ति शर्मा। फाइल फोटो

दीप्ति शर्मा ने बनाया एक और रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है। दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पर्दापण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

फीफा रेफरी सूची में तीन और भारतीय शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रेफरी को फीफा की 2026 अंतर्राष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। एआईएफएफ ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है वहीं रचना कमानी यह कोर्स कर रही हैं।

यूपी की लगातार चौथी जीत जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन

राजकोट, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

- वीजेडी प्रणाली से असम को 58 रनों से हराया

उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसमें कप्तान सुमित घडीगांवकर ने 86 गेंद में शानदार 101 रन बनाए। उनके अलावा सिबशंकर रॉय ने 83 गेंद में 82 रन की पारी खेली। लेकिन जीशान अंसारी (60 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम (66 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जुयाल ने 140 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने पिछले तीन मैच में से दो में 80 और 134 रन बनाए थे। वह फिलहाल विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं। जुयाल को प्रियम गर्ग का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पांच चौके की मदद से 53 गेंद में 52 रन बनाए जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 15 गेंद में 37 रन का योगदान दिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तो उत्तर प्रदेश ने 42 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बना लिए थे। और अंत में उसे 'वीजेडी' प्रणाली से विजेता घोषित किया गया।

आर्यन जुयाल।

मुकेश कुमार और आकाश दीप ने अपनी बेहतरीन गेंदों से कहर बरपाया जिससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को कम स्कोर वाले मुकाबले में नौ विकेट से शिकस्त दी। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मुकेश (16 रन देकर चार विकेट) और आकाश (32 रन देकर चार विकेट) ने चार-चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी ने 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर ऑल आउट कर दिया। केवल कप्तान पारस डोगरा (19) और शुभम खजूरिया (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए जबकि तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप घरामी (25) ने 9.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर बंगाल को तीसरी जीत दिलाई जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

पीडब्ल्यूएल की नीलामी | 3 जनवरी को लगेगी बोली, 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी प्रतियोगिता

सहरावत व सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है।

पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते। विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं। मौजूदा समय में भारत के सबसे अच्छे पहलवानों में से एक सुजीत कलकल ने हालांकि अपना आधार मूल्य सिर्फ सात लाख रुपये रखा है।

विदेशी पुरुषों के वर्ग में यूरोपीय और यूरेशियाई पहलवानों का दबदबा है। पूर्व विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के अबासगदजी मागोमेदोव का आधार मूल्य 10 लाख है। इसी वर्ग में आर्मेनिया के विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अरमान एंड्रियासियन और हंगरी के 2023 के विश्व चैंपियन इस्जमेल मुसुकाजेव भी हैं।

आर्सेन व अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद

कई बार के विश्व और यूरोपीय पदक विजेता और ओलंपियन आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन और मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के उस्मानोव अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद है। दोनों का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। महिला कुश्ती में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता और भारत की स्टार खिलाड़ी अंतिम पंघाल को 10 लाख रुपये आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है जबकि फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही अंशु मलिक भी इसी वर्ग में हैं। स्वाति शिंदे, पूजा गहलोत भी उन शीर्ष भारतीय नामों में शामिल हैं जिनमें काफी दिलचस्पी होने की उम्मीद है।